रविवार
23 जून 2024

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

तेजस्वी यादव ने सरकार पर साधा निशाना कहा...समय पर होगा हिसाब

2

रेलवे प्लेटफॉर्म टिकट अब जीएसटी के दायरे से बाहर : निर्मला सीतारमण

एजेंसी/नई दिल्ली

रेलवे प्लेटफॉर्म टिकट अब जीएसटी के दायरे से बाहर, वित्त मंत्री का परिषद की बैठक के बाद एलान जीएसटी परिषद् ने रेलवे की ओर से आम लोगों को दी जाने सेवाओं पर बड़ा फैसला लिया है। रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म टिकट लेने के अलावे डॉरमेट्री, वेटिंग रूम, क्लॉक रूम और बैट्री ऑपरेटेड वाहनों के इस्तेमाल जैसी सुविधाओं को जीएसटी से बाहर कर दिया गया है। अब ऐसी सुविधाओं पर कोई जीएसटी नहीं लगेगा। छात्रावास की सुविधा उपलब्ध कराने पर भी अब जीएसटी नहीं देना होगा। किसी खास समाज की ओर से चलाए जा रहे हॉस्टल पर भी जीएसटी देय नहीं होगा अगर कोई व्यक्ति वहां 90 दिन लगातार रहते हैं। सरकारी मुकदमेबाजी को कम करने के लिए जीएसटी परिषद ने विभाग की ओर से अपील दायर करने के लिए जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण के लिए 20 लाख रुपये, उच्च न्यायालय के लिए 1 करोड़ रुपये और सुप्रीम कोर्ट के लिए 2 करोड़ रुपये की मौद्रिक सीमा की सिफारिश की है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जीएसटी परिषद् की बैठक के बाद ये बातें कही। सभी दूध के डिब्बे पर 12 फीसदी की एक समान जीएसटी दर निर्धारित करने की सिफारिश की है। स्टील, लोहा, एल्यूमीनियम के बने जो भी केन दूध के डिब्बे के तौर पर प्रयोग होंगे।केंद्र में नई सरकार के गठन के बाद अब केंद्रीय बजट की तैयारियां शुरू हो गई हैं। केंद्रीय कर्मचारी संगठनों ने भी वित्त मंत्री के समक्ष अपनी नौ मांगों की फेहरिस्त रख दी है। इनमें पुरानी पेंशन बहाली, आठवें वेतन आयोग का गठन, मेडिकल सुविधाओं की बेहतरी, स्टाफ बेनिफिट फंड, रेस्टोरेशन कम्युटेशन ऑफ पेंशन, इनकम टैक्स स्लैब, होम लोन रिकवरी व रेलवे की क्षमता में वृद्धि, आदि मांगें शामिल हैं। जेसीएम स्टाफ साइड के सचिव और एआईआरएफ के महासचिव शिव गोपाल मिश्रा ने 21 जून को केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखा है। उन्होंने अपने पत्र में कहा है, केंद्रीय कर्मियों को आने वाले बजट से बहुत उम्मीदें हैं। कर्मचारियों की मांगों में सबसे ऊपर पुरानी पेंशन बहाली है। मिश्रा ने कहा, ओपीएस केवल एक पेंशन नहीं है, अपितु ये सामाजिक सुरक्षा का जरिया है।

पेट्रोल-डीजल आ सकता है जीएसटी के दायरे में

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि केंद्र सरकार की मंशा हमेशा से पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने की रही है और अब राज्यों को एक साथ आकर इसकी दर तय करनी है। उन्होंने कहा कि पूर्व वित्त मंत्री अरुण जेटली ने पेट्रोल और डीजल को जीएसटी कानून में शामिल करने का प्रावधान पहले ही कर दिया है। अब बस राज्यों को एक साथ आकर दर तय करने के लिए चर्चा करनी है। सीतारमण ने कहा, जीएसटी का इरादा पेट्रोल और डीजल को जीएसटी में लाना था। अब राज्यों को दर तय करनी है। मेरे पूर्ववर्ती (अरुण जेटली) की मंशा बहुत स्पष्ट थी, हम चाहते हैं कि पेट्रोल और डीजल जीएसटी में आएं। जीएसटी को जब एक जुलाई, 2017 को लागू किया गया था, उसमें एक दर्जन से अधिक केंद्रीय और राज्य शुल्कों को शामिल किया गया था। हालांकि, यह फैसला किया गया कि पांच वस्तुओं - कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, पेट्रोल, डीजल और विमान ईंधन (एटीएफ) पर जीएसटी कानून के तहत बाद में कर लगाया जाएगा। सीतारमण ने कहा कि जीएसटी लागू करते समय केंद्र सरकार की मंशा थी कि कुछ समय बाद पेट्रोल और डीजल को जीएसटी में लाया जाए। उन्होंने कहा, "इसे जीएसटी में लाने का प्रावधान पहले ही किया जा चुका है। अब सिर्फ यह फैसला करना है कि राज्य जीएसटी परिषद में सहमत हों और फिर तय करें कि वे किस दर के लिए तैयार होंगे। सीतारमण ने कहा कि एक बार यह निर्णय हो जाने के बाद इसे अधिनियम में शामिल कर दिया जाएगा।

पुरानी पेंशन बहाली की उठने लगी मांग

नई दिल्ली। पुरानी पेंशन बहाली के लिए गठित, नेशनल ज्वाइंट काउंसिल ऑफ एक्शन (एनजेसीए) के संयोजक, जेसीएम स्टाफ साइड के सचिव और एआईआरएफ के महासचिव शिव गोपाल मिश्रा ने जून के पहले सप्ताह में कैबिनेट सेक्रेटरी एवं चेयरमैन नेशनल काउंसिल, जेसीएम को लिखे अपने पत्र में कई बातें कही थी। किस तरह से न्यूनतम वेतन 26000 करने पर, सरकार द्वारा कर्मचारियों से वादाखिलाफी की गई। मंत्रियों की कमेटी ने आश्वासन देकर हड़ताल वापस करा दी। बाद में कर्मियों को कमेटी की तरफ से जो भरोसा दिया गया था, वह तोड़ दिया गया। अतीत के कई प्रसंगों की याद दिलाते हुए मिश्रा ने कैबिनेट सचिव से आग्रह किया है कि अविलंब आठवें वेतन आयोग का गठन किया जाए। नेशनल ज्वाइंट काउंसिल ऑफ एक्शन (एनजेसीए) के संयोजक मिश्रा ने कहा है, पुरानी पेंशन बहाली और केंद्रीय कर्मियों के दूसरे मुद्दों पर कोई भी अंतिम निर्णय लेने से पहले सरकार द्वारा कर्मचारी संगठनों से विचार विमर्श किया जाए। कर्मचारी, केवल ओपीएस बहाली चाहते हैं।मिश्रा ने अपने पत्र में लिखा, लगभग 10 लाख रिक्तियों के साथ केंद्र सरकार के कर्मचारियों की संख्या पिछले दशक से कम होती जा रही है। मौजूदा कर्मचारियों पर काम का भारी दबाव है। वर्ष 2020-21 के दौरान केंद्र सरकार के कर्मचारियों के वेज (वेतन) और भत्ते का वास्तविक व्यय कुल राजस्व व्यय का केवल 7.29 फीसदी है। एनपीएस ने सरकारी कर्मियों के सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा चक्र को तोड़ दिया है।

मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार का पहला संसद सत्र 24 जून से प्रारंभ

संसद में रौद्र रूप दिखने को तैयार विपक्ष स्पीकर, नीट व अग्निवीर पर होगा हमला

- बोले... प्रोटेम स्पीकर के पद पर कोडिकुन्निल सुरेश का हक बनता है
- एनडीए और इंडिया गठबंधन के बीच हर मुद्दे पर टकराव

एजेंसी/नई दिल्ली

मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार का पहला संसद सत्र 24 जून से प्रारंभ हो रहा है। विपक्ष की तरफ से पहले ही यह इशारा कर दिया गया है कि इस बार सत्ता पक्ष को विपक्ष का रौद्र रूप देखने को मिलेगा। यानी, संसद सत्र के हंगामेदार रहने की उम्मीद है। एनडीए और इंडिया गठबंधन के बीच पहला टकराव स्पीकर पद के चुनाव को लेकर हो सकता है। अतीत में लोकसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के पद का चुनाव सर्वसम्मति से होता रहा है। इस बार वैसी स्थिति नजर नहीं आ रही। भाजपा ने सांसद भर्तृहरि महताब को लोकसभा का प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने इस पर सवाल खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह संसदीय परंपरा के खिलाफ है। सबसे वरिष्ठ सांसद को ही प्रोटेम स्पीकर के पद पर नियुक्त करने की परंपरा रही है। राहुल गांधी, नीट और यूजीसी नेट के पेपर लीक पर मोदी सरकार को घेरेंगे, तो वहीं दूसरी तरफ सेना में अग्निवीर योजना को लेकर भी सरकार पर हल्ला बोल करेंगे। इसके अलावा, कांग्रेस और टीएमसी ने तीन नए कानूनों पर भी मोदी सरकार को घेरने का संकेत दे दिया है। ये कानून तब पारित किए गए थे, जब रिकॉर्ड 146 विपक्षी सांसदों को निलंबित कर दिया गया था।लोकसभा चुनाव के बाद से ही विपक्ष लगातार अपनी सक्रियता दिखा रहा है। खासतौर से राहुल गांधी, अखिलेश यादव, ममता बनर्जी के अलावा आरजेडी व आप नेता, एनडीए सरकार पर निशाना साधने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे। सबसे पहला मुद्दा, लोकसभा स्पीकर का रहेगा। अभी तक इस पद का चुनाव सर्वसम्मति से ही होता रहा है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश कहते हैं, प्रोटेम स्पीकर के पद पर कोडिकुन्निल सुरेश का हक बनता है। सरकार की यह मानसिकता पूरी तरह से बुलडोजर मानसिकता है। सरकार पहले ही दिन से पंगा लेने में लगी हुई है। च्संसद सत्र में दूसरा बड़ा मुद्दा, जिस पर विपक्ष का हल्लाबोल हो सकता है, वह नीट का पेपर है। राहुल गांधी, सपा प्रमुख अखिलेश यादव, आप सांसद संजय सिंह व इंडिया गठबंधन के दूसरे सहयोगी दल यह बात कह चुके हैं कि वे मेडिकल परीक्षा का मुद्दा संसद में उठाएंगे। राहुल गांधी ने कहा है कि हिंदुस्तान में लगातार पेपर लीक हो रहे हैं।

पूर्व में तीन अधिनियमों पर नहीं हुई है चर्चा : जयराम रमेश

जयराम रमेश ने कहा है कि 25 दिसंबर 2023 को राष्ट्रपति ने भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 को अपनी सहमति दी थी। इन तीन दूरगामी विधेयकों को बिना उचित बहस और चर्चा के संसद से मनमाने ढंग से पारित कर दिया गया था। जब ये विधेयक पारित किए गए जा रहे थे तब 146 सांसदों को लोकसभा और राज्यसभा से निलंबित कर दिया गया था। जयराम रमेश ने दावा किया है कि 'इससे पहले इन विधेयकों को देश भर के पक्षकारों के साथ विस्तार से बातचीत के बिना और कांग्रेस सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के कई सांसदों (जो समिति के सदस्य थे) के लिखित और बड़े पैमाने पर असहमति से भरे नोट को नजरअंदाज करते हुए गृह मामलों पर स्थायी समिति के माध्यम से जबरन अनुमोदित कर दिया गया था।'कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने तीन नए आपराधिक कानूनों को लेकर कहा, यह कानून उस समय पारित किए गए थे, जब 146 विपक्षी सांसदों को संसद से निलंबित कर दिया गया था।

दिल्ली और एनसीआर में बढ़े सीएनजी के दाम

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी और आसपास के शहरों में सीएनजी की कीमत में शनिवार को एक रुपए प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी की गई। यह मूल्य वृद्धि सब्सिडी वाली प्राकृतिक गैस की आपूर्ति में कमी आने के बाद की गई है। दिल्ली और आसपास के शहरों में घरों में सीएनजी ऑटोमोबाइल और पाइप्ड कुकिंग गैस की खुदरा बिक्री करने वाली कंपनी इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड ने अपनी वेबसाइट पर दरों में बढ़ोतरी की घोषणा की। दिल्ली में सीएनजी की कीमत 74.09 रुपए से बढ़कर 75.09 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई है जबकि नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में यह दर 78.70 रुपए से बढ़कर 79.70 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई है। आईजीएल ने वृद्धि का कारण नहीं बताया है। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि घरेलू आपूर्ति में गिरावट के बाद कंपनी को अब अधिक आयातित गैस खरीदनी पड़ रही है। जमीन और समुद्र तल से निकाली गई प्राकृतिक गैस को वाहन चलाने के लिए सीएनजी में बदला जाता है। लेकिन ओएनजीसी के घरेलू क्षेत्रों से आपूर्ति सीएनजी की मांग के अनुरूप नहीं रही है। गैस आईजीएल की सीएनजी मांग का 66-67 प्रतिशत है।

सीएम चंद्रबाबू ने कहा...जनता का भाग्य एनडीए के हाथों में

एजेंसी/नई दिल्ली

आंध्र प्रदेश के नए मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को 16वीं विधानसभा में सरकार के अगले पांच साल के केंद्रित विकास कार्यों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि राज्य के लोगों ने एनडीए गठबंधन को कानून-व्यवस्था को व्यवस्थित करने की जिम्मेदारी दी है। मुख्यमंत्री नायडू ने बताया कि अगले पांच सालों में राजधानी का निर्माण, पोलावरम परियोजना को पूरा करना, नदियों को आपस में जोड़ना, निवेश को आकर्षित करना कुछ ऐसे मुद्दे हैं जिन पर सरकार को अगले पांच सालों में अधिक ध्यान देने की जरुरत है। वहीं पिछली वाईएसआरसीपी सरकार पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि पुरानी सरकार ने कथित तौर पर सदन को असभ्य विधानसभा में बदल दिया है। उन्होंने दावा किया कि पिछले पांच सालों में, पवित्र विधानसभा को गंदी राजनीति, व्यक्तिगत हमलों, चरित्र हनन के मंच में बदल दिया गया था। यहां गालियां दी गईं, मजाक उड़ाया गया। उन्होंने वाईएसआरसीपी विधायकों की तरफ से उनके परिवार के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों को याद किया और कहा कि कैसे उन्होंने सिर्फ मुख्यमंत्री के रूप में ही इस सदन में लौटने की कसम खाई थी।मुख्यमंत्री नायडू ने इस दौरान राज्य के लोगों को उनका सम्मान बचाने के लिए धन्यवाद दिया और सदन को अच्छे तरीके से चलाने का वादा किया। वहीं राज्य की 16वीं विधानसभा को मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के बाद, कई अन्य सदस्यों ने सदन को संबोधित किया। इसके बाद स्पीकर सी. अय्यन्नापात्रुडू ने टीडीपी नेता, जनसेना प्रमुख पवन कल्याण, भाजपा नेताओं और सभी विधायकों को धन्यवाद दिया, जिन्होंने उन्हें सर्वसम्मति से चुना। इस दौरान स्पीकर सी. अय्यन्नापात्रुडू ने सभी सदस्यों को आश्वासन दिया कि सदन में तमाम अहम मुद्दों को उठाने की अनुमति मिलेगी। स्पीकर ने बाद में दो दिवसीय सत्र को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया।

एलजी ने बोले...पहले ही नसीहत दी थी पानी के संकट को जल्द कर ले दूर

केटी न्यूज/नई दिल्ली

दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने पानी की कमी को लेकर एक बयान जारी किया है। वहीं शनिवार को आतिशी के अनशन का दूसरा दिन है। आप सांसद, विधायक व पार्षद भी उनका साथ दे रहे हैं। दावा है कि जब तक दिल्ली का जल संकट दूर नहीं होता, अनशन जारी रहेगा। दिल्ली में पानी की मांग को लेकर जल मंत्री आतिशी के अनशन पर उपराज्यपाल ने निशाना साधा है। आतिशी के अनशन पर राजनिवास की ओर से कहा गया है कि कई मौकों पर मुख्यमंत्री को सलाह दी थी कि वह अपने प्रशासन में सुधार लाएं। लेकिन दिल्ली सरकार विपक्ष की तरह हर मुद्दे पर राजनीति कर रही है। आप सरकार के गलत व्यवहार के कारण हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में ऐसे भी मामले दर्ज हुए हैं। पड़ोसी राज्य नियम के तहत पानी उपलब्ध करवा रहे हैं। उत्तर भारत इस समय भीषण गर्मी की चपेट में है सभी जगह पानी की समस्या चल रही है। लेकिन दिल्ली सरकार इस पर भी राजनीति कर रही है।

सुप्रीम कोर्ट में नई याचिका दायर कर रखी ईडी और सीबीआई से जांच कराने की मांग

केटी न्यूज/नई दिल्ली

नीट यूजी विवाद शांत होने का नाम नहीं ले रहा है। इसी बीच पहले एनटीए द्वारा आयोजित यूजीसी नेट परीक्षा को आयोजित होने के एक दिन बाद ही रद्द कर दिया गया। वहीं, अब 25 जून से 27 जून के बीच होने जा रही सीएसआईआर यूजीसी नेट परीक्षा को स्थगित कर दिया है। इस परीक्षा का आयोजन भी एनटीए द्वारा ही किया जाता है। याचिका में कहा गया है कि 2024 की नीट यूजी परीक्षा में कई अन्य अनियमितताएं थीं, विशेष रूप से, उम्मीदवारों को समय पर प्रश्न पत्र उपलब्ध कराने में अधिकारियों की ओर से घोर लापरवाही । सुप्रीम कोर्ट में एक नई याचिका दायर कर पांच मई को आयोजित मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी में कथित अनियमितताओं की जांच के लिए सीबीआई और ईडी को निर्देश देने की मांग की गई है। परीक्षा देने वाले 10 छात्रों द्वारा दायर याचिका में बिहार पुलिस को मामले की जांच में तेजी लाने और शीर्ष अदालत के समक्ष एक रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश देने की भी मांग की गई है। पुलिस ने संजीव की तलाश भी तेज कर दी है। आरोप है कि संजीव को एक प्रोफेसर ने वाट्सएप पर प्रश्नपत्र भेजा था। इसे पटना और रांची के मेडिकल स्टूडेंट की मदद से हल करवाया गया था। इसके बाद पांच मई की सुबह उत्तर के साथ इसे करायपुरसुराय के चिंटू उर्फ बलदेव के मोबाइल पर भेजा गया था। चिंटू की मदद से पिंटू ने इसका प्रिंट निकाला। 25 अभ्यर्थियों को इस प्रश्नोत्तर को रटने के लिए भेज दिया।

गीडा के वर्तमान वित्तीय वर्ष में सात बड़ी निवेश परियोजनाओं के आने की संभावना, बोले सीएम-

3725 करोड़ रुपये के निवेश से दस हजार को मिलेगा रोजगार

केटी न्यूज/गोरखपुर

औद्योगिक प्रगति में छलांग लगा रहे गोरखपुर में चालू वित्तीय वर्ष में 3725 करोड़ रुपये की निवेश परियोजनाएं धरातल पर उतरने की कतार में हैं। अडानी ग्रुप समेत सात औद्योगिक घरानों ने गीडा को अपने निवेश प्रस्ताव देकर जमीन की डिमांड की है। गीडा इन निवेशकों को उनके मनमाफिक जमीन देने की प्रक्रिया में है। इन निवेश परियोजना के मूर्त होने के बाद करीब दस हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। अडानी ग्रुप ने अंबुजा ब्रांड की सीमेंट फैक्ट्री लगाने के लिए, लोटस सिंगापुर ग्रुप ने बिसलेरी ब्रांड का बॉटलिंग प्लांट लगाने के लिए, शाही एक्सपोर्ट ने रेडीमेड गारमेंट क्लस्टर के लिए, दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) व आईआईएमटी यूनिवर्सिटी ने शिक्षा संस्थान के लिए, अपोलो ट्यूब्स ने स्टील पाइप फैक्ट्री के लिए और स्टैम्ज टेक ने कोल्ड रोल फार्मिंग सेक्शन, वैगन निर्माण एवं रख रखाव के लिए कुल मिलाकर 128 एकड़ जमीन की मांग गीडा (गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण) से की है। इन निवेशकों को जमीन मिलने के बाद वे 3725 करोड़ रुपये का निवेश करेंगे। इनमें सबसे बड़ा निवेश प्रस्ताव अडानी ग्रुप का है। गीडा की मुख्य कार्यपालक अधिकारी अनुज मलिक ने इन निवेश प्रस्तावों की विस्तृत जानकारी गत दिनों मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को विकास परियोजनाओं की समीक्षा बैठक के दौरान दी। उन्होंने बताया कि इन सभी निवेशकों को उनकी पसंद के मुताबिक जमीन दिखा दी गई है और जल्द ही आगे की प्रक्रिया पर काम शुरू कर दिया जाएगा। इंडस्ट्री और गोरखपुर के बीच दशकों तक विरोधाभासी रिश्ता बना रहा लेकिन योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद सात साल में माहौल ऐसा बदला कि अब दोनों एक दूसरे के पूरक रूप में देखे जा रहे हैं। जिस गोरखपुर में स्थानीय पूंजीपति भी औद्योगिक निवेश करने से घबराते थे, अब वहां देश की नामी कम्पनियों के आने की होड़ सी दिखती है। गोरखपुर को औद्योगिक विकास के नक्शे पर स्थापित करने के लिए नोएडा की तर्ज पर गीडा की स्थापना यूं तो 34 वर्ष पूर्व ही ओर दी गई थी लेकिन नोएडा से प्रतिस्पर्धा का दौर बीते आधे दशक में शुरू हुआ है। इंडस्ट्री को लेकर नकारात्मक धारणा वाले इस क्षेत्र में इंडस्ट्री फ्रेंडली होने की यह दास्तां महज सात साल पुरानी है।

नीटः जला हुआ प्रश्नपत्र और बुकलेट नंबर लेकर दिल्ली गई जांच टीम

केटी न्यूज/पटना

जला हुआ नीट पेपर लीक केस में बिहार पुलिस की टीम अब मास्टरमाइंड की तलाश कर रही है। पुलिस का दावा है कि सिपाही भर्ती, शिक्षक भर्ती और नीट पेपर लीक केस के तार आपस में जुड़े हैं। जांच एजेंसी ने अब तक की कार्रवाई के बारे में एनटीए और शिक्षा मंत्रालय के अधिकारियों को पूरे केस की जानकारी दी। सूत्रों की मानें तो एनटीए ने इस जांच रिपोर्ट के आधार पर यह फैसला लेगा कि परीक्षा रद्द करना है या नहीं। वहीं पुलिस ने जला हुआ

प्रश्नपत्र और बुकलेट नंबर 6136488 बरामद किया। दावा है कि यह बुकलेट हजारीबाग के एक सेंटर का है। अब तक की जांच में यह स्पष्ट हो गया हे कि नूरसराय महाविद्यालय का कर्मी संजीव मुखिया ही पेपर लीक करने वाले गिरोह का सरगना है। पुलिस ने संजीव की तलाश भी तेज कर दी है। आरोप है कि संजीव को एक प्रोफेसर ने वाट्सएप पर प्रश्नपत्र भेजा था। इसे पटना और रांची के मेडिकल स्टूडेंट की मदद से हल करवाया गया था। इसके बाद पांच मई की सुबह उत्तर के साथ इसे करायपुरसुराय के चिंटू उर्फ बलदेव के मोबाइल पर भेजा गया था।

पुलिस ने एकंगरसराय प्रखंड में छापेमारी कर एक व्यक्ति को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। इधर, उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने जब नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के पीएम प्रीतम कुमार पर की सिफारिश पर निलंबित जूनियर इंजीनियर सिकंदर यादवेंदु के साले के बेटे अनुराग को ठहराया गया था। उसके बाद से मामले में नया मोड़ आ गया है। पर बिहार पुलिस की जांच टीम प्रीतम से भी पूछताछ कर सकती है। वहीं जांच एजेंसी ने नालंदा पुलिस को नोटिस भेजकर संजीव मुखिया को गिरफ्तार करने के लिए भी कहा है। नालंदा पुलिस ने संजीव मुखिया के घर छापेमारी की लेकिन वह फरार था। पुलिस संजीव के अलावा राकेश रंजन, चिंटू, पिंटू, आशुतोष समेत कई की तलाश में छापेमारी कर ही है।

एनटीए के नये डीजी बने प्रदीप सिंह खरोला

नीट पेपर लीक मामले में सरकार की हो रही किरकिरी के बाद केंद्र ने बड़ा एक्शन लिया है। सरकार ने राष्ट्रीय टेस्टिंग एजेंसी के डीजी सुबोध कुमार सिंह को हटा दिया है। सुबोध की जगह प्रदीप सिंह खरोला को नया डीजी नियुक्त किया गया है। इससे पहले प्रतियोगी परीक्षाओं नीट और नेट में अनियमितताओं को लेकर उठे विवाद के बीच शिक्षा मंत्रालय ने एनटीए के माध्यम से परीक्षाओं का पारदर्शी, सुचारू और निष्पक्ष संचालन सुनिश्चित करने के लिए इसरो के पूर्व प्रमुख के. राधाकृष्णन के नेतृत्व में विशेषज्ञों की एक उच्च स्तरीय समिति गठित की है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि पारदर्शी, छेड़छाड़ मुक्त और त्रुटि रहित परीक्षाएं एक प्रतिबद्धता है। विशेषज्ञों की उच्च स्तरीय समिति का गठन परीक्षा प्रक्रिया की दक्षता में सुधार लाने, सभी संभावित कदाचारों को समाप्त करने, डेटा सुरक्षा प्रोटोकॉल को मजबूत करने और एनटीए में सुधार लाने के लिए उठाए गए कदमों की श्रृंखला में पहला कदम है। उन्होंने कहा कि छात्रों का हित और उनका उज्ज्वल भविष्य सदैव हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी।

गिरफ्तारी नहीं होने पर राजद नेता राष्ट्रपति से मांगी सपरिवार इच्छा मृत्यु

केटी न्यूज/गोपालगंज

गोपालगंज के राजद नेता ने राष्ट्रपति को पत्र लिखकर सपरिवार इच्छा मृत्यु की मांग की है। राजद नेता राजेश कुमार यादव का कहना है कि पिछले एक साल पूर्व नामजदों द्वारा गोली मारने के मामले में आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। इसी बात से नाराज होकर उन्होंने राष्ट्रपति को पत्र लिखकर सपरिवार इच्छा मृत्यु की मांग की है। इसको लेकर उन्होंने पत्र को पोस्ट और ईमेल के जरिए अपनी बात राष्ट्रपति के पास रखने की बात कही है। इस मामले में बताया जाता है कि नगर थाना क्षेत्र के तुरकाहां निवासी चन्द्रिका यादव के पुत्र राजद नेता राजेश कुमार यादव ने राष्ट्रपति के पास भेजे गए एक पत्र में कहा है कि पिछले एक साल पूर्व मेरे उपर जान मारने की नियत से हमला किया गया था। उस घटना की प्राथमिकी नगर थाना में दर्ज कराया गया है। परन्तु उक्त कांड के मुख्य अभियुक्त द्वारा इस कांड में जमानत अर्जी न्यायालय में दिया गया था जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया। इसके बाद आरोपी मुझ पर धमकी के साथ दबाव बना रहा है कि तुम कांड का समझौता न्यायालय में कर लो वरना तुम्हारी हत्या करा देंगे।

महाराजगंज अनुमंडल के पटेढ़ा और गरौली गांव के बीच गंडक नहर पर पुल गिरा

एक और पुल धराशायी, अब सीवान में नहर पर बना ब्रिज भरभरा कर गिरा

- बच्चे स्कूल नहीं जा पाएंगे और एक गांव से दूसरे गांव में आने जाने के लिए यही एक पुलिया ही सहारा था

केटी न्यूज/पटना

फिर से पुल हादसा हुआ है। चार दिन के अंदर दूसरा पुल भरभरा कर गिर गया। सीवान के महाराजगंज अनुमंडल के पटेढ़ा और गरौली गांव के बीच गंडक नहर पर पुल अचानक गिर गया। दरअसल, शनिवार सुबह अचानक पुल का एक पाया धंसने लगा। देखते ही पुल नहर में समा गया। हादसे के बाद दो गांव के बीच आवागमन बाधित हो गया है। इलाके में हड़कंप मच गया। लोग पुल के निर्माण कार्य पर सवाल उठा रहे हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि 30 साल पहले बिहार सरकार ने इस पुल का निर्माण करवायाा। कुछ दिन पहले ही विभाग नहर की सफाई करवाई गई थी। साथ ही नहर की मिट्टी काटकर नहर के बांध पर फेंक दी गई थी। ग्रामीणों का दावा है कि इसी कारण पुल का पाया कमजोर हो गया। आज पाया टूट गया, जिससे पुल नहर

में गिर गया। घटना के बाद प्रशासन ने जांच टीम का गठन किया है। वहीं पुल हादसे के बाद वहां पर दोनों ओर से दोनों गांव के लोग इकट्ठे हो गए। ग्रामीणों ने बताया कि कुछ दिन पहले नहर की सफाई की गई थी, वही ग्रामीणों का कहना था कि पुल टूटने के बाद भी अभी तक कोई विभाग के लोग जायजा लेने नहीं पहुंचे हैं। इसके टूट जाने की वजह से काफी मशक्कत का सामना करना पड़ेगा। बच्चे स्कूल नहीं जा पाएंगे और एक गांव से दूसरे गांव में आने जाने के लिए यही एक पुलिया ही सहारा था।

बता दें कि 18 जून को अररिया जिले सिकटी प्रखंड में बकरा नदी पर बना पुल उद्घाटन से पहले ही पुल ध्वस्त हो गया था। 182 मीटर का पुल कुल तीन हिस्सों में बना था। दो पाए के साथ दो हिस्सा नदी में समा गया। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क निर्माण योजना के तहत बने इस पुल की लागत 7.79 करोड़ रुपये थी। 182 मीटर लंबे इस पुल का निर्माण 2021 में शुरू हुआ था। शुरूआती दौर में यह 7 करोड़ 80 लाख की लागत का था, लेकिन बाद में नदी की धारा बदलने और एप्रोच सड़क को लेकर कुल 12 करोड़ की लागत का हो गया था।

सीवान में नहर का बांध टूटने से पूरा इलाका हुआ पानी-पानी

सीवान। सीवान के मैरवा में नहर का बांध टूटने से कई एकड़ फसल बर्बाद हो गई है। घटना को लेकर बताया जा रहा है कि सीवान जिले के मैरवा प्रखंड के नवादा गांव में स्थित नहर का बांध अचानक टूट गया, जिससे करीब पांच एकड़ खेतों की फसल बर्बाद हो गई है। देखते-देखते पूरे इलाके में पानी भर गया। बताया जा रहा है कि 50 से 60 किसानों की धान की फसल बर्बाद हो गई है। जिन किसानों ने धान के लिए बिजड़ा डाला था, उनकी लाखों की फसल तबाह हो गई है।वहीं, इस घटना की सूचना मिलते ही विभाग जेई मदन मोहन घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि नहर के आउटलेट के लिए जगह छोड़ी जाती है, जिसमें हर जगह चूहों ने छेद कर दिया था। जेई ने कहा कि बांध बांधने की तैयारी हम लोगों ने शुरू कर दी है। ताकि पानी के बहाव को रोका जा सके। इधर, धीरे-धीरे कई इलाकों में और पानी घुसना शुरू हो गया है। जल्द ही इसे ठीक कर दिया जाएगा।

फोटो फ्रेमिंग दुकान की आड़ में हो रहा था नशे का धंधा, पुलिस ने छापामारी कर बरामद किया 17.2 किलो गांजा

केटी न्यूज/पटना

बिहार में नशे के खिलाफ मुहिम में औरंगाबाद की पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। यहां अम्बा थाना पुलिस ने एक फोटो फ्रेमिंग दुकान से गांजे की एक बड़ी खेप बरामद की है। दुकान से 17.2 किलो बरामद गांजे की कीमत करीब दो लाख आंकी जा रही है।अम्बा थानाध्यक्ष राहुल राज ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली कि अम्बा-नबीनगर रोड में एक फोटो फ्रेमिंग दुकान की आड़ में नशीले पदार्थ गांजा की बिक्री की जा रही है। इसकी सूचना उन्होंने अपने वरीय अधिकारियों को दी। वरीय अधिकारियों के निर्देश पर उन्होंने स्थानीय अंचल अधिकारी सह दंडाधिकारी चंद्र प्रकाश, सहायक समादेष्टा शिवांक पांडेय, एसएसबी की 29 बटालियन के काला पहाड़ कैम्प की टीम के साथ सूचना की सत्यता की जांच करने के लिए छापामारी करने दुकान पर पहुंचे। इस दौरान दुकान में मौजूद दुकानदार ने अपना परिचय मुड़िला निवासी विनोद शर्मा (50) के रूप में दिया। इस दौरान टीम ने दुकान की तलाशी ली। तलाशी में दुकान में रखे स्टील के बक्से से उजले रंग की दोहरी पन्नी में बांधा हुआ 17.2 किलो गांजा और 500 एमएल विदेशी शराब बरामद की गई। गांजे की खेप मिलते ही पुलिस ने दुकानदार को गिरफ्तार कर लिया।

तेजस्वी यादव ने सरकार पर साधा निशाना कहा...समय पर होगा हिसाब

केटी न्यूज/पटना

तेजस्वी यादव ने सरकार पर निशाना साधते हुए खुलेआम चेतावनी दी और कहा कि समय पर लिया जाएगा हिसाब। यह बात मुख्य रूप से सरकार पर हमला था लेकिन साथ ही दूसरा हमला प्रशासन पर भी किया लेकिन फिर बात को बदलते हुए कहा कि प्रशासन को दवाब में काम नहीं करना चाहिए। सत्ता आते जाते रहती है। हमलोग भी आये और चले गये। आजकल की जो परिस्थिति बनी हुई है उसमें फिर हम कब आ जायेंगे यह कहना मुश्किल है। यह बातें बिहार के नेता प्रतिपक्ष और पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव एक दिवसीय कार्यक्रम के तहत छपरा पहुंचने पर कहा। छपरा में चुनावी हिंसा के दौरान मारे गए युवक चंदन राय के परिजनों से मुलाकात की। साथ ही विगत दिनों

आपसी रंजिश में मारे गए अधिवक्ता पिता और पुत्र के घर पहुंच परिजनों से मुलाकात कर शोक सांत्वना दिया। शनिवार के दोपहर बाद नेता प्रतिपक्ष सह पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव छपरा पहुंच कर सबसे पहले मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मेथवलिया गांव पहुंचे, जहां मृतक के परिजनों से मिलने के बाद कार्यवाई कराने को लेकर आश्वस्त किया। उसके बाद नगर थाना क्षेत्र के राहत रोड स्थित आपसी विवाद के दौरान घायल युवती से मिलने पहुंचे। उसके बाद नगर थाना क्षेत्र के ही तेलपा गांव पहुंच कर मृतक चंदन यादव और घायल गुड्डू राय के परिजनो से मिलकर घटना के बारे में जानकारी लेते हुए कार्यवाई के प्रति आश्वासन दिया। परिजनों से मिलने के बाद तेजस्वी यादव ने कहा कि इंसाफ दिलाने के लिए स्थानीय प्रशासन और एसपी से मिलने के बाद डीजीपी से भी मिल कर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग करेंगे। फरार चल रहे अपराधियों को गिरफ्तार करने के संबंध में बातचीत करेंगे। तेजस्वी यादव ने पुलिस पर आरोप लगाते हुए कहा कि इस मामले में सरकार की ओर से कही न कही ढिलाई बरती गई है। तेजस्वी यादव ने कहा कि प्रशासन दबाव पर कार्य कर रही है, लेकिन प्रशासन से अपील है कि किसी के दबाव में नही आए।

म्यूजियम में माइंड फेस्ट, क्विज में 134 टीमों ने लिया भाग

पटना। ज्ञान और रचनात्मकता का उत्सव पटना माइंड फेस्ट का उद्घाटन शनिवार को पटना स्थित बिहार संग्रहालय में बिहार के पूर्व मुख्य सचिव त्रिपुरारी शरण एवं रेरा-के अध्यक्ष विवेक सिंह एवं म्यूजियम के निदेशक राहुल कुमार द्वारा किया गया। आईएएस ऑफिसर्स एसोसिएशन, बिहार म्यूजियम और एक्स्ट्रा-सी की संयुक्त पहल पटना माइंड फेस्ट के लिए देश-प्रदेश के हजारों छात्रों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। आयोजन के पहले दिन पटना क्विज, क्रिप्टिक क्रॉसवर्ड एवं वर्ड-बी प्रतियोगिताएं हुई, जिनमें नॉर्ट डेम एकैडमी, डॉन बॉस्को एकैडमी, सेंट केरेंस स्कूल से लेकर आईआईटी खड़गपुर और आईआईटी बॉम्बे से छात्रों ने भी भाग लिया। प्मुख्य अतिथि त्रिपुरारी शरण ने कहा कि पटना माइंड फेस्टिवल जैसे आयोजन, विशेषकर हमारे राज्य में, समाज की ऊर्जा और गतिशीलता का का प्रतीक हैं।

अनलोडर वॉल्व पुल के बीचों-बीच लीकेज हुआ, टीम का पहुंचना था मुश्किल

जान हथेली पर रख लोको पायलट ने ठीक की ट्रेन की खराबी, पुल पर फंसी गाड़ी, रेंगते हुए ट्रैक पर पहुंचे

- रेलवे ने इन्हें 10 हजार रुपये इनाम देने की घोषणा की
- एयर लीकेज हो जाने के कारण ट्रेन वाल्मिकीनगर और पनियहवा के बीच में रुक गई

केटी न्यूज/पटना

पश्चिम चंपारण जिले से एक चौंकाने वाली तस्वीर सामने आयी है। एक लोको पायलट कभी पुल से लटकते तो कभी ट्रैक पर रेंगते नजर आ रहे हैं। उन्होंने ऐसा काम कर दिखाया जिससे लोग हैरान हैं। अब इस काम के लिए रेलवे ने इन्हें 10 हजार रुपये इनाम देने की घोषणा की है। दरअसल, समस्तीपुर रेल मंडल के वाल्मिकीनगर और पानियावा स्टेशन के बीच पिलर नंबर 383 पर अचानक पैसेंजर ट्रेन के लोको इंजन का अनलोड वॉल्व लीक हो गया। इस कारण ट्रेन वहीं खड़ी हो गई। पुल के ऊपर रेलवे की टीम का पहुंचना भी मुश्किल था। इस बीच अचानक लोको

पायलट और सहायक लोको पायलट ने वॉल्व को ठीक करने की ठान ली। इसके बाद पुल से लटककर टैक के पास पहुंचे। टैक पर रेंगते हुए लीकेज को ठीक करने के लिए इंजन तक पहुंचे। इसके बाद पायलट इंजन से अनलोडर वॉल्व से एयर प्रेशर के लीकेज को ठीक कर दिया। बताया जाता है कि ट्रेन नम्बर 05497 यात्री गाड़ी के इंजन में एयर लीकेज हो जाने के कारण ट्रेन वाल्मिकिनगर और पनियहवा के बीच में रुक गई। जैसे ही ट्रेन वाल्मीकिनगर रोड स्टेशन से खुली अनलोडर वाल्व से लीकेज होने लगा। और पुल पर पिलर नंबर 382 के पास खड़ी हो गई। ट्रेन रुकते ही यात्री घबरा गए। अनलोडर वॉल्व पुल के बीचों-बीच लीकेज हुआ था। ऐसे में उसे बंद करना चुनौती भरा काम था। इसी बीच ट्रेन के लोको पायलट अजय यादव और सहायक लोको पायलट रंजीत कुमार ने कमान संभाली और साहस का परिचय देते हुए किसी तरह से पुल पर होते हुए ट्रेन के नीचे पहुंचे। जहां वॉल्व को ठीक किया और सुरक्षित आगे के लिए यात्रा शुरू किए। इस घटना से यात्रियों को लगा था कि उन्हें लंबे समय तक यहीं फंसा रहना होगा।

मारपीट में बीच-बचाव करने गई वृद्धा को लगी गंभीर चोट, इलाज के दौरान मौत

केटी न्यूज/बक्सर

- मां काली की पूजा के बाद शराब पीने को लेकर आपस में भिड़ गए थे दो पक्ष
- धनसोई थाना क्षेत्र के स्थानीय दलित बस्ती की है घटना
- ग्रामीणों का आरोप गांव में सर्व शुलभ है शराब

मां काली की पूजा के बाद शराब पीने को लेकर एक ही समुदाय के दो पक्षों में मारपीट हो गई। इस मारपीट की घटना में बीच-बचाव करने पहुंची पड़ोस की 60 वर्षीय वृद्धा व एक अन्य वृद्ध घटना में गम्भीर रूप से घायल हो गए। जिसे आनन-फानन में इलाज के लिए सदर अस्पताल ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान वृद्धा की मौत हो गई। जबकि वृद्ध अभी इलाजरत है। इस मामले में आधा दर्जन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। जहा पुलिस कार्रवाई में नामजदों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। यह घटना धनसोइ थाना क्षेत्र के स्थानीय बाजार स्थित दलित बस्ती की है।

मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार को धनसोई थाना क्षेत्र के स्थानीय बाजार स्थित दलित बस्ती में मां काली की वार्षिक पूजा के साथ ही शायर माता की पूजा की गई थी। इसके बाद शराब पीने की बात पर मोती राम के पुत्रों व तेजू राम के पुत्र कन्हैया कुमार तथा अन्य के बीच गाली-गलौज और फिर मारपीट होने लगी। ग्रामीणों की माने तो तेजू राम का पुत्र शराब पिये हुए था। इसी बात को लेकर विवाद शुरू हुआ। इस मारपीट के बीच-बचाव करने मोती राम की वृद्ध पत्नी लवंगी देवी व दसई राम पहुंचे। जहां दूसरे पक्ष के लोगों ने मारपीट कर घायल कर दिया। जिसमें दोनों वृद्धों को गंभीर चोट लग गई। जहा दोनों घायलों को गंभीर अवस्था में इलाज के लिए सदर अस्पताल में ले जाया गया। इलाज के दौरान ही लवंगी देवी की मौत हो गई।

वहीं, दसई राम का इलाज जारी है। थाना प्रभारी ज्ञान प्रकाश सिंह ने बताया दलित बस्ती के दो पक्षों के बीच मारपीट की गई थी। जिसमें एक पक्ष की एक वृद्ध महिला व एक अन्य वृद्ध बुरी तरह घायल हो गए। दोनों का इलाज सदर अस्पताल में किया जा रहा था। जिसमें इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई है, इस घटना में प्राथमिकी दर्ज के बाद नामजद अभियुक्तों की गिरफ्तारी का प्रयास जारी है। इधर घटना के बाद से गांव में गुटीय तनाव कायम है। हालांकि, पुलिस द्वारा कैंप करने तथा आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी किए जाने से स्थिति नियंत्रण में है। इस घटना के बाद ग्रामीणों में शराब के सर्व शुलभ होने पर भी नाराजगी है। दबे जुबां ग्रामीणों की मानें तो गांव में खुलेआम शराब की बिक्री होती है। यदि पुलिस समय रहते शराब बिक्री व तस्करी पर रोक लगाई होती है तो आज यह घटना नहीं होती।

अपर समाहर्ता ने की सभी सीओ के साथ समीक्षा बैठक, जताई नाराजगी; कहा-

जून के अंत तक कैंप लगाकर करें जमाबंदी में 100 % आधार सीडिंग

- अग्निपीड़ितों के बीच तत्काल राहत वितरण का कार्य करने का दिया निर्देश

केटी न्यूज/बक्सर

अपर समाहर्ता कुमारी अनुपम सिंह की अध्यक्षता में सभी अंचलाधिकारियों के साथ राजस्व संबंधी कार्यों की समीक्षात्मक बैठक कार्यालय कक्ष में की गई। इस बैठक में अपर समाहर्ता ने जमाबंदी में आधार सीडिंग कार्य में तेजी लाने का निर्देश सभी सीओ को दिया।

उन्होंने बताया कि जून माह के अंत तक शत प्रतिशत आधार सीडिंग का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जबकि इसके मुकाबले जिले में मात्र 56 प्रतिशत आधार सीडिंग का कार्य ही किया गया है। अपर समाहर्ता ने इस पर नाराजगी जताई और सभी अंचलाधिकारियों को निर्देश दिया कि माह जून के समाप्ति तक कैंप के माध्यम से हर हाल में 100 प्रतिशत आधार सीडिंग का कार्य करना सुनिश्चित करेंगे। इसके बाद अभियान बसेरा - 2 की समीक्षा की गई। अपर समाहर्ता ने कहा कि अभियान बसेरा के दूसरे फेज में सर्वेक्षित परिवार तथा पात्र परिवार के बीच प्रतिवेदन में लगातार असामान्यता पाई जा रही है। साथ ही पात्र परिवार के लिए तैयार की गई पर्चा को अपलोड किया जाना है। जो अंचलाधिकारियों के द्वारा नहीं किया जा रहा है। उन्होंने सभी सीओ को पात्र परिवार के अनुसार पर्चा तैयार कर अपलोड करने का निर्देश दिया।

दाखिल खारिज के लंबित मामलों को देख लगाई फटकार : इस बैठक में अपर समाहर्ता ने दाखिल खारिज मामलों की समीक्षा भी की। इस दौरान उन्होंने पाया कि 63 दिनों एवं 21 दिनों से ज्यादा लंबित मामले अभी भी सभी अंचलों में पेंडिंग पड़े है। जिसपर सभी सीओ को फटकार लगाते हुए उन्होंने एक सप्ताह के अंदर इसका शत प्रतिशत निष्पादन करने को कहा। भू-लगान की समीक्षा के दौरान उन्होंने सभी अंचलाधिकारी को विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप लगान का वसूली कराने को कहा।

आरटीपीएस व लोक शिकायत के कार्यों में शिथिलता पर भड़की एडीएम : आरटीपीएस व लोक शिकायत निवारण की समीक्षा के दौरान लंबित फाईलों को देख अपर समाहर्ता नाराज दिखी। उन्होंने आरटीपीएस के समीक्षा में पाया कि प्रतिदिन प्राप्त आवेदनों में मात्र 50 प्रतिशत का निष्पादन ही किया जा रहा है। उन्होंने सभी अंचलाधिकारी को समय सीमा के अंदर शत प्रतिशत आवेदनों के निष्पादन का निर्देश दिया।

ऐसे करना है जमाबंदी में त्रुटि का सुधार : डिजिटाइज्ड जमाबंदी में रैयत का नाम, पिता के नाम में त्रुटि का सुधार मूल जमाबंदी पंजी से भिन्न होने की स्थिति में ही मूल जमाबंदी पंजी के अनुसार किया जाएगा। अगर रैयत द्वारा पता अथवा जाति में सुधार हेतु आवेदन किया गया है तो ऐसे में पता अथवा जाति के सत्यापन से संबंधित दस्तावेज के आधार पर अंचलाधिकारियों द्वारा संतुष्ट होने पर किया जाएगा। अगर पिता का नाम मूल ऑनलाइन जमाबंदी पंजी में अंकित नहीं है तथा साक्ष्य के आधार पर डिजिटाइज्ड जमाबंदी में पिता का नाम अंकित किया जाएगा। जबकि जिन मूल जमाबंदी में खाता, खेसरा, रकबा अंकित है वैसे जमाबंदियों में अंचलाधिकारियों द्वारा मूल जमाबंदी पंजी के आधार पर त्रुटि या लोप में सुधार किया जाएगा। परंतु मूल जमाबंदी में खाता, खेसरा, रकबा अंकित नहीं होने की स्थिति में अंचलाधिकारी रैयत द्वारा जमाबंदी साक्ष्य यथा खतियान, एलपीसी, लगान रसीद, दाखिल खारिज, अभिलेख, कबाला, अंचल पंजी, पर्चा या अन्य कोई साक्ष्य जो हित अर्जित करने से संबंधित हो के आधार पर जमाबंदी में त्रुटि सुधार या छुटी हुई विवरणी को साक्ष्य के आधार पर दर्ज करेंगे। अंचलाधिकारी आवश्यकतानुसार भौतिक निरीक्षण प मापी भी करवा सकते हैं। इस प्रकार लगान की राशि वर्ष एवं तत्संबंधी प्रविष्टि में त्रुटि के सुधार हेतु मूल जमाबंदी पंजी में अंकित लगान की विवरणी या रैयत द्वारा साक्ष्य के रूप में समर्पित लगान रसीद के सत्यापन के उपरांत किया जाएगा। सभी अंचल अधिकारी को निर्देश दिया गया कि विभाग द्वारा विकसित परिमार्जन प्लस पोर्टल की जानकारी आम जनों के बीच करने के उद्देश्य से इसकी प्रति सभी पंचायत सरकार भवन एवं अंचल कार्यालय के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करना सुनिश्चित करेंगे।

अग्निपीड़ितों को सहायता देने में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी

अपर समाहर्तान समीक्षा बैठक के दौरान अंचलाधिकारियों को निर्देश दिया कि अग्निपीड़ितों के बीच तत्काल राहत वितरण का कार्य करें। उन्होंने कहा कि इस कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जबकि सभी अंचलाधिकारी को निर्देश दिया गया कि एक सप्ताह के अंदर सभी जरूरी प्रतिवेदन बंदोबस्त कार्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। इसके साथ ही राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग पटना द्वारा परिमार्जन प्लस नाम के पोर्टल के माध्यम से किए जाने वाले अशुद्धियों व त्रुटियों में सुधार के बिंदु पर समीक्षा करते हुए निर्देश दिया गया कि पूर्व से कायम जमाबंदियों के डिजिटाइजेशन के क्रम में रैयत का नाम, पिता का नाम, जाति, पता, खाता, खेसरा, चौहद्दी, रकवा आदि की प्रविष्टि में त्रुटि या प्रविष्टि का नहीं होना हो सकता है। इस प्रकार लगान की राशि वर्ष आदि के प्रविष्टि में त्रुटि हो सकता है।

ईओ के कार्यों पर लगाया भेद-भाव करने का आरोप

डुमरांव। नगर परिषद ईओ के मनमानी पूर्ण कार्यों को लेकर पूर्व वार्ड पार्षद सोनू राय व उप चेयरमैन विकास ठाकुर ने नगर विकास एवं आवास मंत्री नितीन नवीन से मिल मांग पत्र सौंपा। मांग पत्र सौंपने के बाद इस पर कार्रवाई करने का अनुरोध किया। सौंपे गए मांग पत्र पर मंत्री शीघ्र इसकी जांच कर दोषी पर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। इसकी जानकारी देते हुए पूर्व वार्ड पार्षद ने कहा कि ईओ द्वारा नगर की ज्वलंत समस्याओं को छोड़कर कुछ लोगों को लाभ पहुंचाने वाला कार्य किया जा रहा है।

दिये गए मांग पत्र में नगर क्षेत्र के अंतर्गत 28 सहित विभिन्न वार्डों में जो भी अति जन समस्याएं हैं, ईओ को कुछ लेना-देना नहीं रहता है। भादभाव बरते हुए ईओ द्वारा एक साल में सात निश्चय योजना के तहत कोई भी नली-गली योजना का कार्य नहीं कराया गया। इस भीषण गर्मी में पेयजल जैसी ज्वलंत समस्याओं पर कोई व्यवस्था नहीं की गई। तीन महीनों से चापाकल खराब पड़े हुए हैं, लेकिन इसकी मरम्मत की तरफ ध्यान नहीं दिया गया, जिससे लोग पेयजल के लिए भटकते रहते हैं। सेंट्रल नाला का बरसात से पूर्व सफाई नहीं कराने के साथ बरसात आने वाले है, लेकिन गरीबों को आवास योजना का लाभ नहीं दिया जा सका है। इतना ही नहीं इनके द्वारा मनमाने कार्य कराते हुए अपने चहेतों को लाभ पहुंचाने का काम कर किया जा रहा है। साथ ही वर्ष 2019 से ही नप के कार्यालय द्वारा खर्च किए गए सभी मदों की राशि के साथ कराए गए कार्यों का स्थल जांच कराने की मांग की गई है।

बक्सर में एक ही दिन दो बाइक की चोरी

बक्सर। शहर के दो मोहल्लों से शुक्रवार की शाम दो बाइक की चोरी किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। इस संबंध में दोनों बाइक मालिकों ने नगर थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराया है। मिली जानकारी के अनुसार पहली घटना नगर भवन के पास है। यहां यूपी के बलिया निवासी व वर्तमान में पीसी कॉलेज के पास किराए के मकान में रहने वाले उमाशंकर चौहान की हिरो कंपनी की ग्लैमर बाइक चोरी कर ली। दूसरी घटना बाइपास रोड स्थित सोहनी पट्टी की है, जहां काली मंदिर में पूजा करने आए सन्नी कुमार नामक युवक की हिरो कंपनी की आई स्मार्ट बाइक चोरों ने चुरा ली है। उमाशंकर व सन्नी ने अज्ञात चोरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराया है।

डुमरांव में जल्द शुरू होगा बाईपास रोड का काम, जाम से मिलेगी निजात

केटी न्यूज/डुमरांव

- निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने ठोस कार्य का दिए निर्देश

नगरवासियों के जल्द ही जाम से छुटकारा मिलने वाला है। दशकों से बाईपास सड़क का सपना देख रहे शहरवासियों को जल्दी ही इसकी सौगात मिलने वाली है। इसकी प्रशासनिक कवायद भी तेज हो गई है। शनिवार को बनने वाले बाईपास रोड के भू-भाग का डीएम अंशुल अग्रवाल ने निरीक्षण किया। अपने निरीक्षण के दौरान उन्होंने रोड बनाने के लिए जो जमीन भू-अर्जन की गई है, उसकी जानकारी लिया। साथ ही इसकी सारी प्रक्रिया पूरी करते हुए एनएचआई को टेंडर निकालने के लिए भेजने की बात कही। डीएम ने कहा कि तत्काल भू-धारियों को उनका भू-अर्जन की राशि दे इस सड़क निर्माण के लिए एनओसी लिया जाए।

विदित हो कि पुराना भोजपुर के गांव के अंतिम छोर पर जहां फोलेन मिलता है, वहीं से बाईपास रोड निकलने वाला है। वहीं से भू अर्जन की प्रक्रिया शुरू होकर डुमरांव के बनकट गांव के आगे से निकलेत हुए टेढ़की पुल के पास डुमरांव-नावानगर रोड में आकर मिलेगा। इसकी कुल लंबाई लगभग 5.5 किलोमीटर है। डीएम ने विभाग के कार्यपालक अभियंता को शीर्घ सारी प्रतक्रिया पूरी करने का आदेश दिया जिससे टेंडर निकलाने की प्रक्रिया पूरी हो सके। इस संबंध में एसडीओ राकेश कुमार ने बताया की डीएम ने जो आदेश दिया है, उस दिशा में सभी एजेंसियों को अपने-अपने कार्य शीघ्र करने के लिए कहा गया।

जाम से मिल जाएगा निजात : बाईपास सड़क के निर्माण के बाद डुमरांव को जाम से निजात मिल जाएगा। बता दें कि बाईपास सड़क के अभाव में ही शहर के बीच से होकर ट्रक तथा अन्य मालवाहक भारी वाहनों का परिचालन होता है। जिस कारण जाम की समस्या गंभीर हो गई है। खासकर रात में जब नो इंट्री खुलती है तो इसके बाद पूरी रात डुमरांव की मुख्य सड़क पर सिर्फ ट्रक तथा अन्य भारी वाहनों का कब्जा रहता है। जिस कारण आम यात्रियों तथा शहरवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

दो दशक से हो रही थी बाइपास सड़क की मांग : बता दें कि शहर में पिछले दो दशक से बाइपास सड़क निर्माण की मांग हो रही थी। लेकिन, प्रशासन द्वारा इसका समाधान नहीं निकाला जा रहा था। हालांकि बाइपास सड़क निर्माण के लिए इस बीच कई स्थलों को चिन्हित किया गया था। लेकिन उसकी अंतिम स्वीकृति नहीं मिल सकी थी। बता दें कि इसके पहले खलवा ईनार से अनुमंडल कार्यालय होते हुए नया भोजपुर तक बाईपास निर्माण की बात भी सामने आई थी। लेकिन अंतिम मुहर एनएच 120 पर टेढ़की पुल से पुराना भोजपुर के बीच के भू-भाग पर लगा हैं। बाईपास निर्माण की कवायद तेज होते ही शहरवासियों में खुशी की लहर दौड़ गई है। लोगों का कहना है कि अब जल्दी ही उन्हें जाम के दंश से मुक्ति मिल जाएगी। वही बताया जाता है कि यह बाईपास सड़क फोरलेन का होगा।

एक नजर

@ राजपुर : यूपी से लायी गई शराब बरामद

राजपुर। राजपुर में खपाने के लिए यूपी से तस्करी कर लायी जा रही अंग्रेजी शराब की खेप को पुलिस ने थाना क्षेत्र के महाराजगंज नहर के पास से बरामद किया है। जबकि, पुलिस को देख तस्कर शराब फेंक भाग निकले। हालांकि, पुलिस ने फरार तस्करों की पहचान कर ली है। उक्त शराब तस्करी में शामिल तीनों तस्कर राजपुर थाने के महाराजगंज के रहने वाले है। जो पूर्व से शराब का कारोबार करते रहे है। जिनपर नामजद प्राथमिकी दर्ज कर संलिप्त तस्करों की धर-पकड़ के लिए छापेमारी की जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस को सूचना मिली थी कि उत्तर प्रदेश से शराब की खेप लेकर महाराज गांव व उसके आसपास के गांव में खपाने की फिराक में है। तभी पुलिस ने टीम गठित कर सूचना के अनुसार बताये क्षेत्र में पहुंची। जहा तीन तस्कर पुलिस को देख नहर के पास शराब भरे कार्टून फेंक भाग निकले। पुलिस ने फेंके कार्टून को जब खोलकर जांच किया गया तो इसमें विभिन्न ब्रांडों के अंग्रेजी शराब की बोतलें पायी गई। जिन्हें थाने ला गिनती की गई। थानाध्यक्ष संतोष कुमार ने बताया कि महाराज गंज नहर के पास एक कार्टून में विभिन्न ब्रांडों के कुल 82 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद की गई है। वही, शामिल फरार तीनों अभियुक्तों की पहचान कर उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। उन्होंने बताया इस मामले में शामिल तीनो तस्कर महाराजगंज निवासी विजय चौहान पिता सतेंद्र चौहान, राजा बाबू चौहान पिता धनजी चौहान, राणा प्रताप पिता कन्हैया लाल चौहान जो सभी फरार हैं। जिनके खिलाफ नामजद प्राथमिक दर्ज की गई है।

@ राजपुर : मां काली की वार्षिक पूजा संपन्न

राजपुर। प्रखंड के कई गांव में शुक्रवार को धूमधाम के साथ उत्सवी माहौल में मां काली की वार्षिक पूजा की गई। जानकारी के अनुसार मंगराव में पुजारी त्रिभुवन साह के नेतृत्व में भव्य पूजा अर्चना की गयी। इसके अलावा क्षेत्र के संगराव, सुजातपुर के अलावा कई अन्य गांव में भव्य पूजा की गई। पूजा से पूर्व गांव के ग्रामीणों के साथ जयकारा लगाते हुए गांव का भ्रमण कर सुख एवं समृद्धि के लिए मां काली से प्रार्थना की गई। खौलते दूध के साथ काली को पूजा दी गई। मंगराव में युवा समाजसेवी डॉ जितेंद्र सिंह, जयशंकर चौधरी, डॉ बिंध्याचल सिंह के तरफ से सैकड़ो श्रद्धालुओ के लिए निःशुल्क शर्बत की व्यवस्था की गयी थी। सुजातपुर में सभी वर्ग के लोगों ने भाग लिया। बैंड बाजे के साथ पूजा की गई। यहां पर पानी व अन्य व्यवस्था में युवा भाजपा नेता सुमित सिंह, कृष्णा बिहारी सिंह, शशि प्रकाश सिंह, गोल्डेन सिंह, संजय सिंह, शिव कुमार साह, छठु खरवार, चुनमुन कुमार, रबिन्द्र सिंह का काफी अच्छा सहयोग रहा। जबकि खरगपुरा काली स्थान पर लालमोहर सिंह द्वारा पूजा अर्चना कर किया गया। इसके अलावा क्षेत्र के नागपुर, ईटवा, तियरा, मनोहरपुर सहित अन्य सभी जगहों पर स्थापित मां काली के पूजा-अर्चना के लिए सुबह से ही श्रद्धालु महिलाओं का जमावड़ा लगा रहा। सुबह से दोपहर तक महिलाओं ने क्षेत्रीय देवी गीत गाकर भक्तिमय बनाये रखा।

@ बक्सर : संत कबीर की मनाई गयी जयंती

बक्सर। ज्येष्ठ माह शुक्ल पक्ष के पावन अवसर पर भोजपुरी दुलार मंच एवं प्रेरणा हिन्दी प्रचारिणी सभा, भारत के संयुक्त तत्वावधान में मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सभा के सलाहकार डॉ ओमप्रकाश केसरी पवननन्दन के संयोजन एवं संचालन में भारत वर्ष के महान संत, पाखंड के प्रबल विरोधी मानव एवं मानवता के पक्षधर, भोजपुरी भाषा के पहले कवि संत कबीर दास जी की जयंती समारोह पार्वती निवास परिसर में मनाया गया। आयोजित जयंती समारोह का उद्घाटन वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति, ब्रह्मपुर महोत्सव के पीठाधीश्वर जगदगुरू उपाधि प्राप्त डॉ धर्मेन्द्र आचार्य, प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ महेंद्र प्रसाद, नप की पूर्व चेयरमैन मीना सिंह द्वारा संयुक्त रूप से संत कबीर जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित करके एवं चित्र पर माल्यार्पण करके किया गया। समारोह की अध्यक्षता वरीय अधिवक्ता रामेश्वर प्रसाद वर्मा द्वारा किया गया। अपने उद्घाटन भाषण के दौरान आचार्य ने संत कबीर जी को एक महान मानवतावादी बताते हुए उनके कार्यों की विशेष बातों का जिक्र किया। डॉ महेंद्र प्रसाद ने कबीर जी पाखंडों के विरुद्ध खडा होने की बात बताया। मीना सिंह ने कबीर को मानवता के लिए समर्पित बताया। अध्यक्षता करते हुए रामेश्वर प्रसाद वर्मा ने कबीर को नमन करते हुए एक आन्दोलनकारी व्यक्ति बताये। गणेश उपाध्याय ने संघर्ष शील व्यक्तित्व बताये, डॉ शशांक शेखर ने अवतारवादी बताये, शशि भूषण मिश्र, मानवता वादी बताये तो शिव बहादुर पांडेय जीने अनोखे व्यक्ति का मालिक बताये, राजा रमण पांडेय मिठास ने अद्भुत जीवन वाला व्यक्ति के रूप में चर्चा की, रामेश्वर मिश्र विहान ने शिक्षाविद्, तो महेश्वर ओझा महेश ने सामाजिक आन्दोलन के रूप में बताये।

खरीफ अभियान में कृषि व इससे सम्बद्ध विभागों की योजनाओं से अवगत हुए जिले के कृषक

किसानों के माध्यम से लगाए जाएंगे फलदार वृक्ष

केटी न्यूज/बक्सर

कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंध अभिकरण (आत्मा) के तत्वावधान में जिले के सभी प्रखंड मुख्यालयों में प्रखंड स्तरीय खरीफ अभियान की शुरूआत हो गई है। यह खरीफ महोत्सव 21 जून से एक जुलाई तक आयोजित किया जा रहा है। उक्त जानकारी आत्मा के उप परियोजना निदेशक बेबी कुमारी ने दी। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उदेश्य खरीफ मौसम में फसलों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए राज्य सरकार द्वारा विभिन्न कार्यक्रम को क्रियान्वित कराना है।

किसानों को कृषि उपकरण तथा विभाग की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत विहित अनुदान सुलभता से उपलब्ध कराने एवं व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए खरीफ महाभियान का आयोजन प्रखंड स्तर पर किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत प्रखंड स्तर पर किसानों के बीच कृषि उपकरण वितरण, मौसम के बदलते परिवेश में धान की पंक्ति में बुवाई, मोटे अनाज की खेती, आत्मा योजना, कृषि यांत्रिकरण, जैविक खेती या प्राकृतिक खेती, भूमि एवं जल संरक्षण से संबंधित कार्यक्रम, मिट्टी जांच के लिये नमूना संग्रह एवं मृदा जांच कार्यक्रम, किसान क्रेडिट कार्ड का कार्यक्रम, उर्वरक, कीटनाशी, जैव कीटनाशी से संबंधित कार्यक्रम, खरीफ मौसम में लगाये जाने वाले उद्यानिक फसलों, फलदार वृक्षों के क्षेत्र विस्तार, खरीफ मक्का, खरीफ प्याज का क्षेत्र विस्तार कार्यक्रम, समेकित कृषि प्रणाली, सूक्ष्म सिंचाई पद्धति, स्टॉटप से संबंधित जानकारी, मधुमक्खीपालन के क्षेत्र में बढ़ावा एवं उनके उत्पाद से संबंधित कार्यक्रम, जलवायु अनुकूल कृषि कार्यक्रम, कृषि में ड्रोन का प्रयोग, फलदार वृक्षों का क्षेत्र विस्तार, उद्यानिक विशेष फसल की कलस्टर विकास योजना की जानकारी दी रही है। प्रखंड मुख्यालय में खरीफ कार्यशाला सह प्रशिक्षण का आयोजन कर किसानों को इसकी जानकारी दी जा रही है। खरीफ कार्यशाला के पूर्व किसानों के बीच योजनाओं का प्रचार-प्रसार करने के लिए एलईडी रथ का भ्रमण कराया जा रहा है। इस रथ के माध्यम से कृषि व कृषि से सम्बद्ध विभाग की समस्त योजनाओं का वृत-चित्र तैयार कर एलईडी के माध्यम से लाईव दिखाया जा रहा है। उप परियोजना निदेशक ने बताया कि प्रखंड स्तरीय खरीफ कार्यशाला के समाप्ति के बाद जिले के सभी पंचायतों में कृषि व कृषि से संबद्ध योजनाओं का प्रचार-प्रसार के लिए किसान चौपाल आयोजित कर किसानों को और वृहत रूप से जानकारी दी जाएगी।

लक्ष्य से भटक सकती है धान की रोपनी

केटी न्यूज/राजपुर

धान का कटोरा कहा जाने वाला क्षेत्र इन दिनों मौसम परिवर्तन की मार झेल रहा है। क्षेत्र में हर साल लगभग 21292 हेक्टेयर भूमि पर खरीफ फसल उत्पादन के लिए लक्ष्य तय किया जाता है। इस बार भी लक्ष्य तय कर दिया गया है। जिसको लेकर कृषि वैज्ञानिको के तरफ से किसानों को वैज्ञानिक तरीके से खेती करने की जानकारी दी जा रही है। साथ ही किसानों को प्रेरित किया जा रहा है कि जलवायु परिवर्तन को देखते हुए इसके अनुकूल भी खेती करने की जरूरत है। बेहतर उत्पादन के लिए किसान अपने खेत में धान का बिचड़ा तैयार कर रहे हैं।

सब कुछ होने के बावजूद समय से मानसून नहीं आने से किसानों के चेहरे पर चिंता की लकीरें खींच गयी है। कुछ वैसे किसान जिनके पास सिंचाई के साधन है, वे तो धान का बिचड़ा डाल दिए हैं। लेकिन अधिकतर किसान पानी की कमी तथा आसमान से बरस रहे आग के कारण अभी धान का बिचड़ा नहीं डाल पाए है। किसान मॉनसून का इंतजार कर रहे हैं। अधिक तापमान से लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो गया है। वहीं, किसान प्रतिदिन धान के बिचड़ा को बचाने में लगे हुए हैं। किसान अभी से आशंकित हैं कि अगर समय पर मानसून नहीं आया तो खेती पूरी तरह से प्रभावित हो सकती है। बता दें कि यह क्षेत्र मूल रूप से कृषि पर आधारित है। यहां कोई घरेलू उद्योग धंधा भी नहीं है। क्षेत्र के किसान खेती बाड़ी से ही आर्थिक आमदनी करते हैं। किसान अमित राय, विमल राय, जीबोधन राय, विनय पांडेय, अकोढ़ी के किसान श्रीराम मौर्य, महेंद्र सिंह, केदार सिंह के अलावा अन्य लोगों ने बताया कि बहुत दिनों बाद मानसून के समय तापमान अधिक हो गया है। जिससे लोगों को डर सताने लगा है। नहर में पानी नहीं आने से खेती पर इसका बुरा असर पड़ सकता है।

सूरत-ए-हाल : बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं डुमरांव के वार्ड 31 एवं 33 के निवासी

पेयजल की समस्या से जूझ रहे हैं नगरवासी नहीं हुआ निराकरण तो सड़क पर उतरेंगे लोग

♦ बोले नगर परिषद के ईओ... शहर में कई जगहों पर फटे पाइप से हर दिन बर्बाद हो रहा हजारों लीटर पेयजल

केटी न्यूज/डुमरांव

स्थानीय नगर परिषद क्षेत्र में पेयजल की समस्या नासूर बनती जा रही है। कई ऐसे जगह हैं जहां जलापूर्ति का पाइप फूटने से रोजाना हजारों लीटर असीमित जल की बबार्दी हो रही है, तो दूसरी तरफ कई ऐसे भी वार्ड हैं, जहां लोगों को बूंद-बूंद पानी के लिए तरसना पड़ रहा हैं। शहर के वार्ड 31 और 33 में भी पेयजल की समस्या काफी गंभीर हो गई है। इस समस्या से परेशान लोगों ने नगर परिषद के प्रति आक्रोश जताया है। इन दोनों वार्डों में पेयजल की सप्लाई न होने कारण लोगों में गहरा आक्रोश व्याप्त है। वार्ड के लोगों को जल की समस्या से निजात दिलाने के लिए अपनी आवाज बुलंद कर रहे हैं समाजसेवी अजय राय का कहना है कि वार्ड में चापाकल में समरसेबल फिट किए हुए लगभग एक माह हो गए। बावजूद इसके लोगों को पानी नहीं मिल पा रहा है। यही नहीं बल्कि चपाकल के ठीक बगल में नलका का निर्माण हुआ है। परन्तु जब से उक्त नलका का निर्माण हुआ है तब से लेकर आज तक उसमें से पानी नहीं निकला है। जिससे लोग खुद को ठगा महसूस कर रहे है तथा इस भीषण गर्मी में पेयजल के लिए उन्हें दर-दर भटकना पड़ रहा है।

डुमरांव में पानी के लिए इंतजार करते नगरवासी।

शहर के कई वार्डों में गंभीर है पेयजल की समस्या

दूसरी ओर, नगर के कई ऐसे वार्ड हैं जहां के लोग पेयजल की समस्या से जूझ रहे हैं। एक तरफ लोग पानी की समस्या से जूझ रहे हैं तो दूसरी ओर कई ऐसे जगह जहां की पाइप फूटने के वजह से प्रतिदिन हजारों लीटर पानी की बबार्दी रही है। लेकिन नगर परिषद को इसकी सूचना देने के बावजूद भी मरम्मती करने को लेकर कोई पहल नहीं हो रहा है। वहीं, अजय ने जब इस सबंध मे मौजूदा वार्ड पार्षद चंद्रवती देवी से सवाल किया तो उन्होंने बताया होल्डिंग टैक्स के विरोध में आवाज उठाने का परिणाम वार्ड के विकास कार्यों को बाधित किया गया है। अजय ने नगर परिषद के उपर सरकार के राजस्व के नुकसान का आरोप लगाते हुए कहा है कि नगर के लोगों को सूचारु से पानी का सप्लाई हो सके इसके लिए डुमरांव नगर परिषद ने चपाकलों में समरसेबल फीट करने का काम शुरू किया, लेकिन चापाकलों में मोटर फीट होने के कारण जल स्तर में और गिरावट हुई। जिसके कारण यह योजना पूरी तरह से फ्लॉप हो गई है।

स्टेशन रोड में जलजमाव के कारण बढ़ी लोगों की परेशानी

नगर के स्टेशन रोड में कई जगहों पर फटे पाइप से पेयजल बर्बाद होता है। रेलवे स्टेशन से थोड़ी दूर आगे वार्ड 18 के जतकुटवा बस्ती के पास करीब 50 मीटर के दायरे जलजमाव हो गया है। इसका मुख्य वजह सात निश्चय योजना के फटे पाइप है। इसके अलावे लालगंज कड़वी व खिरौली के पास भी हर दिन खुले नलके से हजारों लीटर पेयजल बर्बाद होता है। इसके अलावे शनिचरा ब्रह्म बाबा मंदिर के पास नाली के ओवर फ्लो के कारण जलजमाव की समस्या गंभीर हो गई है।

वहीं, वार्ड 31 निमेज टोला के निकेतन केशरी, संतोष पनेरी, सोनम गुप्ता, चंदन कुमार, राहुल कुमार, राजेश कुमार, छोटू आदि का कहना है कि उन्हें भीषण गर्मी के इस मौसम में पेयजल के लिए काफी परेशान होना पड़ रहा है। मोहल्लेवासियों का कहना है कि इसकी शिकायत कई बार नगर परिषद प्रशासन से की गई है। बावूजद अभी तक इस समस्या का समाधान नहीं हो सका है। जबकि डीएम बार बार पेयजल की समस्या को प्राथमिकता के आधार पर दूर करने की बात कह रहे है। कुछ ऐसी ही समस्या वार्ड 32 के लंगटू महादेव मंदिर के पीछे बने मोहल्ले का है। यहां के लोगों ने भी बताया कि मोटर लगने का लाभ उन्हें नहीं मिल पा रहा है। नलके से पानी नहीं आने के कारण उन्हें पेयजल के लिए दूसरे वार्डों में भटकना पड़ रहा है।

समस्या को दूर करने का किया जा रहा है प्रयास

डुमरांव नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी ने कहा कि भीषण गर्मी के चलते कुछ जगहों पर पेयजल की समस्या आ गई है। नप के द्वारा इस पेयजल समस्या को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। जिसके लिए सभी जगहों की समस्या को चिन्हित करने तथा उसके समाधान का प्रयास शुरू कर दिया गया है। जल्दी ही लोगों को समुचित रूप से पेयजल मिलने लगेगा।

एक नजर

चाणाक्या कॉलोनी का जल्द होगा कायाकल्प

डुमरांव। नगर में दो दशक के भीतर कई नयी कॉलोनियां बस गई है। इसी में एक है चाणाक्या कॉलोनी। इस कॉलोनी का मुख्य रोड गड्ढे में तब्दील हो चुका है। गड्ढे में नाली का पानी बहकर उसमें गिरता है, जिससे पूरी तरह से भर जाता है। बरसात शुरू हो गया है, मोहल्ले के लोगों को डर सताने लगा है कि रोड जब पूरी तरह पानी से भर जाएगा तब जान-माल की नुकशान हो सकती है। विदित हो कि चाणाक्या कॉलोनी में ग्रामीण क्षेत्र के लोगों ने अपना आशियाना बना रखा है। नगर में घर बनाने का उनका मुख्य उदेश्य बच्चों को तालिम दिवाना है। इधर जलजमाव और रोढ पर गड्ढे हो जाने के कारण उन्हें भारी परेशानियों को सामना करना पड़ता है। जब स्कूल बस आती है तो बच्चों को गिरने का डर बना रहता है। लिहाजा उन्हें स्कूल बस तक स्वयं छोड़ने के लिए जाना पड़ता है। इतना ही नहीं फिर उन्हें जैसे ही स्कूल बस की आवाज आती है दौड़कर बच्चों को लाने जाने पड़ता है। इधर स्कूल बस चालक भी गढ्ढे को लेकर कॉलोनी के बाहर ही बस खड़ा कर देते हैं। इस संबंध मे जब चेयरमैन सुनीता गुप्ता से बात की गई तो उन्होंने कहा कि इस रोड को एजेंडें में शामिल कर लिया गया है, शीघ्र ही काम लगेगा।

कुल्हवां में विवाद को लेकर मारपीट, केस दर्ज

डुमरांव। डुमरांव थाना क्षेत्र के कुल्हवां गांव में विवाद के कारण मारपीट किया गया। इस मामले में कुल्हवां गांव निवासी रामएकबाल सिंह ने स्थानीय थाने में आवेदन देकर नामजद मामला दर्ज कराया है। पुलिस मामले को दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दी है। पीड़ित ने पुलिस को दिए गये आवेदन में बताया है कि रात्रि पहर जब वो सो रहा था। इसी दौरान बंद दरवाजे को गांव के ही सुरेंद्र सिंह के पुत्र अभय प्रकाश सिंह पीट रहा था। जब दरवाजा खोला तो वह मुझे धक्का दे दिया और गाली-गलौज देने लगा। शोरगुल सुनकर मेरे परिवार के लोग आ गये। इसी दौरान आरोपी लाठी चलाने लगा। जिससे मेरी पत्नी सहित कई अन्य जख्मी हो गये। मोहल्ले के लोगों ने जख्मी हालत में अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने इलाज किया। अपर थानाध्यक्ष संजीत कुमार शर्मा ने बताया कि पुलिस मामले को दर्ज कर जांच-पड़ताल शुरू कर दी है।

मड़ई लगाने को लेकर हुई नोक-झोंक, फायरिंग के आरोप में की गई प्राथमिकी

बक्सर। नगर थाना क्षेत्र के किला मैदान रामरेखा घाट पर मड़ई लगाने को दो पक्षों में नोक-झोंक हो गई। इस घटना में फायरिंग करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। थाने से मिली जानकारी के अनुसार किला मैदान रामरेखा घाट निवासी राजा कुमार ने आरोप लगा प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। जिसमे बताया गया कोइरपुरवा के साईं टोला निवासी अनवर अंसारी अपने साथ 20-25 अज्ञान लोगों के साथ आकर मेरे मुहल्ले में मड़ई लगाने लगा। जब मैंने उससे पुछा किया आप यहां मड़ई क्यों लगा रहे हो इसी बात पर अनवर अंसारी अपने कमर से हथियार निकाल कर फापर करने लगा। जिससे निकली एक गोली इंदू देवी पति मनोज गोंड़ के बगल से गुजरा। हो- हल्ला एवं गोली की आवाज सुनकर मुहल्ले के लोग दौड़े तथा उसे पकड़ने का प्रयास किये लेकिन, अनवर व उसके साथ आये सभी लोग भाग निकले। इसको लेकर थाने में आवेदन दी गई। इस सम्बंध में पुलिस ने बताया आवेदन मिला है, पुलिस इस घटना की जांच कर रही है।

मारपीट कर युवक को किया घायल, केस दर्ज

बक्सर। नगर थाना क्षेत्र के बाईपास रोड स्थित तेज ई-रिक्सा एजेंसी के पास तीन-चार की संख्या में आये लोगो ने हाकी व लोहे की रॉड से पीटकर एक युवक को घायल कर दिया। वही, जाते समय हवा में फायर कर फरार हो गए। आनन-फानन में युवक के पिता ने घायल को इलाज कराने के लिए सदर अस्पताल ले जाया गया। इस घटना में पिता ने नगर थाने में अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। घटना शनिवार की दोपहर तीन बजे की है।

थाने से मिली जानकारी के अनुसार सोहनीपट्टी निवासी सुमेश्वर यादव अपने पुत्र मनु यादव के साथ सिण्डिकेट बक्सर से ई-रिक्सा से आ रहे थे। वे लोग बाईपास रोड़ स्थित तेजा ई-रिक्सा एजेंसी के पास अपना ई-रिक्सा चार्जिंग प्वाइंट पर लगा रहे थे, तभी एक उजले रंग की एक्स यू वी गाड़ी बस स्टैण्ड की ओर से आई व तेजा ई-रिक्सा एजेंसी के पास रुकी। जिसमे से तीन चार की संख्या में कुछ लोग उतरे और मेरे बेटे मनु कुमार को पकड़कर अपने अपने हाथ में लिये हॉकी स्टीक, लोहे के रॉड से मारपीट करने लगे। जिससे वह घायल हो गया और घायल मनु को लेकर इलाज के लिए सरकारी अस्पताल ले गया। इस घटना को लेकर सुमेश्वर यादव द्वारा नगर थाने में अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने बताया प्राथमिकी दर्ज की गई है। इस घटना की जांच के लिए लगे सीसीटीवी कैमरा को खंगाला जा रहा है।

रांची हाई कोर्ट के जज ने ब्रह्मेश्वरनाथ शिवमंदिर के सौंदर्यीकरण का लिया जायजा, जल्द से जल्द कार्य पूरा करने का दिया निर्देश

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

शनिवार को रांची उच्च न्यायालय के न्यायाधीश डॉ. एस एन पाठक एवं बक्सर जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ मंदिर के सौंदर्यीकरण के फेस 2 के कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान न्यायाधीश ने दूसरे फेज के तहत होने वाले काम को समय से तथा गुणवत्ता का ख्याल रखते हुए पूरा करने का निर्देश दिया।

बता दें कि ब्रह्मपुर के सुप्रसिद्ध बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ मंदिर के सौंदर्यीकरण का कार्य पिछले एक वर्ष से चल रहा है। प्रथम चरण के कार्य में बिहार सरकार ने पौने नौ करोड़ रूपया आवंटित किया था, जिसमें तालाब के सौदर्यीकरण का काम पूरा किया गया। इसके अलावे मंदिर स्थित तालाब के चारों तरफ चारदीवारी एवं वॉच टावर के साथ-साथ शौचालय आदि का निर्माण कराया गया। अब दूसरे फेस में मंदिर के बाहर हॉल एवं आगंतुको के लिए कमरे बनाए जाने का प्रस्ताव है। सरकार ने इस कार्य के लिए एक करोड़ 75 लाख रुपया आवंटित किया है। पुराने भवन को तोड़ने का काम अभी हो रहा है, इसी कार्य के निरीक्षण के लिए न्यायाधीश एवं जिला पदाधिकारी ब्रह्मपुर पहुंचे थे। निरीक्षण के दौरान वहा मौजूद जिला परिषद के चेयरमैन सरोज देवी ने न्यायाधीश एवं जिला पदाधिकारी का फूल माला और अंगवस्त्र से स्वागत किया। जबकि चेयरमैन प्रतिनिधि परमा यादव ने डीएम का ध्यान ब्रह्मपुर में खाली पड़ी जिला परिषद व नगर पंचायत की जमीन की ओर आकृष्ट कराते हुए कहा कि मंदिर के पास सड़क के किनारे भी सरकारी जमीन पर अतिक्रमण है। उन्होंने मांग किया कि इस जमीन पर मैरिज हॉल और कटरा बना दिया जाए तो ब्रह्मपुर के विकास में चार चंद लग जाएगा। इसका प्रस्ताव जिला पदाधिकारी को दिया गया। मौके पर जिला परिषद सदस्य अशोक यादव, बीडीसी अश्विनी यादव, मंदिर पूजा समिति के अध्यक्ष भगवती पांडेय, गंगा समग्र दक्षिण बिहार प्रांत के संयोजक शंभूनाथ पांडेय, रंगनाथ पांडेय, नागेंद्र सिंह, दुर्गा चरण राय आदि मौजूद रहे।

अस्पताल में बच्चों के डॉक्टर हुए पदस्थापित, मरीजों में छाई खुशी की लहर

केटी न्यूज/डुमरांव

बच्चा के डाक्टर के ओपीडी सेवा में बैठने मरीजों को लाभ मिलने लगा है। शनिवार को बच्चा के डाक्टर डा. सतीष कुमार ने ओपीडी में बैठ मरीजों को देखा। बच्चा के डाक्टर के बैठने से मरीजों को काफी सहूलियत मिली, उन्हें वापस लौटना नहीं पड़ा और नहीं निजी क्लीनिक का सहरा नहीं लेना पड़ा। एसे में सभी परेशानी और खर्च से बच गए।

बता दें कि विगत एक दशक से बच्चा डाक्टर के पोस्टिंग होने का दंश रहे अनुमंडलवासियों को एक महीना पहले दो चिकित्सक को पदस्थापित कया गया था। दोनों चिकित्सकों ने अपना योगदान तो कर लिए, लेकिन योगदान कर गायब रहे। इस समाचार को आपके केशो टाईम्स ने प्रमुखता से प्रकाशित किया था। लगातार प्रकाशन के बाद स्वास्थ्य विभाग की निंद खुली और दो बच्चा के चिकित्सक डा. सतीश कुमार और डा. राजेश कुमार की पोस्टिंग डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल में पदस्थापित कर दी गई। दोनों डाक्टर योगदान करने के बाद एक महीना तक गायब रहे। इस खबर को भी प्रमुखता से प्रकाशित किया गया। आखिरकार छपी न्यूज ने रंग लाया और दोनों डाक्टरों का वेतन बंद कर शोकॉज पूछा गया। कार्रवाई से घबड़ा एक चिकित्सक डा. सतीश कुमार शनिवार को डा. सतीश कुमार ओपीडी सेवा में अपनी सेवा दिया, जिससे बच्चे को दिखाने के लिए पहुंचे अभिभावकों को कोई परेशानी नहीं हुई। अनुमंडलीय अस्पताल के डीएस डा. गिरीश कुमार सिंह ने बताया की रोस्टर के अनुसार सभी चिकित्सकों ने ओपीडी में अपनी सेवा दी, जिससे किसी भी मरीज को परेशानी नहीं हुई। ओपीडी में लगभग 300 मरीजों को इलाज हुआ।

कुमार आर्थोपेडिक क्लिनिक
डा0 अजित किशोर
M.B.B.S (N.M.C.H. Patna) M.D. (P.M.C.H. Patna)
Consultant Physician, Medical Officer (Bihar Govt.)
चिकित्सा पदाधिकारी अनुमंडलीय अस्पताल, डुमरांव
छाती, पेट एवं शुगर रोग विशेषज्ञ
सुमित्रा महिला कॉलेज से पूरब, टेढ़की मोड़, डुमरांव, मो0-9122226720

श्रद्धा : श्रद्धालुओं ने लगाएं मां काली के जयकारे

खिरौली काली मंदिर का वार्षिक पूजा धूम धाम से हुआ संपन्न

केटी न्यूज/डुमरांव

शनिवार के नगर के स्टेशन रोड के किनारे स्थित खिरौली काली मंदिर का वार्षिक पूजनोत्सव धूम धाम से किया गया। मंदिर के मुख्य पुजारी अमरेन्द्र तिवारी के नेतृत्व में अहले सुबह से ही वैदिक विधान व मंत्रोच्चार के बीच वार्षिक पूजा शुरू हुई। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में मौजूद श्रद्धालुओं द्वारा मां काली के जयघोष लगाए जा रहे थे। जबकि महिला श्रद्धालुओं द्वारा गाए जा रहे मांगलिक गीत आकर्षण का केन्द्र बना हुआ था। दोपहर तक वहां श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। लोग मां काली का दर्शन व पूजन करने आ रहे थे। इस दौरान लोगों ने अपने घर में बनाए पूड़ी व गुलौरा जैसे पकवानों को चढ़ाया।

वहीं, शाम में भव्य आरती की गई। वही हवन के दौरान भी कड़ी धूप में लोग घंटो खड़े रहे। मां काली के वार्षिक पूजनोत्सव में श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था।

बता दें कि इस मंदिर के प्रति स्थानीय खिरौली गांव के साथ ही लालगंज कड़वी, स्टेशन इलाके तथा चाणक्या कॉलोनी के लोगों की अपार श्रद्धा जुड़ी है। जो मंदिर के वार्षिकोत्सव के दौरान देखने को भी मिली। बड़ी संख्या में श्रद्धालु वार्षिक पूजा में शामिल हुए। इसके पहले मंदिर को धो पोछकर आकर्षण ढंग से सजाया गया था। मंदिर के चारों तरफ सुगंधित फूल भी सलीके से सजाए गए थे। ध्वनि विस्तारक यंत्र से हो रहे वैदिक मंत्रोच्चार तथा महिलाओं द्वारा गाए जा रहे मांगलिक गीतों से आस पास में भक्तिरस की अविरल धारा प्रवाहित हो रही थी। मंदिर के पूजारी अमरेन्द्र तिवारी ने बताया कि वार्षिक पूजा में लोग काफी उत्साह से शामिल होते है। उन्होंने कहा कि मान्यता है कि मां के दरबार में सच्चे मन से आने वाले श्रद्धालुओं की मनोकामना पूरी होती है। इस पूजा को संपन्न कराने में मंदिर समिति के रिंकू चौबे, संजीव चौबे, छोटेलाल चौबे, अशोक चौबे, लक्ष्मीकांत चौबे, मदन चौबे, पुन्नु उपाध्याय आदि ने सराहनीय भूमिका निभाई।

केसठ में मां काली का वार्षिक पूजनोत्सव परंपरागत तरीके से संपन्न

केसठ। स्थानीय गांव स्थित मां काली का वार्षिक पूजनोत्सव शनिवार को संपन्न हुआ। परंपरागत तरीके से हुई इस पूजा में गांव के सभी वर्ग के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सेदारी निभाई। अहले सुबह से ही मंदिर को धोकर साफ किया गया। इसके बाद श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला शुरू हुआ। जो दोपहर तक जारी रहा। मां काली की वार्षिक पूजा में महिलाओं ने अपने-अपने घरों में पकवान बना उसका प्रसाद चढ़ाया। इस दौरान वैदिक मंत्रों के उच्चारण के साथ मां काली की पूजा को परंपरागत ढंग से संपन्न कराया गया। इस मौके पर मां काली का विशेष पूजन तथा हवन किया गया। वार्षिक पूजा को ले मां काली के मंदिर प्रांगण में उत्सव का माहौल था। सुबह होते ही महिलाएं एवं पुरुष श्रद्धालु की भीड़ मंदिर में होने लगी। मंदिर को भव्य ढंग से सजाया गया था। वार्षिक पूजा पर माहौल मां काली के जयघोष से गुंजायमान हो उठा। पूजा में ग्रामीण महिलाओं श्रद्धालु भक्तों की संख्या अधिक देखी गई।

CAMBRIDGE SCHOOL DUMRAON
HARNAHI ROAD, DUMRAON, BUXAR- 802119
Affiliated to C.B.S.E., Delhi, Up to (10+2)- Aff. No. 330723
A CO-EDUCATIONAL SCHOOL FROM NURSERY TO STD. XII
ADMISSION NOTICE FOR STD. XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS)
REGISTRATION & ADMISSION STARTED
ELIGIBILITY CRITERIA
● DIRECT ADMISSION with INTERVIEW FOR CLASS X (2024) PASS OUT STUDENTS OF CAMBRIDGE GROUP OF SCHOOLS with 80% MARKS for PCM, 70% for PCB and 60% for COMMERCE STREAM.
● ADMISSION TEST & INTERVIEW WILL BE CONDUCTED FOR THE STUDENTS OF OTHER SCHOOLS.
SCHOLARSHIP SCHEME
● CANDIDATES WITH 95% & ABOVE WILL BE GIVEN FULL FREESHIP (100% REBATE IN ADMISSION FEE AND MONTHLY TUITION FEE) FOR BOTH CLASSES XI & XII.
● CANDIDATES WITH 90% & ABOVE WILL BE GIVEN HALF FREESHIP (50% REBATE IN ADMISSION FEE AND MONTHLY TUITION FEE) FOR BOTH CLASSES XI & XII.
CHAIRMAN - MR. T.N. CHOUBEY
TOPPERS IN AISSCE (Std. XII)
1st SHAKSHI KUMARI 94.80% | 2nd ANKIT KUMAR 92.60% | 3rd SANJANA KUMARI 92.00%
SUBJECTWISE HIGHEST MARKS
• English Core - 97 • Hindi Elective- 95 • Physics - 95 • Mathematics - 95 • Biology - 96 • Chemistry - 95 • Accountancy - 95 • Business Studies- 93 • Economics - 94
TOPPERS IN AISSE (Std. X)
1st ARADHYA GUPTA 96.80% | 2nd RUKHSAR NAAZ 95.00% | 3rd SANANDAN DUBEY 94.80%
SUBJECTWISE HIGHEST MARKS
• English - 94 • Sanskrit - 100 • Hindi - 95 • Mathematics - 100 • Science - 96 • Social Science - 100
INFORMATION
REGISTRATION FORMS are AVAILABLE and can be OBTAINED from the ADMISSION CELL at CAMBRIDGE SCHOOL DUMRAON, (Junior Wing, Dr. Jagnarayan Hospital Campus) on all working days from 08 AM to 2 PM.
8210918840, 7319972175, 6396686958
www.cambridgeschooldumraon.in
www.facebook.com/CAMBRIDGEDUMRAON
LIMITED SEATS Hurry Up

श्रम प्रवर्तन अधिकारी ने मारा छापा, छह बच्चों को कराया कार्यमुक्त

♦ लोकप्रिया फैशन से एक संजय इलेक्ट्रॉनिक्स से दो श्रीराम बेकरी से एक एक अन्य प्रतिष्ठान से एक बच्चा बाल श्रम करते हुए मिले

केटी न्यूज / बांसडीह

श्रम प्रवर्तन अधिकारी और चाइल्ड हेल्प लाइन की टीम ने कस्बे में बाल श्रम उन्मूलन में बच्चों से काम करने की शिकायत पर वृहद रूप से छापेमारी अभियान चलाया। टीम की छापेमारी से क्षेत्र के प्रतिष्ठानों में हड़कंप मच गया कई दुकानदार अपने अपने प्रतिष्ठान से बाल श्रमिकों को हटा दिए। तो कई ने अपने प्रतिष्ठान बंद कर निकल गए। अभियान के दौरान के टीम ने अंबेडकर चौराहा, कचहरी, स्टेट बैंक रोड, बड़ी बाजार सहित क्षेत्र के रेडीमेड स्टोर्स, मोबाइल रेपयरिंग, इलेट्रॉनिक्स, बेकरी, मिष्ठान, रेस्टोरेंट इत्यादि की दुकानों पर छापेमारी किया। वहीं तीन प्रतिष्ठानों से छह बच्चों को मुक्त कराया। लोकप्रिया फैशन से एक संजय इलेक्ट्रॉनिक्स से दो श्रीराम बेकरी से एक एक अन्य प्रतिष्ठान से एक बच्चा बाल श्रम करते हुए मिले। श्रम प्रवर्तन अधिकारी ने बताया कि संबंधित सभी प्रतिष्ठान मालिको को नोटिस देकर एक सप्ताह में स्पष्टीकरण मांगा गया है। सभी दुकानदार

बच्चों का जन्म प्रमाण पत्र सहित अन्य प्रपत्र विभाग को मुहैया कराकर नोटिस का जवाब देंगे। अन्यथा की दशा में दुकानदारों के खिलाफ बाल एवं बाल श्रम उन्मूलन अधिनियम के तहत कार्यवाही कर इनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही की जाएगी। श्रम प्रवर्तन अधिकारी ने बताया कि काफी समय से सूचना मिल रही थी कि बांसडीह क्षेत्र में कई बच्चों से प्रतिष्ठानों पर काम कराया जा रहा है। शिकायत का संज्ञान लेते हुए उच्चाधिकारियो के निर्देश पर बलिया श्रम प्रवर्तन अधिकारी जितेंद्र कुमार, रसड़ा श्रम प्रवर्तन अधिकारी गणेश जी तथा चाइल्ड हेल्पलाइन अजहर,जिला प्रोबेशन अधिकारी विनोद कुमार, ए एच टी यु की टीम ने संयुक्त रूप से कस्बे में छापेमारी अभियान चलाया।श्रम प्रवर्तन अधिकारी ने चेताया कि दुकानदार किसी भी रूप में बाल श्रमिकों से मजदूरी न कराएं। अन्यथा की दशा में जुमार्ना की राशि सहित जेल भी जाना पड़ेगा।

एक नजर

प्रदेश में योगी राज नहीं जंगल राज चल रहा है : सनातन पांडेय

बलिया। जिला अस्पताल में भर्ती दुर्गा प्रसाद ठाकुर व संजीत ठाकुर से मिलने शनिवार को बलिया सांसद सनातन पांडेय पहुंचे। इस दौरान उन्होंने

प्रदेश सरकार पर जमकर हमला बोलते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी के राज में प्रदेश में जंगलराज कायम हो गया है। बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज होने के बावजूद अभी तक किसी भी आरोपी का गिरफ्तारी न होना शर्म की बात है। बताया कि प्रदेश में जब सपा की सरकार बनेगी तो सबका हिसाब होगा। इस मौके पर राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु को ज्ञापन भी प्रेषित किया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष व विधायक संग्राम सिंह यादव, पूर्व नेता प्रतिपक्ष रामगोविंद चौधरी मौजूद रहे।

अशोक सिंह बने आम आदमी पार्टी के चंदौली जिलाध्यक्ष

चंदौली। आम आदमी पार्टी के केंद्रीय पदाधिकारी राज्यसभा सांसद संजय सिंह के निर्देश पर स्थानीय आर्यसमाज मंदिर के सभागार कक्ष में

शनिवार को आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान पूर्व मध्य रेलवे कर्मचारी संघ के अध्यक्ष रहे अवकाश प्राप्त रेलकर्मी अशोक सिंह को चंदौली जिलाध्यक्ष बनाये जाने की अनौपचारिक घोषणा काशी प्रान्त के अध्यक्ष पवन तिवारी ने की। इस दौरान उन्होंने कहा कि पार्टी हाईकमान के निर्देश पर अनौपचारिक घोषणा की गई है। एक दो दिन में औपचारिक घोषणा भी कर दी जायेगी। उन्होंने नव नियुक्त जिलाध्यक्ष से 10 दिनों के अंदर नई कार्यकारिणी का गठन कर आम आदमी पार्टी के क्रियाकलापों से जनपद के लोगों को अवगत कराते हुये पार्टी को नई ऊंचाई पर पहुंचाने का निर्देश दिया। इस अवसर पर उन्होंने आम आदमी पार्टी द्वारा दिल्ली में किये गए बेहतर कार्यों का जहां गुणगान किया वहीं भाजपा की लोकसभा चुनाव में यूपी में हुयी हार पर चुटकी भी ली। प्रेस वार्ता के दौरान वर्तमान जिलाध्यक्ष संतोष पाठक के उपस्थित न होने के सवाल पर कहा कि उन्हें सूचना दी गयी थी। वह नहीं आ सके हैं साथ ही यह भी कहा कि पदाधिकारियों के कार्यों की समीक्षा के बाद ही कोई निर्णय लिया जाता है। इस अवसर पर चंदौली जिला प्रभारी पल्लवी वर्मा, वाराणसी जिलाध्यक्ष रामशंकर पटेल, पूर्व अध्यक्ष चंदौली संतोष कुमार सिंह,संदीप सिंह,अखिलेश जायसवाल,दिनेश चौहान,कल्लू यादव, राम मूरत यादव, सुलेमान, विकास चौहान आदि उपस्थित रहे।

संचारी रोग दस्तक अभियान को सफल बनाने के लिए अफसरों ने की मंत्रणा

चंदौली। जुलाई माह में संचारी रोग नियत्रंण दस्तक अभियान को सफल बनाने के लिए शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी निखिल टी फुंडे की अध्यक्षता में प्रथम अंतर विभागीय बैठक हुई। डीएम ने बताया की एक से 31 जुलाई तक चलने वाले अभियान में सम्मिलित सभी विभागों को समन्वय स्थापित कर कार्य करना होगा। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। बीएसए को निर्देश दिया कि बच्चों व अभिभावकों की बैठक का विद्यालय वार माइक्रोप्लान बनाकर आरबीएसके टीम को उपलब्ध कराएं। टीम उक्त माइक्रोप्लान के अनुसार उल्लिखित विद्यालय में पहुंचकर संचारी रोग के संबंध में जन जागरूकता व इससे बचाव की जानकारी दें। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रो में भी जागरूकता व नियंत्रण के लिए जनमानस को प्रशिक्षित करें। वीडियो व फोटोग्राफी रिकार्ड कर ग्रुप में शेयर करें। कृषि व सिंचाई विभाग को निर्देश दिया कि लेप्टोस्पायरोसिस पर नियंत्रण करने के लिए नहरों व नालियों के अगल-बगल में उगने वाली झाड़ियों की कटाई अवश्य कराएं। जुलाई माह का संचारी रोग अभियान अति महत्वपूर्ण है। मौसम में उतार-चढाव कभी वर्षा कभी धूप, पानी का जल जमाव व दूषित पेयजल के कारण कई प्रकार की बीमारियां फैलती हैं। ऐसे में ग्राम पंचायत व नगर विकास विभाग (नगर पालिका / नगर पंचायत) की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। नगर पालिका डीडीयू नगर से किसी प्रतिभागी के न होने के कारण डीएम ने नाराजगी व्यक्त की। निर्देश दिया गया कि पेयजल श्रोत की गुणवत्ता परक जांच कराकर यह सुनिश्चित करें कि शुद्ध पेय जल की आपूर्ति हो रही कि नहीं। ग्रामीण क्षेत्रों में खराब जल श्रोत व उससे होने वाली बीमारी के लिए बीडीओ व एडीओ पंचायत पंचायत जिम्मेदार होगें। कहा कि माह अप्रैल 2024 में संचारी रोग नियंत्रण अभियान में जनपद प्रथम स्थान पर रहा। सीएमओ डा वाईके राय ने बताया कि जनपद में कुल 1901 कार्यरत आशा व आंगनबाड़ी कार्यकर्ता टीम वार घर-घर जाकर लोगों को संचारी रोग से बचाव के बारे में जागरूक करें। बुखार, क्षय रोगियों, कुपोषित बच्चों को चिन्हित करें।

खबरें फटाफट

सपा का 11 सदस्यीय टीम पीड़ित परिवार से मिला

बलिया। बांसडीह रोड़ थाना क्षेत्र के एक गांव में दुष्कर्म की पीड़िता के परिवार से मिलने गए सपा का 11 सदस्यीय टीम ने पीड़ित परिवार को सांत्वना दी। और पीड़ित परिवार को हर संभव मदद का भरोसा भी दिलाया।घोसी लोकसभा के सपा से सांसद राजीव राय ने कहा कि प्रशासन को देखने को मिला कि जो चौकी इंचार्ज था और पहले दबाव बनाता रहा कि केश दर्ज करो ।और हमने एक आडियो भी सुना की पीड़िता के पिता जी से जिस लहजे में बात कर रहा था धमकने का बात कर रहा है केश जीरो की बात कर रहा है मैं हैरान हूं की अभी उच्च अधिकारियों ने जो चौकी इंचार्ज है उसके खिलाफ कार्यवाही क्यों नहीं की।किसका संरक्षण प्राप्त है ये अगर सपा सरकार में हुआ होता तो मीडिया के साथी अखिलेश का फोटो लगाकर के जंगल राज दिखा रहे होते। यहां जंगल राज यह है कि नाबालिक और अति पिछड़े बालिका के साथ सामूहिक बलात्कार होता है एफ आई आर दर्ज करने की कोशिश तक नहीं की जाती है और दबाव पर एफ आई आर दर्ज करता है जो दरोगा गिरी है जिस तरह से धमका रहा है उसे एक पल भी वहां रहने की जरूरत नहीं है सबसे पहले एफ आई आर उसके ऊपर होना चाहिए जिस तरह से पीड़ित परिवार को धमका रहा है उस पर कार्यवाही नही हो रही है यह दुर्भाग्य पूर्ण है।

ट्रैक्टर- ट्राली की चपेट में आने से युवक की मौत

गाजीपुर। शहर कोतवाली क्षेत्र के बरूइन गांव के पास आज ट्रैक्टर-ट्रॉली की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। घटना के बाद ग्रामीणों की मौके पर भीड़ जुट गई। इलाके के महली निवासी युवक सन्नी-14 पुत्र नारद शर्मा जो खाद खरीदने जमानियां बाजार आया था और खरीद कर वापस अपने गांव महली जा रहा था। वह जैसे ही बरूइन गांव के समीप महादेव इंटरप्राइजेज ओमप्रकाश यादव की बालू की दुकान के सामने साइकिल खड़ा कर धूप से बचने के लिए अपने गमछे से सर बांध रहा था। तभी ट्रैक्टर चालक ओमप्रकाश यादव अपना ट्रैक्टर-ट्रॉली पीछे कर रहा था। लोगों ने आवाज लगाई, रूकने को कहा और बताया कि पीछे लडका है। लेकिन ट्रैक्टर नहीं रुका और चालक की लापरवाही से साइकिल सवार के ऊपर ट्रैक्टर - ट्रॉली चढ़ गई और मौत हो गई।

डीएम के निरीक्षण के बाद जिला अस्पताल का किया निरीक्षण

जिला अस्पताल के सभी चिकित्सकों को सीएमओ ने दिया नोटिस, मांगा जबाब

♦ अस्पताल की दवा व जांच लिखने की जगह बाहर की दवा लिखते हैं नि:शुल्क ऑपरेशन की सुविधा के बावजूद मरीजों से होती है वसूली

केटी न्यूज/बलिया

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विजयपति द्विवेदी ने डीएम के निरीक्षण के बाद जिला अस्पताल की व्यवस्था का जायजा लिया। मरीजों की शिकायत, इमरजेंसी व वार्डों में व्याप्त दुर्व्यवस्था पर नाराजगी जाहिर की। जिला अस्पताल के सभी चिकित्सकों के खिलाफ नोटिस जारी किया है। उन्हें चिकित्सकों से तीन दिन के अंदर जवाब मांगा है। जवाब न देने पर संबंधित डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी है। जिला अस्पताल में शासन की मंशा के अनुरूप मरीजों को चिकित्सकीय सुविधा नहीं मिल रही है। चिकित्सक ओपीडी में आठ बजे की जगह दस बजे बैठ रहे हैं। अस्पताल की दवा व जांच लिखने की जगह बाहर की दवा लिखते हैं। निःशुल्क ऑपरेशन की सुविधा के बावजूद मरीजों से वसूली होती है। डीएम के बार-बार निरीक्षण व फटकार के बावजूद व्यवस्था में सुधार नहीं हो रहा है।

कई बिंदुओं पर मांगा गया जवाब

बलिया। बृहस्पतिवार को डीएम ने निरीक्षण के बाद उच्चाधिकारियों को अस्पताल की खामियों से अवगत करते हुए लापरवाह चिकित्सकों पर कार्रवाई के लिए कहा था। शिकायत पर उच्चाधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लिया है। इसपर सीएमओ ने अस्पताल का निरीक्षण किया। सीएमओ डॉ. विजयपति द्विवेदी ने कहा कि निरीक्षण के दौरान मिली कमियों को हमेशा के लिए दूर करने के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। नोटिस में चिकित्सकों को बाहर की दवा व जांच न लिखने के साथ कई बिंदुओं पर जवाब मांगा गया है।

निरीक्षण के दूसरे दिन बदली-बदली लगी व्यवस्था

बलिया। जिला अस्पताल में डीएम रवीन्द्र कुमार के औचक निरीक्षण के दूसरे दिन शुक्रवार को अस्पताल में व्यवस्था बदली-बदली नजर आई। सुबह आठ बजे वार्डों में डाक्टर चक्रमण कर मरीजों की जांच व दवा लिखते नजर आए। अन्य दिनों की अपेक्षा वार्ड में सफाई बेहतर रही। वार्डों में मरीजों के बेड की चादर बदली गई। इमरजेंसी में खराब पड़े दरवाजे व बेसिन को कर्मचारियों ने बदला। ओपीडी व वार्डों में खराब पड़ी एसी की मरम्मत के लिए मिस्त्री लगे रहे। अस्पताल की बदली व्यवस्था से मरीज व तीमारदार भी चकित रहे।

बहुजन समाज के लोगों को मंथन व चिंतन करने की जरूरत: पूर्व मंत्री

केटी न्यूज /चंदौली

बहुजन समाज की ओर से शनिवार को मुख्यालय स्थित एक लान में बहुजन राजनीति मंथन चिंतन गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें बहुजन समाज की राजनीतिक परिस्थिति पर चर्चा की गई। इसके अलावा बीते कुछ चुनावों में बहुजन समाज की राजनीति भागीदारी कम हुई है। ऐसा क्यों और किन परिस्थितियों में हुआ। इसकी भी समीक्षा बहुजन समाज के लोगों ने किया और राजनीतिक चिंतन समाज के लोगों को आगे ले जाने की चर्चा की। वही पप्पू लहरी ने मिशन गीत प्रस्तुत किया।

इस दौरान पूर्व विधायक व सूबे के पूर्व मंत्री शारदा प्रसाद ने कहा कि बहुजन समाज का राजनीति उत्थान कैसे हो इस विषय पर म सभी को मंथन-चिंतन करना होगा। कहा कि आज प्रदेश व देश में जो हालात है उससे कांशीराम व बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर का सपना पीछे छुटता नजर आ रहा है। उसी

सपने को साकार करने के लिए एक बार फिर बहुजन समाज के लोगों को मजबूत राजनीति मंच प्रदान करने की नींव रखने की रणनीति तैयार की जा रही है। उम्मीद है आगे आने वाले दिनों में बहुजन समाज की राजनीतिक भागीदारी में उत्थान देखने को मिलेगा। भोला नाथ बच्चन ने कहा कि बीते लोकसभा चुनाव में बसपा की करारी हार से बहुजन समाज के लोग राजनीतिक रूप से शिथिल हो गए हैं, जिन्हें इस मंथन-चिंतन गोष्ठी के बाद सक्रिय व जागृत करने का काम होगा। बाबा साहब के साथ कांशीराम के मिशन को पूरा किया जाएगा। इस दौरान रामशेक चौहान, कमलेश सोनकर, सतेन्द्र कुमार बिंद, छबिनाथ चौहान, असलम हाशमी, मोहन बिंद, राकेश कुमार,प्रेम चंद्र भारती, धर्मेंद्र पासवान, चंद्र शेखर, आजम अंसारी उपस्थित रहे।

बिना आधार सीडिंग निराश्रित महिला पेंशन का नहीं मिलेगा लाभ : जिला प्रोवेशन अधिकारी

मऊ । जिला प्रोबेशन अधिकारी समर बहादुर ने जानकारी देते हुए बताया है कि महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित निराश्रित महिला पेशन वित्तीय वर्ष 2024-25 में निराश्रित महिला पेंशन योजना के लाभार्थियों का भुगतान आधार बेस्ड प्रणाली के अन्तर्गत किया जाएगा। इस योजना के समस्त लाभार्थियों से अपील है कि जिन लाभार्थियों ने अपने बैंक खातों में आधार सीडिंग (केवाईसी) एनपीसीआई अपडेट नहीं करायी है। उन्होंने यह भी बताया कि अभी तक 27520 लाभार्थियों ने अपना केवाईसी/एन०पी०सी०आई० नहीं कराया है, वे सभी लाभार्थी यथाशीघ्र अपने संबंधित बैंक शाखा में जाकर केवाईसी एनपीसीआई अपडेट कराएं। जिन लाभार्थियों द्वारा अपने आधारकार्ड को जिला प्रोबेशन अधिकारी कार्यालय, कलेक्ट्रेट मऊ में आधारकार्ड की केवाईसी/एन०पी०सी०आई० नहीं कराई है।

बेसो नदी पुल के नीचे संदिग्ध परिस्थितियों में मिला युवक का शव, जांच में जुटी पुलिस

गाजीपुर। वाराणसी- गोरखपुर फोरलेन पर जंगीपुर थाना अंतर्गत बेसो नदी पर बने पुल के नीचे संदिग्ध परिस्थितियों में युवक का शव मिला। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बता दें कि अनुराग कुशवाहा (25) पुत्र राजेश कुशवाहा निवासी तुलसीपुर थाना कोतवाली गाजीपुर ने शनिवार की दोपहर एक बजे घर से आफिस जाने की बात कहकर अपनी सफेद स्कूटी से निकला था। जिसका जंगीपुर थाना क्षेत्र के वाराणसी -गोरखपुर फोरलेन पर बने बेसो नदी के पुल के नीचे संदिग्ध परिस्थितियों में गले में मोटी रस्सी पीठ पर बैग के साथ मृत अवस्था में पड़ा था। जिस पर राहगीरों की नजर पड़ी तो भारी संख्या में भीड़ इकट्ठा हो गई। राहगीर की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने फोरेंसिक टीम की मदद से जांच कर शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया। मृतक मां बाप का इकलौता पुत्र था और एक छोटी बहन भी है। मृतक नोनहरा थाना क्षेत्र के रानीपुर में डाक विभाग में ग्रामीण डाक सहायक के पद पर कार्यरत था। इस संबंध में जंगीपुर थानाध्यक्ष अमित कुमार पांडेय ने बताया कि युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई है। यह पीएम रिपोर्ट के बाद ही खुलासा हो पाएगा। घटना की जानकारी परिजनों को दे दी गई है। उनके तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

01 से 31 जुलाई तक चलेगा विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान

विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान को लेकर जिलाधिकारी ने की बैठक

♦ शत-प्रतिशत अभियान को सफल बनाने के लिए सभी संबंधितों की होगी अहम भागीदारी: डीएम

केटी न्यूज/बलिया

जिलाधिकारी रवींद्र कुमार की अध्यक्षता में शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं घर- घर दस्तक अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु अंतर्विभागीय जिला स्तरीय बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिले में संचारी अभियान के तहत होने वाली कार्रवाइयों के बारे में बताया गया। 01 से 31 जुलाई तक विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान तथा 11 से 31 जुलाई के मध्य दस्तक अभियान चलाया जाएगा। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने संचारी रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए पूरी तैयारी समयबद्ध ढंग से किए जाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि मलेरिया, फाइलेरिया, डेंगू, कालाजार, चिकनगुनिया, डायरिया आदि संचारी रोगों से जुडे. मामलों की आशंका को देखते हुए जनपद में अन्तर्विभागीय समन्वय से युद्धस्तर पर अभियान को आगे बढ़ाया जाए। जिलाधिकारी ने शहरी क्षेत्रों में अधिशासी अधिकारी और ग्रामीण क्षेत्रों में खंड विकास अधिकारी को सैनिटाइजेशन तथा फॉगिंग तालाबों, नालों व नालियों में एण्टी लार्वा का छिड़काव व उनकी बेहतर साफ सफाई, खुली नालियों को ढकने, उथले हैंडपंप को चिन्हित करने सड़क के दोनों और सड़क के दोनों ओर दो फुट तक झाड़ियों की साफ सफाई तथा जल भराव की समस्या का समाधान कराने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने जिला विद्यालय निरीक्षक और बेसिक शिक्षा अधिकारी को संचारी रोग के बारे में बच्चों को जागरूक करने एवं कृषि विभाग के अधिकारी को खासकर झाड़ियों में रहने वाले चूहे व छछूंदर के काटने से होने वाले स्क्रब टायफस (बुखार) के प्रति भी जागरूक करने पर विशेष बल दिया।

संबंधित अधिकारियों को गंभीर हो जाने के दिए निर्देश

बलिया। जिलाधिकारी ने सभी से अनुरोध किया कि जिस विभाग की जो भी कार्ययोजना है उसी के अनुसार कार्य संपादित कराएगा। इसलिए सभी विभाग अपना माइक्रो प्लान तैयार कर लें। उन्होंने संचारी रोग से सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को गंभीर हो जाने का निर्देश दिया। कहा कि इसकी रोकथाम के लिए शीघ्र टीम बनाकर उस क्षेत्र में जनजागरूकता व अन्य गतिविधियां युद्धस्तर पर संचालित की जाए।इस बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ विजयपति द्विवेदी, सीएमएस डॉ सुजीत कुमार यादव, परियोजना निदेशक उमेश मणि त्रिपाठी, जिला मलेरिया अधिकारी सुनील यादव, जिला सर्विलांस ऑफिसर अभिषेक मिश्रा सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

नियंत्रण के संबंध में कार्यवाही करने का दिया निर्देश

बलिया। जिलाधिकारी ने सम्बन्धित विभागों से संचारी रोगों के नियंत्रण व रोकथाम के सम्बन्ध में किए जा रहे कार्यों की जानकारी प्राप्त की। साथ ही उन्होंने चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, नगर विकास, पंचायतीराज, आईसीडीएस, शिक्षा, कृषि, पशुपालन, खाद्य एवं औषधि प्रशासन तथा अन्य सभी सबंधित विभाग को स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय बनाकर संचारी रोगों की रोकथाम व नियंत्रण के संबंध में कार्यवाही करने का निर्देश दिया।

स्कार्पियों पर लदी पांच लाख की अर्जिनिया बरामद, एक गिरफ्तार

केटी न्यूज/ बलिया

पुलिस अधीक्षक देव रंजन वर्मा द्वारा चलाए जा रहे अभियान के क्रम में बलिया पुलिस को सफलता मिली है। सर्विलांस, स्वाट, थाना चितबड़ागांव व आबकारी की सयुक्त टीम ने स्कार्पियों पर लदी 4224 शीशी अर्जिनिया के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है।

बरामद अवैध शराब की कीमत लगभग पांच लाख रुपये है। सर्विलांस प्रभारी निरीक्षक विश्वनाथ यादव, थानाध्यक्ष प्रशान्त कुमार चौधरी व आबकारी निरीक्षक विनय कुमार, आबकारी निरीक्षक संदीप यादव मय हमराह तथा औषधि निरीक्षक श्रीधेश्वर शुक्ल द्वारा अवैध मदिरा निर्माण विक्री पर अंकुश लगाये जाने के निर्देशन में प्रभावी निरोधात्मक कायावाही के लिए क्षेत्र में थे। इसी बीच, मुखबीर खास की सूचना पर चांदनाला पुलिया के पास से रमेश खरवार पुत्र स्व. केशव खरवार निवासी वार्ड 6 पटेल नगर कस्बा व थाना चितबड़ागांव को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार के दौरान अभियुक्त के कब्जे से एक स्कार्पियो नं. यूपी 13 एडी 7300 में 28 पेटी व आठ बोरे में 4224 शीशी आर्जिनिया अवैध शराब बरामद हुई। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर चितबड़ागांव थाना पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर गिरफ्तार अभियुक्त को चालान न्यायालय भेज दिया। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में निरीक्षक विश्वनाथ यादव सर्विलांस प्रभारी, थानाध्यक्ष प्रशान्त कुमार चौधरी चितबड़ागांव, आबकारी निरीक्षक विनय कुमार व संदीप यादव सहित तमाम पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

साउथर्न फेडरल यूनिवर्सिटी पीयू से करेगा एमओयू, डॉ. सुधीर को रूस से मिला विजिटिंग प्रो. सम्मान

♦ पीयू की कुलपति प्रो वंदना सिंह ने दी बधाई

केटी न्यूज /जौनपुर

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के डॉ. सुधीर के. उपाध्याय को विजीटिंग प्रोफेसर का सम्मान मिला है। यह सम्मान रूस की साउथर्न फेडरल यूनिवर्सिटी, रोस्तोव-ऑन-डॉन ने विजिटिंग प्रोफेसर से सम्मानित किया गया है। डॉ. सुधीर उपाध्याय को रूस के शिक्षा और विज्ञान मंत्रालय ने 4 जून से 16 जून तक रूस में कई वैज्ञानिक व्याख्यान दने के लिए आमंत्रित किया था। इस क्रम में डॉ. सुधीर उपाध्याय ने गेलेंद्जिक, रोस्तोव-ऑन-डॉन एवं मास्को के यूनिवर्सिटी का विजिट किया। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के पर्यावरण विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ उपाध्याय को यह आमंत्रण उनके शोध पत्रों की उच्च कोटि के गुणवत्ता के ही आधार पर मिला था। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने डॉ. सुधीर उपाध्याय को रूस से मिले इस सम्मान के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि पूर्वांचल विश्वविद्यालय के डॉ सुधीर जैसे शिक्षकों की प्रतिभा से विश्वविद्यालय का नाम वैश्विक पटल पर पहुँच रहा है।

देश के बाहर के विश्वविद्यालयों से शैक्षिक कार्य हेतु आमंत्रित किया जाना विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात है। उनका पहला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन पर्वतीय और मैदानी क्षेत्रों के मृदा आवरण के सतत विकास की संभावनाएँ और समस्याएँ और दूसरा अंतर्राष्ट्रीय युवा वैज्ञानिक स्कूल द्वारा आयोजित "मानव जनित भार के तहत मृदा पारिस्थितिकी तंत्र की निगरानी, सुरक्षा और बहाली" पर था। डॉ. सुधीर उपाध्याय रूस के अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों में रुसी वैज्ञानिकों, शोध छात्रों के साथ कई दिनों तक वैज्ञानिक विवेचनों में अपना अमूल्य योगदान दिए। रूस की साउथर्न फेडरल यूनिवर्सिटी की ओर से प्रोफेसर मैक्सिम बोंडारेव, वाइस रेक्टर, एवं प्रो. तातियाना मिंकिना, प्रमुख, मृदा विज्ञान विभाग, साउथर्न फेडरल यूनिवर्सिटी ने डॉ.सुधीर उपाध्याय के रिसर्च एवं वैज्ञानिक सोच को देखते हुए वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय से समझौता ज्ञापन (एमओयू) करने के लिए तैयार हुए। इस अनुसंधान और सहयोग गतिविधियों से दोनों विश्वविद्यालयों को लाभ मिलेगा। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने दोनों विश्वविद्यालयों के प्रमुख मेम्बरों से ऑनलाइन मीटिंग भी की। कहा कि वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय साउथर्न फेडरल यूनिवर्सिटी से साइंटिफिक समझौता करने को तैयार है। विश्वविद्यालयों के मध्य समझौता का मुख्य एजेंडा अनुसंधान क्षेत्र में विकास, विशेष रूप से पर्यावरण और मृदा विज्ञान अनुसंधान, जल अनुसंधान, प्रतिकूल पर्यावरणीय परिस्थितियों में फसलों की वृद्धि, फैकल्टी एंड स्टूडेंट्स एक्सचेंज प्रोग्राम इत्यादि विषयों पर है।

एक नजर

श्रेष्ठा परीक्षा में सात छात्रों का चयन

जौनपुर। केंद्र सरकार द्वारा देश के सर्वश्रेष्ठ प्राइवेट स्कूलों मे शोषित वंचित वर्ग के प्रतिभाशाली छात्र के प्रवेश के लिए आयोजित श्रेष्ठ परीक्षा में पू0मा0वि0 सुईथाकला के सात छात्र-छात्राओं ने सफलता प्राप्त की। इस परीक्षा में शिवानी गौतम ने ऑल इंडिया 643 रैंक, आदर्श गौतम को 1095 रैंक, सौम्या धवल को 1535 रैंक, शुभम कुमार को 1634 रैंक, विजयलक्ष्मी 1695 रैंक, आकांक्षा को 1790 रैंक एवं कामिनी को 2744 रैंक प्राप्त हुई जिनकी काउंसलिंग प्रथम चक्र में होना निश्चित है। प्रधानाध्यापक पारसनाथ यादव ने बच्चों की सफलता का श्रेय विद्यालय के शिक्षकों अनिल कुमार, अरविंद कुमार, धर्मेंद्र कुमार, अंकित कुमार एवं रागिनी सिंह को दिया है जैसा कि विदित हो कुछ दिन पूर्व राष्ट्रीय आय आधारित परीक्षा में इसी विद्यालय से 12 बच्चों ने सफलता प्राप्त कर जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया था। विद्यालय की सफलता पर खंड शिक्षा अधिकारी राजेश कुमार ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की है। विद्यालय परिवार के परिश्रम को सराहा है बच्चों की सफलता से क्षेत्र में प्रसन्नता की लहर व्याप्त है शिक्षक संघ के अध्यक्ष सुधाकर सिंह, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष सतीश सिंह एवं मंत्री निशा कांत यादव, टीएससीटी जिला अध्यक्ष अरविंद यादव के साथ-साथ विकासखंड के सभी शिक्षकों और प्रमोद सिंह शेखाही ने विद्यालय परिवार को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। इस परीक्षा में देश भर में सर्वश्रेष्ठ प्राईवेट स्कूलों में 3000 सीटें हैं। इंटर तक की पढ़ाई का पूरा खर्च केंद्र सरकार द्वारा वहन किया जाता है। छात्रों ने अपनी सफलता का श्रेय अपने अध्यापको को दिया।

संस्कृत भाषा व भारतीय संस्कृति की सेवा हेतु सदैव स्मरणीय रहेंगे आचार्य लक्ष्मीकांत: योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आचार्य लक्ष्मीकांत दीक्षित के निधन पर शोक जताया। अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर सीएम ने लिखा कि प्रभु श्रीराम उनके शिष्यों व अनुयायियों को दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें। सीएम योगी ने लिखा कि काशी के प्रकांड विद्वान एवं श्री राम जन्मभूमि प्राण प्रतिष्ठा के मुख्य पुरोहित, वेदमूर्ति, आचार्य लक्ष्मीकांत दीक्षित जी का गोलोकगमन अध्यात्म व साहित्य जगत की अपूरणीय क्षति है। संस्कृत भाषा व भारतीय संस्कृति की सेवा हेतु वे सदैव स्मरणीय रहेंगे। प्रभु श्रीराम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें और उनके शिष्यों व अनुयायियों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। ॐ शांति! गौरतलब है कि 500 वर्ष के उपरांत अयोध्या में मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम के विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा के मुख्य पुरोहित आचार्य लक्ष्मीकांत दीक्षित थे। वह कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे।

घर के दरवाजे पर सो रही सगी बहनों को दबंगों ने पीटा, पुलिस से लगाई न्याय की गुहार

गाजीपुर। भूड़कुड़ा कोतवाली के परसपुर गांव में बीती रात बिंदु राम की दो शादीशुदा लड़कियां अपने बच्चों के साथ सो रही थी। तभी आर्केस्ट्रा देखकर जा रहे तीन लड़कों ने दरवाजे पर सो रही लड़कियों को देखकर हूटिंग शुरू कर दी। इसके बाद लड़कियों ने इसका विरोध किया, तो तीनों युवकों ने घर में घुसकर दोनों लड़कियों की पिटाई कर दी। मामला यहीं तक नहीं थमा। सुबह चार बजे दबंगों ने फिर घर में घुसकर शादीशुदा लड़कियों आंचल और पूजा सहित बुजुर्ग पिता बिंदु राम को लाठी -डंडे से पीट कर घायल कर दिया। पीड़िता सगी बहनें पूजा और आंचल ने कहा कि गांव में ही आर्केस्ट्रा देखकर आ रहे तीन युवकों ने पहले हूटिंग किया। जब इसका विरोध किया, तो उन्होंने लात -घुसों और वहीं पर रखी हुई लाठी से पीट कर घायल कर दिए। रात 12 बजे 112 पीआरवी पुलिस को हेल्पलाइन पर सूचना दी। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची तो पूरी तरह से मूकदर्शक बनी रही। भूड़कुड़ा कोतवाली पर पहुंचकर तीनों के खिलाफ नामजद तहरीर दी। लेकिन देर शाम तक पुलिस ने केस दर्ज नहीं किया था। पीड़ित पक्ष का कहना है कि बगल गांव के दबंग युवक आए दिन ऐसी महिलाओं के साथ बदतमीजी और मारपीट की घटनाएं करते हैं और कुछ ऐसे जनप्रतिनिधि हैं, जो थाने तक पहुंचकर सुलह- समझौता का दबाव बनाते हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार महिलाओं से सुरक्षा के वादे तो करते हैं, लेकिन थाने पर आने के बावजूद संतोषजनक कार्रवाई न होने से दबंग युवकों का मनोबल ऊंचा होता है और फिर ऐसी घटनाओं को अंजाम देते हैं।

खबरें फटाफट

25 जून को होगा रोजगार मेला का आयोजन

जौनपुर। जिला सेवायोजन कार्यालय परिसर निकट नारायण नर्सिंग होम में 25 जून को प्रातः 10:00 बजे रोजगार मेला का आयोजन किया गया है। जिसमें निजी क्षेत्र की कम्पनियों के द्वारा प्रतिभाग किया जाएगा। जिसकी शैक्षिक योग्यता:- हाईस्कूल, इण्टर, आई0टी0आई0 एवं स्नातक उत्तीर्ण तथा आयुसीमा 18 से 35 वर्ष के मध्य हो,ऐसे अभ्यर्थियों को कैम्पस सलेक्शन करेंगी। जिसमें अभ्यर्थी अपने योग्यतानुसार प्रतिभाग करते हुए विभिन्न पदों पर साक्षात्कार के माध्यम से रोजगार प्राप्त करें। जिला सेवायोजन अधिकारी शशिकान्त सरोज ने बताया की रोजगार मेला में सम्मिलित होने के लिए अभ्यर्थियों को अपने साथ समस्त शैक्षिक अभिलेखों की छायाप्रति आई0डी0प्रूफ बायोडाटा सहित प्रतिभाग करें। उन्होंने सेवायोजन वेब पोर्टल- १ङ्ग१२र्ल्ें.४स्र्.ङ्ग५.ल्र के माध्यम से पंजीकरण कर अभ्यर्थियों को अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग करने की अपील की है।

रतनपुरा में रेलवे द्वारा अंडर ग्राउंड ब्रिज बनाने की कवायद शुरू होने से लोगो को उम्मीद जगी

मऊ। पूर्वोत्तर रेल मंडल वाराणसी मंडल के अधीन इंदारा फेफना रेल मार्ग पर स्थित रतनपुरा रेलवे स्टेशन के पूर्व रेल समपार संख्या 23 को रेलवे ने प्लेटफार्म विस्तार के नाम पर बंद कर दिया था, जिस कारण लगभग ढाई दर्जन से अधिक गांवों के लोगों को कठिनाइयां होने लगी। काफी जन संघर्षों, आंदोलनों, तथा उच्चाधिकारियों को मांग पत्र सौंपने के बाद रेल प्रशासन ने इस समपार को खोलने के बजाय अंडरग्राउंड ब्रिज बनवाने का निर्णय लिया। तत्पश्चात इसकी स्वीकृति मिली और निर्माण कार्य के लिए धन भी आबंटित करते हुए रेलवे विभाग के निर्माण एजेंसी गति शक्ति को कार्य आबंटित कर दिया गया है। परन्तु यह मामला निर्माण एजेंसी ने ठंडे बस्ते में डाल दिया, विगत माह में डीआरएम (मंडल रेल प्रबंधक) वाराणसी के दौरे के क्रम में स्थानीय सामाजिक कार्यकताओं ने उपस्थित होकर डीआरएम को समस्याओं से अवगत कराया था, डीआरएम ने उस अंडर ग्राउंड समपार के काम को अकारण रोके जाने पर आश्चर्य जताते हुए शीघ्र कार्य प्रारंभ कराने का आश्वासन दिया था।

मुख्य सचिव ने गोंठा ग्राम स्थित गोबर से पेंट बनाने की फैक्ट्री का किया निरीक्षण

सरकार गांव को आत्मनिर्भर बनाने के लिए योजनाएं कर रही संचालित: मुख्य सचिव

♦ मंडलायुक्त को मंडल के समस्त जिलों के सरकारी भवनों की पेंटिंग हेतु गोंठा निर्मित पेंट का उपयोग करने के दिए निर्देश

केटी न्यूज/मऊ

उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा ने विकास खंड दोहरीघाट के ग्राम पंचायत गोठा में स्थित गोबर से पेंट बनाने की फैक्ट्री का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने समूह की महिलाओं से पेंट बनाने की की प्रक्रिया की पूरी जानकारी ली तथा उनकी बारीकियों को समझा। इसके अलावा उन्होंने प्रतिदिन उत्पादन क्षमता, मार्केटिंग पैकेजिंग आदि के बारे में भी जानकारी ली। मुख्य सचिव ने वहां पर स्टाक रूम का भी अवलोकन किया।

उन्होंने उत्पादन नियमित बनाए रखने एवं क्षमता को बढ़ाने के दृष्टिगत जिलाधिकारी मऊ एवं मंडल आयुक्त को मऊ जनपद के साथ ही बलिया एवं आजमगढ़ के सरकारी भवनों की पेंटिंग हेतु गोंठा निर्मित पेंट के प्रयोग को प्रोत्साहन देने हेतु विशेष प्रयास करने को कहा। फैक्ट्री के अवलोकन के उपरांत मुख्य सचिव महोदय ने वहां पर कार्यरत समूह की महिलाओं तथा ग्रामीण लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार गांव को आत्मनिर्भर बनाने हेतु तमाम योजनाएं संचालित कर रही है। गाय की सेवा करना सनातन धर्म में सबसे बड़ी सेवा मानी जाती है। अब गाय के गोबर से बढ़िया पेंट भी बन रहा है।इस कार्य से जुड़ी सभी महिलाओं का अभिनंदन करते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि अब वह उद्यमी बन चुकी है। आप अपना काम पूरी ईमानदारी से करें एवं पेंट निर्माण में गुणवत्ता बनाए रखें। आज आप 320 लीटर प्रतिदिन पेंट का उत्पादन कर रही हैं लेकिन पूरी ईमानदारी पूर्वक काम करने एवं पेट की गुणवत्ता बनाए रखने पर आप 3000 से लेकर 3 लाख लीटर तक प्रतिदिन पेंट का निर्माण कर सकती हैं। पेंट निर्माण में गुणवत्ता का विशेष ख्याल रखें।उन्होंने उपस्थित महिला समूह की महिलाओं को संबंधित करते हुए कहा कि मैं आशा करता हूं कि आपका उद्योग तेजी से आगे बढ़े जिससे आपकी इनकम बढ़े। इस दौरान उन्होंने गोबर से पेंट बनाने की प्रक्रिया को बारीकी से समझाने के लिए समूह में कार्य महिला सुमन गुप्ता एवं बेचनी देवी को भी शाबाशी दी।

उन्होंने मुख्य सड़क से पेंट बनाने वाले फैक्ट्री तक सड़क बनाने हेतु निस्वार्थ भाव से भूमि उपलब्ध कराने पर आशीष राय पुत्र श्री झारखंडे राय की भी तारीफ की, जिससे मुख्य मार्ग से फैक्ट्री आसानी से जुड़ सके। उन्होने कहा कि गांव को आत्मनिर्भर बनाने हेतु सरकार विभिन्न प्रकार की योजनाएं संचालित कर रही है। सरकार का मुख्य उद्देश्य है गांव को खुशहाल बनाना है। जब गांव खुशहाल होगा तो जनपद, प्रदेश एवं देश खुशहाल होगा। आप अपने आप को सक्षम बनाएं तभी गांव भी सक्षम होगा। अंत में उन्होंने सभी महिलाओं को आगे बढ़ाने की शुभकामनाएं भी दी। इस दौरान उन्होंने ग्राम पंचायत स्थित झारखंडी बाबा मंदिर में दर्शन एवं पूजन भी किया।। इसके उपरांत मुख्य सचिव द्वारा विकासखंड बड़गांव के ग्राम पंचायत बरसात पुर स्थित अमृत सरोवर का भी निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने मुख्य विकास अधिकारी को बीच तालाब में निशान चिन्ह हेतु खम्भा लगाने तथा उस पर लम्बाई का निशान अंकित कराने को कहा जिससे न्यूनतम गहराई तक हर समय जल की उपलब्धता निश्चित रखी जा सके।उन्होंने चारों तरफ हरे वृक्ष लगाने तथा आसपास की सरकारी भूमि को चिन्हित कर अमृत वाटिका विकसित करने को कहा जिसमें पौधे लगे हो, बेंच लगाए जाए और लोगों के लिए आराम की जगह बन सके। इस दौरान मंडलायुक्त मनीष चौहान, जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र, मुख्य विकास अधिकारी प्रशांत नागर सहित अन्य संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

सिपाही और ट्रैक्टर चालक के बीच मारपीट का वीडियो वायरल

♦ बालू ले जा रहे बोगा ट्रैक्टर चालक और सिपाही के बीच अवैध वसूली को लेकर हुई मारपीट

♦ एसपी ने सीओ पीडीडीयू नगर को सौंपी जांच

केटी न्यूज/चंदौली

जिले में पुलिसिया कारनामे की वजह से जीरो टॉलरेंस व भ्रष्टाचार मुक्त उत्तर प्रदेश सरकार का दावा चंदौली जनपद में झूठा साबित होता जा रहा है। पुलिस कर्मियों द्वारा भ्रष्टाचार मुक्त शासन प्रशासन के मंसूबे पर लगातार पलीता लगाया जा रहा हैं। लगातार वसूली सहित भ्रष्टाचार में लिप्त होने सम्बंधित घटनाएं घटित होने के साथ ही उसका वीडियो वायरल होने के बावजूद इसके अनुकूल कार्रवाई नहीं होने से पुलिसकर्मियों के हौसले बुलंद हैं। जनपद में अवैध वसूली को लेकर पुलिस पर हमले का मामला दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। ताजा मामला सदर कोतवाली क्षेत्र के निमार्णाधीन पुलिस लाइन के समीप चंदौली सैदपुर मार्ग स्थित बर्थरा खुर्द के पास का है। जहां सदर कोतवाली का एक पुलिसकर्मी अपने साथ होमगार्ड को लेकर अवैध बालू ढुलाई करने वाले बोगा ट्रैक्टर चालक से पैसा वसूली करने के लिए गाली गलौज के साथ धौंस जमा रहा था। जो वीडियो में साफ दिख रहा है। जिस पर चालक और पुलिसकर्मी के बीच नोंक झोंक होने लगी। पुलिसकर्मी ने जब माँ बहन की गलियां देकर पिटाई की बात की तभी ट्रैक्टर चालक ने हाथ मे ईंट ले लिया और मारपीट पर उतारू हो गया।

अंततः जब बात बढ़ने लगी तो पुलिसकर्मी ने गाली गलौज और जेल भेजने की धमकी देते हुये चालक का कॉलर पकड़ कर धक्का दे दिया जिसके बाद चालक ने आपा खो दिया और उक्त सिपाही का कॉलर पकड़ कर धक्का देते हुये सड़क किनारे लगभग 6-7 फिट नीचे खेत में ले गया और दोनों के बीच जमकर धक्का मुक्की हुई। इस सब घटना के दौरान संभवतः ट्रैक्टर मालिक या फिर बालू कारोबारी भी मौके ओर पहुंच चुका था। उसने बकायदे पूरी बात वीडियो बनाने के दौरान कही की सीओ सहित थाना चौकी सभी को महीना जाता है तो फिर उक्त पुलिस कर्मी को किस बात का पैसा चाहिये। उसने बार बार पूछा आपको किस चीज का पैसा दें।

पुलिस कर्मियों की अवैध वसूली, गाली गलौज तथा जेल में बंद करने की धमकी का यह कोई नया मामला नहीं है। अभी गत एक पखवारे पहले चकिया थानाक्षेत्र में गिट्टी लदी ट्रैक्टर से दबाकर एक युवक की मौत के बाद पहुंचे पुलिस कर्मियों ने भी ग्रामीणों द्वारा पकड़े गये ट्रैक्टर चालक को छोड़ने का दबाव बनाने के बाद सिपाहियों की पिटाई कर पुलिसिया वाहन को क्षतिग्रस्त कर दिया था। लोगों का आरोप था कि पुलिस की मिलीभगत से अवैध कारोबार गिट्टी, बालू और मिट्टी का चल रहा है।

उक्त मामले में दो सुरक्षाकर्मियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई हुई थी। वहीं कुछ दिन पहले ही बलुआ थाना क्षेत्र के मथेला गांव में भी कैलावर चौकी इंचार्ज और उनके हमराही को भी मारपीट के बाद बंधक बना लिया गया था। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या इन्ही पुलिसकर्मियों के भरोसे भ्रष्टाचार मुक्त होगा प्रदेश ? क्या ऐसे ही जीरो टॉलरेंस वाली सरकार के दावे होंगे सफल ? हालांकि पूरी घटना का वीडियो वायरल होने के बाद एएसपी विनय कुमार सिंह ने बताया कि एसपी डॉ अनिल कुमार ने पूरे मामले का संज्ञान लेते हुये मामले की जांच सीओ पीडीडीयू नगर अनिरुद्ध सिंह को सौंप दी है। जांचोरांत कार्रवाई होगी। अब देखना है कि जाँच के नाम पर सिर्फ खाना पूर्ति कर ट्रैक्टर चालक के विरुद्ध कार्रवाई कर घटना की ईतिःश्री कर दी जायेगी या फिर दोषी पुलिसकर्मी सहित उन सब अधिकारियों के विरुद्ध भी कार्रवाई होगी जिनके पास अवैध कारोबार का बंधा बंधाया रुपये प्रत्येक महीना पहुंचता है जिसकी बात वीडियो में कही जा रही है।

दिव्यांगजनों को दिव्यांगजन पुनर्वासन हेतु दुकान निर्माण/संचालन हेतु मिलेगा ऋण

मऊ । जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी नरेंद्र कुमार विश्वकर्मा ने बताया कि दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा संचालित "उत्तर प्रदेश दिव्यांगजन पुनर्वासन हेतु दुकान निर्माण / संचालन योजना के अन्तर्गत दुकान निर्माण/क्रय हेतु पात्र लाभार्थी को वित्तीय सहायता के रूप रू0 20,000 की धनराशि स्वीकृत की जाती है, जिसमें रू0 15,000 की धनराशि 4 प्रतिशत वार्षिक साधारण ब्याज की दर पर ऋण के रूप में तथा रू0 5,000 की धनराशि अनुदान के रूप में दी जाती है।

मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना की बैठक संपन्न, सरकार ने लिया निर्णय

बेटियों को प्रदेश सरकार देगी 25 हजार रुपए

♦ बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग से सिर्फ 20 आवेदन कराये जाने पर जिलाधिकारी नाराज

केटी न्यूज/चंदौली

मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना की बैठक जिलाधिकारी निखिल टी फुंडे की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक में मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु जिला प्रोबेशन अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि स्वास्थ्य विभाग से लगभग 1500 आवेदन एवं शिक्षा विभाग से लगभग 250 आवेदन कराये गये हैं, परन्तु बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग से सिर्फ 20 आवेदन कराये गये हैं। जिस पर जिलाधिकारी द्वारा समस्त सम्बन्धित विभागों को निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना का आवेदन आनलाइन कराने में वित्तीय वर्ष की समाप्ति का इंतजार न किया जाए बल्कि तीन महीने के अन्दर सभी पात्र बालिकाओं का आवेदन आनलाइन कराया जाना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि जन्म ले रही सभी पात्र बालिकाओं का आशा एवं एएनएम एवं प्राथमिक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के माध्यम से मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के सभी पात्र बालिकाओं का आनलाइन आवेदन कराये तथा प्रगति से हर 15 दिन पर अवगत कराते रहें तथा जन्म प्रमाण पत्र बनाते समय ही मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना का भी आवेदन आनलाइन भरवाना सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने जिला विद्यालय निरीक्षक एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी निर्देश देते हुए कहा कि यह सुनिश्चित करेगें कि जनपद के प्रत्येक विद्यालय में पढ़ रही पात्र बालिकाओं का शत प्रतिशत मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला का आवेदन आनलाइन कराया जाए तथा विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रधानाध्यापक से इस आशय का प्रमाण पत्र प्राप्त करेगें कि कोई भी पात्र बालिका इस विद्यालय में मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के लाभ प्राप्त करने से वंचित नहीं है और उक्त प्रमाण पत्र को दिनांक 31 अगस्त तक समस्त विद्यालयों से प्राप्त कर जिला प्रोबेशन अधिकारी कार्यालय चन्दौली को प्राप्त कराना सुनिश्चित करेगें।

बैठक के दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सुभाषितम्

काम की समाप्ति संतोषप्रद हो तो परिश्रम की थकान याद नहीं रहती। - कालिदास

ब्रिटेन के सबसे धनी हिंदुजा को जेल

बड़ा हुआ तो क्या हुआ, जैसे पेड़ खजूर वाली कहावत को चरितार्थ किया है, ब्रिटेन के हिंदुजा परिवार ने। ब्रिटेन के सबसे धनी भारतीय मूल के हिंदुजा परिवार को स्विस कोर्ट ने सजा सुनाई है। कोर्ट ने यह सजा, उन्हें अपने निजी सेवकों को बंधक बनाए रखने, उन्हें स्विस कानून के अनुसार न्यूनतम से भी बहुत कम वेतन देने, 16 से 18 घंटे नियमित काम लेने के आरोप प्रमाणित होने के बाद सुनाई है। भारतीय मूल के कारोबारी प्रकाश हिंदूजा उनकी पत्नी कमल हिंदुजा को साढ़े चार साल की सजा, उनके बेटे और बहू को 4-4 साल की सजा से दंडित किया गया है। उनके मैनेजर नियाजी को भी 18 माह की सजा दी गई है। हिंदुजा परिवार पर आरोप था कि उन्होंने अपने घरेलू सेवकों के पासपोर्ट छीनकर अपने पास रख लिए थे। उन्हें भारतीय मुद्रा में भुगतान किया जाता था, ताकि वह नौकरी छोड़कर भाग नहीं जाएं। निजी सेवकों से 16 से 18 घंटे काम कराया जाता था। उन्हें कोई छुट्टी नहीं दी जाती थी। स्विस कानून के अनुसार न्यूनतम वेतन का दसवां हिस्सा ही उन्हें हिंदुजा परिवार द्वारा भुगतान किया जा रहा था। हिंदुजा परिवार के किसी भी सदस्य की पुकार पर सेवकों को तुरंत सेवाएं देनी होती थीं। भय के माहौल में नौकरों को रखा गया था। घर में काम करने वाले निजी सहायकों को 2.38 लाख रुपए वार्षिक का भारतीय मुद्रा में भुगतान किया जा रहा था। हिंदुजा परिवार अपने कुत्तों के रख-रखाव और खाने पर 8 लाख रुपये वार्षिक भारतीय मुद्रा में खर्च कर रहा था। निजी सहायकों को विला से बाहर जाने की अनुमति नहीं होती थी। हिंदुजा परिवार ब्रिटेन का सबसे बड़ा कारोबारी है। मीडिया, आईटी कंपनी और रियल एस्टेट में काम कर रहे, इस कारोबारी के पास 1.67 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति है। हिंदुजा परिवार अपने घरेलु सेवकों जो उनकी 16 से 18 घंटे तक लगातार सेवा करते थे। उनका इस तरह से शोषण किया जाना आश्चर्यचकित करने वाली घटना है। जेनेवा की कोर्ट में इस मामले की सुनवाई हुई। हिंदुजा परिवार की इस तरह की करतूतों को जानकर हर कोई हैरान है। कोई अपने निजी सहायकों के साथ इस तरह का व्यवहार कर सकता है? प्रकाश हिंदुजा की उम्र 78 साल की है। उनकी पत्नी की उम्र 75 साल की है। उनके बेटे अजय और बहू की सेवा में रहने वाले निजी सहायकों का उनके द्वारा ही इस तरह का शोषण किया जाएगा। कोर्ट में जब इस मामले के सारे तथ्य उजागर हुए। तब कोर्ट भी हैरान रह गई। हिंदुजा परिवार के निजी सहायक रसोईया और घरेलू कामकाज करते थे। उन निजी सहायकों से 16 से 18 घंटे तक बिना किसी छुट्टी के काम लिया जाता था। निजी सहायकों और उनके बीच में कोई भी लगाव नहीं पनपा। स्विस कानून के अनुसार न्यूनतम मजदूरी का दसवां हिस्सा ही उन्हें दिया जा रहा था। जिनेवा स्थित झील के किनारे जिस विला में वह रहते थे, वहां पर नौकरों के लिए रहने और खाने-पीने के लिए भी कोई इंतजाम नहीं रखा गया। जानवरों की तरह विला के बेसमेंट या फर्श पर उनके घरेलू नौकर रहने और सोने के लिए विवश थे। लाखों करोड़ रुपए की संपत्ति के मालिक यदि इस तरह का व्यवहार अपने निजी सहायकों के साथ करेंगे, इस पर सहज रूप से विश्वास नहीं होता है। विशेष रूप से भारतीय मूल के कारोबारी यदि इस तरह का व्यवहार करें, तो यह समझ से परे है। हिंदुजा परिवार पैसा कमाने और पैसा बचाने के लिए यदि इस तरीके के अमानवीय कृत्य करता है। इसकी जितनी निंदा की जाए, उतनी कम है। भारत से लोगों को बुलाकर उन्हें भारतीय समुदाय के होने का विश्वास दिलाकर विदेश में बसे अरबपति-खरबपति उद्योगपति, अपने समुदाय के साथ इस तरह का विश्वासघात करते हैं। उन्हें इस तरह की सजा मिलनी ही चाहिए। यह कितने असंवेदनशील हैं, इस बात का अंदाजा इस बात से ही लगाया जा सकता है। जो निजी सहायक इनकी 16 से 18 घंटे तक सेवा करते थे, उनके साथ इस तरह का व्यवहार तो कसाई भी नहीं करता है।

चिंतन-मनन

ध्यान-तन्मयता का नाम समाधि

ध्यान के द्वारा परिवर्तन तभी संभव है जब ध्यान में जाने के लिए गहरी आस्था हो। आस्था का निर्माण हुए बिना ध्यान में जाने की क्षमता अर्जित नहीं हो सकती। कुछ व्यक्तियों में नैसर्गिक आस्था होती है और कुछ व्यक्तियों की आस्था का निर्माण करना पड़ता है। आस्था पर संकल्प का पुट लग जाए और अनवरत अभ्यास का प्रम चलता रहे तो आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त हो जाता है। अभ्यास ऐसा तत्व है जो साधना की श्रृंखला को बराबर जोड़े रखता है। अभ्यास की धारा टूटने से सफलता संदिग्ध हो जाती है। आस्था, संकल्प और अभ्यास इन तीन तत्वों के अधिगत हो जाने के बाद साधक में आत्मानुशासन का विकास हो जाता है। यह अनुशासन आरोपित नहीं होता, सहज स्वीकृत होता है। इस अनुशासन में संयम के विकास की अनिवार्यता है। संयम से हमारा प्रयोजन है तन्मयता से। यह तन्मयता ही भावक्रिया है। केवल त्याग-प्रत्याख्यान से संयम नहीं सध सकता। त्याग-प्रत्याख्यान भी साधना का एक प्रकार है, किंतु उसमें पूर्णता नहीं है। साधना में पूर्णता लाने के लिए संयम के साथ भावक्रिया का होना नितांत अपेक्षित है। पूर्ण संयम का विकास तब हो सकता है, जब पदार्थ-प्रयोग से मन विरत हो। इसे इस प्रकार भी कहा जा सकता है कि संयम के प्रति रति होने से पदार्थ-भोग के प्रति अरति हो जाती है। अनुराग से विराग का होना एक मनोवैज्ञानिक तथ्य है। बच्चे के हाथ से किसी वस्तु को छुड़ाने के लिए उसे किसी दूसरी वस्तु के प्रति आकृष्ट करना होता है। अन्यथा वह उसे छोड़ नहीं सकता। पदार्थ-विरति भी उसी क्षण घटित हो सकती है, जिस क्षण आत्मा या चैतन्य के साथ उसका संबंध स्थापित हो जाता है। यह स्थिति पतंजलि के शब्दों में धारणा के रूप में निरूपित की गई है। धारणा की धाराप्रवाह प्रतीति ध्यान है और ध्यान में पूर्ण तन्मयता का नाम समाधि है। संयम की पूर्णता के लिए धारणा, ध्यान और समाधि तीनों ही आवश्यक हैं।

पेपर लीक से छात्रों में भारी नाराजगी

-संजय गोस्वामी

पिछले 15दिनों से देशभर में लाखों युवा उबल रहे हैं। इसके चलते एनटीए (NTA) द्वारा आयोजित नीट (NTA)-यूजीसी में बड़े पैमाने पर धांधली और अनियमितता की आशंकाएं जताई जा रही हैं। भारत के सभी मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए हर साल नीट (NTA)-यूजीसी परीक्षा आयोजित की जाती है। सबसे प्रतिष्ठित एनआईटी और एनईई प्रवेश परीक्षा भी एनडीआरएफ द्वारा आयोजित की जाती है। 2019 में एनटीए (NTA) के गठन से पहले यह परीक्षा सीबीएसई द्वारा ऐआईपीएमटी के नाम से आयोजित की जाती थी। सीएमई ईटी और पीएमडीएम परीक्षाएं भी अलग-अलग राज्यों में राज्य सरकारों द्वारा आयोजित की जाती थीं। पूरे देश में एक समान परीक्षा आयोजित करने और छात्रों को अलग-अलग परीक्षाओं के लिए आवेदन न करना पड़े, इसके लिए भारत सरकार ने 2017 में एनटीए (NTA) का गठन किया, जिसने 2019 की परीक्षाओं से काम करना शुरू कर दिया सरकारी मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश शुल्क लगभग 1 लाख रुपये है।, जबकि निजी मेडिकल कॉलेजों में यह प्रवेश शुल्क लगभग 25 -50 लाख रुपये है। इसलिए मध्यम वर्ग के परिवार सरकारी मेडिकल कॉलेजों में एनटीए (NTA) द्वारा आयोजित नीट (NTA)-यूजीसी से सीधे अध्ययन कर सकते हैं और सरकारी मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश ले सकते हैं। इस वर्ष यह परीक्षा 5 मई, 2024 को आयोजित की गई थी, जिसमें 23.81 लाख छात्र उपस्थित हुए थे। यह भारत की सबसे बड़ी प्रवेश परीक्षा है। परीक्षा में बैठने के लिए फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 9 मार्च, 2024 थी, जिसे बढ़ाकर 16 मार्च, 2024 कर दिया गया। दुख की बात है कि इसे लगभग 15 महीने के लिए बढ़ा दिया गया और आवेदन पत्र भी 9-10 मार्च को लिया गया। इस तरह के अध्ययन किए गए लेकिन इसका कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया। परीक्षा में आवेदकों की संख्या लगभग 24000 थी। क्या यह अध्ययन किसी विशेष वर्ग के लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए किया गया था? यह उम्मीद की जाती है कि कुछ उम्मीदवारों को अनुचित तरीकों से उसी परीक्षा में अनुचित लाभ दिया गया था। परीक्षा 5 मई, 2024 को आयोजित की गई थी और उसी दिन पडाना से पेपर लीक होने की खबर आई। इस परीक्षा का परिणाम 14 जून 2024 को घोषित होना था, लेकिन अरुणाचल प्रदेश में इसे 4 जून 2024 को घोषित किया गया। यह महज संयोग नहीं है कि 4 जून को ही भारत लोकसभा चुनाव के परिणाम घोषित होने थे और उसी दिन परिणाम घोषित किए गए। पूरे मीडिया का इस पर ध्यान केंद्रित होना स्वाभाविक था। शायद ऐसा इसलिए किया गया था ताकि उस दिन परिणाम घोषित होने से जो भी गड़बड़ हो, उस पर कोई ध्यान न दे। जब परिणाम घोषित हुआ, तो देखा गया कि 67 छात्रों ने प्रथम रैंक प्राप्त की। पिछले वर्षों में, दो या तीन छात्रों ने प्रथम रैंक प्राप्त की है। इन 67 छात्रों ने 720 में से 720 अंक प्राप्त किए। घोषित परिणामों के अनुसार, 718 और 719 अंक भी छात्रों ने प्राप्त किए, जो परीक्षा की योजना के अनुसार असंभव था। प्रत्येक सही उत्तर के लिए 4 अंक मिलते हैं और गलत उत्तर के लिए भी एक अंक जब्त कर लिया जाता है यदि कोई व्यक्ति सभी 180 प्रश्नों के सही उत्तर देता है तो उसे 720 अंक मिलते हैं और यदि उनमें से एक भी गलत है तो उसे 715 अंक मिलते हैं। यदि कोई व्यक्ति एक भी प्रश्न का गलत उत्तर देता है तो उसे 716 अंक मिलते हैं। किसी भी स्थिति में 718 और 719 उपलब्ध नहीं थे। जब इस संबंध में काफी हो-हल्ला मचा तो एनडीए ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि ऐसे छात्रों को सॉलिड मार्जिन दिया गया था। बाद में बताया गया कि केवल 1563 छात्रों को परीक्षा में समय पर अंक दिलाने के लिए सॉलिड मार्जिन दिया गया था। गौरतलब है कि स्लीपर परीक्षा में सॉलिड मार्जिन देने का कोई प्रावधान नहीं है। सॉलिड अंक देने का उल्टा असर क्यों हुआ, इसे समझने के लिए एक उदाहरण देना उचित होगा। 720 में से 720 अंक पाने वाले 67 छात्रों में से सॉलिड मार्क्स जोड़ने के बाद यह 720 अंक हो गए और फाइनल रिजल्ट आ गया। मजे की बात यह है कि छात्र ने सभी सवालों के जवाब दिए थे, जिससे यह साफ है कि सुनवाई के समय उसे कोई नुकसान नहीं पहुंचाया गया। उस दिन छात्र अपनी बात पर अड़ा रहा लेकिन कोर्ट में सुनवाई के दौरान उसने खुद कहा कि उसे सॉलिड मार्क्स दिए जाएंगे। इन 1563 छात्रों के लिए 23 जून को दोबारा परीक्षा होगी, जिसमें बैठने और बैठने का निर्धारण होगा। 30 जून को रिजल्ट घोषित किया जाएगा। इसके बाद दोबारा रैंकिंग घोषित की जाएगी। जो परीक्षा में शामिल नहीं होना चाहते, उनके मूल अंक माने जाएंगे। यह समाधान सिर्फ 1563 छात्रों को दिया गया, जबकि हकीकत में देश में कई ऐसे संस्थान थे, जहां समय पर पढ़ाई होती थी, लेकिन वहां पर भी काफी देर बाद परीक्षाएं होती थीं, जो सही भी था। इससे ज्यादातर लोग असंतुष्ट हैं और इसीलिए उनका आंदोलन और आंदोलन जारी है। यहां दो-तीन अन्य विसंगतियों का जिक्र करना उचित होगा। गुजरात में, गोवा में एक परीक्षा संस्थान था धरा, जलाराम स्कूल। इस स्कूल और हॉल में 30 छात्र बैठे थे। यहां से परीक्षा देने वाले छात्र झारखंड, कर्नाटक, ओडिशा आदि से थे। इन छात्रों से एजेंटों ने 10-10 लाख रुपये वसूले और अधिक उत्तर दिलाने का वादा किया गया था। यहां परीक्षा सीसीडीवी की देखरेख में हुई लेकिन परीक्षा के बाद शिक्षकों की मदद से यह किया जाना था कि सभी ओएमआर शीट अलग से ली जाएं और पढ़ने से पहले उनमें सभी सही उत्तर भरे जाएं। यह उम्मीदवारों के साथ किया गया और उन्हें अपनी ओएमआर शीट खाली छोड़नी थी। अगर वह अपने प्रयास में सफल हो जाते तो तमाम प्रयासों के साथ यह केंद्र नष्ट हो सकता था। यह जिला प्रशासन की सतर्कता और तत्परता थी कि उन्होंने समय रहते इस पर कार्रवाई की और स्कूल के प्रिंसिपल और अन्य शिक्षकों को गिरफ्तार कर लिया। वहां से और शिक्षकों से 7.60 लाख रुपये बरामद परीक्षा से एक रात पहले 20-20 लाख रुपये देने वाले छात्रों को प्रश्न पत्र बता दिए गए और उनके उत्तर भी रद्द कर दिए गए ताकि वे अगले दिन परीक्षा में सभी प्रश्नों के सही उत्तर दे सकें। यही कारण है कि वे डोपर बन गए। अनियमितताओं, मिलीभगत, पेपर लीव आदि के जितने मामले सामने आ रहे हैं, उसे देखते हुए इस पूरी परीक्षा को ढोंग कहा जाए तो गलत नहीं होगा। कहावत है कि दाल में वाला होता है, लेकिन नींद की इस परीक्षा में तो ऐसा लगता है कि पूरी दाल ही वाला है। जब पूरी दाल ही वाला हो तो उसे पैसे देना ही एकमात्र उपाय है। यही बात नींद की इस परीक्षा में भी लागू होती है। अध्यक्ष महोदय, खासकर प्रधानमंत्री को इस महत्वपूर्ण मामले में तुरंत हस्तक्षेप करना चाहिए। पूरी नींद की परीक्षा रद्द कर देनी चाहिए और दोबारा नींद की परीक्षा करानी चाहिए। और सभी यूनिवर्सिटी प्रोफेसरों को बर्खास्त कर उनकी जांच सीबीआई से करानी चाहिए और उनके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करना चाहिए। विभिन्न स्त्रोतों से मिली जानकारी के अनुसार नीट यूजी 2024 पेपर लीक मामले की जांच बिहार की आर्थिक अपराध इकाई कर रही है. मामले में पटना से चार अभ्यर्थियों को गिरफ्तार किया गया है. वहीं पूछताछ के लिए 9 अभ्यर्थियों को 18 और 19 जून को बुलाया गया है. इनमें 7 लड़कियां भी शामिल हैं. नीट यूजी परीक्षा का आयोजन 5 मई को किया गया था. रिजल्ट 4 जून को घोषित किया गया था. तब से नीट यूजी परीक्षा को लेकर बवाल चल रहा है.

पूंजीवादी व्यवस्था में उत्पन्न होने वाले खतरों को डॉ हेडगेवार ने पहचान लिया था

- प्रहलाद सबनानी

आज पूरे विश्व में पूंजीवाद की तूती बोल रही है। लगभग समस्त देश अपनी अर्थव्यवस्थाओं को पूंजीवाद के सिद्धांत के आधार पर चला रहे हैं। मुक्त बाजार अथवा मुक्त उद्यम प्रणाली पूंजीवाद का दूसरा नाम है, जो उत्पादक संसाधनों पर निजी स्वामित्व के हक को मानते हुए देश में आर्थिक विकास को गति देने की नीति को अपनाती है। पूंजीवादी सिद्धांत के जनक कहे जाने वाले एडम स्मिथ का कहना था कि अर्थव्यवस्था में अधिक से अधिक धनकुबेर पैदा होने चाहिए, इससे अंततः वह देश विकसित देश की श्रेणी में शामिल हो सकता है। अतः देश में धनकुबेर पैदा करने में शासन द्वारा आर्थिक नीतियों को उद्योगपतियों के हित में बनाया जाना चाहिए। इस सम्बंध में एडम स्मिथ ने ह्र्वेल्थ आफ नेशनह्न नामक सिद्धांत भी प्रतिपादित किया था, जिसमें यह कहा गया था कि बाजार को चलाने में किसी अदृश्य शक्ति की भूमिका होती है। इस अदृश्य शक्ति में शासन की नीतियों को भी शामिल किया जा सकता है। पूंजीवादी सिद्धांत पर आधारित आर्थिक नीतियों को अमेरिका में बहुत उत्साहपूर्वक लागू किया गया था। 1950 के दशक के बाद अमेरिका में इन सिद्धांतों के अनुपालन के पश्चात अमेरिकी अर्थव्यवस्था में विकास दर बहुत तेजी से आगे बढ़ी और शीघ्र ही अमेरिका विकसित देशों की श्रेणी में शामिल हो गया था। हालांकि, इस आर्थिक विकास के परिणामस्वरूप देश में आर्थिक असमानता भी उतनी ही तेज गति से बढ़ती है क्योंकि देश में आर्थिक नीतियों को एक वर्ग विशेष को आगे बढ़ाने की दृष्टि से विकसित किया जाता है, इससे अमीर और अधिक अमीर होते चले जाते हैं एवं गरीब और अधिक गरीब होते चले जाते हैं। विश्व में साम्राज्यवाद का सिद्धांत सबसे पुराना माना जाता है। शक्ति एवं प्रभुत्व बढ़ाने की राज्य की नीति मानी जाती रही है और इसकी समय समय पर वकालत भी की जाती रही है। कुछ क्षेत्रों पर प्रत्यक्ष रूप से अधिग्रहण करके एवं कुछ क्षेत्रों पर राजनैतिक एवं आर्थिक नियंत्रण कर-के कुछ राज्य अपने वर्चस्व को बढ़ाते रहे हैं। ब्रिटिश शासन ने भी इसी सिद्धांत का अनुसरण करते हुए दुनिया के कई देशों पर अपना राज्य कायम कर लिया था। इस सिद्धांत के अनुपालन से भी जिन राज्यों पर सत्ता स्थापित की जाती है उन राज्यों के नागरिकों को दोयम दर्जे का नागरिक बना लिया जाता है और उनका शोषण किया जाता है। इस शासन प्रणाली में भी गरीब और अधिक गरीब हो जाते हैं और राज्य करने वाले देश के नागरिक शोषित राज्यों के संसाधनों का अति शोषण करते हुए इन्हें अपने हित में उपयोग करते हैं और वे स्वयं अमीर से और अधिक अमीर बनते चले जाते हैं। पूंजीवाद के सिद्धांतों का अनुपालन करने वाले कुछ देशों, विशेष रूप से अमेरिका के विकसित देश हो जाने के पश्चात, ने भी बाद के समय में साम्राज्यवाद का चोला पहिन लिया था। इन पूंजीवादी देशों ने छोटे छोटे गरीब देशों के संसाधनों पर व्यापार के माध्यम से अपना हक जताना प्रारम्भ कर दिया था। शोषण करने वालों के केवल नाम बदल गए थे, क्योंकि राज्यों के स्थान पर अब पूंजीपति इन देशों के नागरिकों एवं संसाधनों का शोषण करने लगे थे। एक तरह से पूंजीवाद स्वयं ही राजा बन बैठा। वैसे भी पूंजीवाद के सिद्धांतों के आधार पर चलने वाली अर्थव्यवस्था में येन केन प्रकारेण लाभ कमाना ही मुख्य लक्ष्य होता है, चाहे इसके लिए किसी वर्ग अथवा देश का शोषण ही क्यों न करना पड़े।

एक आर्थिक प्रणाली के रूप में पूंजीवाद की उत्पत्ति 16वीं शताब्दी में मानी जा सकती है। इंग्लैंड में 16वीं से 18वीं शताब्दी तक, कपड़ा उद्योग जैसे बड़े उद्यमों के औद्योगिकीकरण ने एक ऐसी प्रणाली को जन्म दिया जिसमें उत्पादकता बढ़ाने के लिए संचित पूंजी का निवेश किया गया और उद्योगपतियों ने मजदूरों का शोषण प्रारम्भ कर अधिक लाभ अर्जित करना प्रारम्भ किया। इस प्रकार किसी एक व्यक्ति को पूंजीवाद का आविष्कार करने वाला नहीं कहा जा सकता है, क्योंकि पूर्ववर्ती पूंजीवादी प्रणालियां प्राचीन काल से ही अस्तित्व में थीं। चूंकि पूंजीवादी सिद्धांतों के अनुपालन में कुछ देश तेजी से विकास कर रहे थे एवं कुछ अन्य देशों का अति शोषण हो रहा था और पूंजीवाद एक तरह से विश्व के कई देशों में फैल रहा था अतः पूंजीवाद के साम्राज्यवाद के पद चिन्हों पर आगे बढ़ने के कारण डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार ने वर्ष 1920 में नागपुर में आहूत किए जाने वाले कांग्रेस के अधिवेशन में प्रस्ताव समिति के सामने एक प्रस्ताव रखने का प्रयास किया था। इस प्रस्ताव में दो विषयों का उल्लेख किया गया था। एक, कांग्रेस को यह वादा करना चाहिए कि वह अंग्रेजों से भारत की पूर्ण स्वतंत्रता के नीचे कुछ भी स्वीकार नहीं करेगी और दूसरे, पूरे विश्व को पूंजीवादी नीतियों से मुक्ति दिलायी जाएगी। परंतु, दुःख का विषय है कि उस समय के कांग्रेस के नेताओं ने डॉक्टर हेडगेवार के उक्त प्रस्ताव को प्रस्ताव समिति से आगे बढ़ने ही नहीं दिया एवं यह प्रस्ताव कांग्रेस अधिवेशन में भी प्रस्तुत नहीं किया जा सका। इस प्रकार, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के परम पूजनीय प्रथम संघचालक डॉक्टर हेडगेवार ने वर्ष 1920 के पूर्व ही पूंजीवाद से उत्पन्न होने वाले खतरों को पहचान लिया था तथा वे पूंजीवाद की आड़ में विश्व में फैल रहे साम्राज्यवादी नीतियों के भी घोर विरोधी थे। साम्राज्यवादी नीतियों के अंतर्गत कुछ पूंजीवादी देश, विश्व के अन्य गरीब देशों पर अपना प्रभुत्व स्थापित करने का प्रयास कर रहे थे। ब्रिटेन ने भी भारत पर ईस्ट इंडिया कम्पनी के माध्यम से ही आधिपत्य स्थापित किया था। शुरूआती दौर में तो ब्रिटेन की ईस्ट इंडिया कम्पनी भी भारत में व्यापार करने के उद्देश्य से ही आई थी। परंतु, बाद का खंडकाल गवाह है कि किस प्रकार भारत के संसाधनों का ब्रिटेन के हित में उपयोग किया गया। अति तो तब हुई जब ब्रिटेन ने भारत के हथकरघा उद्योग को ही तबाह कर दिया। भारत में सस्ती दरों पर कपास खरीद कर वे ब्रिटेन ले जाने लगे एवं ब्रिटेन में कपड़ा मिलों की स्थापना की गई ताकि इस कच्चे माल (कपास) से कपड़ों का निर्माण किया जा सके एवं ब्रिटेन में रोजगार के अवसर निर्मित हो सकें। इस कपड़े को वापिस भारत में लाया जाकर भारतीय जनता को उच्च दरों पर बेचा जाने लगा।

आदर्श नायिका हैं वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई

-डॉ. वंदना सेन

भारत में ऐसे कई महान व्यक्तित्व हुए हैं, जिनका जीवन हमको देश के लिए जीना सिखाता है। उनके हर कदम भारत के वीर भाव को ही प्रदर्शित करते थे। यहां यह बताना भी बहुत जरुरी है कि देश याने क्या? देश केवल भूमि नहीं, बल्कि वहां रहने वाली संतति ही है। इसलिए स्वाभाविक रूप से यही कहा जा सकता है कि देश के महानायकों ने जिस वीरत्व भाव के साथ जीवन जिया, वह देश की संतति को प्रेरणा देने वाला ही है। लेकिन आज सबसे बड़ा सवाल यह है कि हम इन महानायकों को कितना अपने जीवन में उतारते हैं? यथार्थ यही है कि आम जन के लिए जीवन का उत्सर्ग करने वाले इन योद्धाओं को हम लगभग विस्मृत ही कर चुके हैं। आज हमको अपने नायकों को पहचानने की आवश्यकता है। रानी लक्ष्मी बाई उन नायकों की श्रृंखला में महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं। वीरांगना नाम सुनते ही हमारे मन मस्तिष्क में रानी लक्ष्मी बाई की छवि उभरने लगती है। भारतीय वसुंधरा को अपने वीरोचित भाव से गौरवान्वित करने वाली झांसी की रानी लक्ष्मीबाई सच्चे अर्थों में वीरांगना ही थीं। वे भारतीय महिलाओं के समक्ष अपने जीवन काल में ही ऐसा आदर्श स्थापित करके विदा हुईं, जिससे हर कोई प्रेरणा ले सकता है। वे वर्तमान में महिला सशक्तिकरण की जीवंत मिसाल भी हैं। कहा जाता है कि सच्चे वीर को कोई भी प्रलोभन अपने कर्तव्य से विमुख नहीं कर सकता। ऐसा ही रानी लक्ष्मीबाई का जीवन था। उसे अपने राज्य और राष्ट्र से एकात्म स्थापित करने वाला प्यार था। वीरांगना के मन में हमेशा यह बात कचोटती रही कि देश के दुश्मन अंग्रेजों को सबक सिखाया जाए। इसी कारण उन्होंने यह घोषणा की कि मैं अपनी झांसी नहीं दूंगी। इतिहास बताता है कि इस घोषणा के बाद रानी ने अंग्रेजों से युद्ध किया। वीरांगना लक्ष्मीबाई के मन में अंग्रेजों के प्रति किस कदर घृणा थी, वह इस बात से पता चल जाता है कि जब रानी का अंतिम समय आया, तब ग्वालियर की भूमि पर स्थित गंगादास की बड़ी शाला में रानी ने संतों से कहा कि कुछ ऐसा करो कि मेरा शरीर अंग्रेज न छू पाएं। इसके बाद रानी स्वर्ग सिधार गईं और बड़ी शाला में स्थित एक झोपड़ी को चिता का रुप देकर रानी का अंतिम संस्कार कर दिया। और अंग्रेज देखते ही रह गए। हालांकि इससे पूर्व रानी के समर्थन में बड़ी शाला के संतों ने अंग्रेजों से भीषण युद्ध किया, जिसमें 745 संतों का बलिदान भी हुआ, पूरी तरह सैनिकों की भांति अंग्रेजों से युद्ध करने वाले संतों ने रानी के शरीर की मरते दम तक रक्षा की। जिन महापुरुषों के मन वीरोचित भाव से भरा होता है, उसका लक्ष्य सामाजिक उत्थान और राष्ट्रीय उत्थान ही होता है। वह एक ऐसे आदर्श चरित्र को जीता है, जो समाज के लिए प्रेरणा बनता है। इसके साथ ही वह अपने पवित्र उद्देश्य की प्राप्ति के लिए सदैव आत्मविश्वासी, कर्तव्य परायण, स्वाभिमानी और धर्मनिष्ठ होता है। ऐसी ही थीं महारानी लक्ष्मीबाई। उनका जन्म काशी में 19 नवंबर 1835 को हुआ। इनके पिता मोरोपंत ताम्बे चिकनाजी अप्पा के आश्रित थे। इनकी माता का नाम भागीरथी बाई था। महारानी के पितामह बलवंत राव के बाजीराव पेशवा की सेना में सेनानायक होने के कारण मोरोपंत पर भी पेशवा की कृपा रहने लगी। लक्ष्मीबाई अपने बाल्यकाल में मनु व मणिकर्णिका के नाम से जानी जाती थीं। सन1850 मात्र 15 वर्ष की आयु में झांसी के महाराजा गंगाधर राव से मणिकर्णिका का विवाह हुआ। एक वर्ष बाद ही उनको पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। लेकिन चार माह पश्चात ही उस बालक का निधन हो गया।

आज का राशिफल

मेष आज आपके सम्मान में वृद्धि का दिन है। आपको आज कोई लोन ले पाने में सफलता मिलेगी।	**तुला** आज का दिन शुभकारक है। आपके अधिकार और संपत्ति में वृद्धि होने के योग हैं।
वृषभ ज्यादा भागदौड़ के मामले में सावधानी बरतें। अधिक भागदौड़ के कारण आपको चोट लग सकती है।	**वृश्चिक** आज अशांत और परेशान रहेगा। व्यापार में वृद्धि के लिए किए प्रयास निष्फल हो सकते हैं।
मिथुन आज हर मामले में संभलकर रहने की सलाह है। आप फिजूल के खर्चे से बचें।	**धनु** आज आपको करियर के मामले में सफलता प्राप्त होगी। आपकी विद्या और ज्ञान में वृद्धि होगी।
कर्क आज का दिन उत्तम रहेगा। आपको परिश्रम करने पर सफलता प्राप्त होगी और भाग्य साथ देगा।	**मकर** अनावश्यक खर्चे भी सामने आएंगे जो कि न चाहते हुए भी मजबूरी में करने पड़ेंगे।
सिंह दिन मिश्रित रहेगा और आपको मानसिक अशांति, खिन्नता और उदासीनता की वजह से परेशानी होगी।	**कुंभ** आवश्यकतानुसार ही व्यय करें। आप अपने परिजनों के साथ अच्छा वक्त बिताएंगे।
कन्या आज का दिन संभलकर रहने का है। साहसपूर्वक अपने कठिन कार्यों को पूरा करने की कोशिश करें।	**मीन** आज करियर के मामले में लाभ होगा। किसी मामले में विवाद का हल निकल आएगा।

विशेष

अब कौन कहे इन्हें अमीर हिंदुजा

दुनिया में गिने चुने अमीरों में शुमार किए जाने वाले ब्रिटेन में भारतीय मूल के हिंदुजा बंधुओं पर अपने नौकरों को जानवरों से भी बदतर रखने और लगातार परेशान करने के आरोप में अदालत ने सजा सुनाई है। आरोप है कि हिंदुजा ने अपने नौकरों के पासपोर्ट छीनकर अपने पास रखे और उन्हें बंधकों की तरह रखा और कहीं भी जाने से रोका गया। हर रोज 16 से 18 घंटे तक काम कराया गया और बदले में उन्हें सिर्फ 655 रुपए दिए गए। इस मामले में स्विटजरलैंड की अदालत ने हिंदुजा परिवार को दोषी करार देते हुए चार लोगों यानी प्रकाश और कमल हिंदुजा को साढ़े चार साल और उनके बेटे अजय और बहू नम्रता को चार-चार साल जेल की सजा सुनाई गई है।

अब उनकी जमीन सरक गई

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण की अपने क्षेत्र में कभी तूती बोलती थी, लेकिन अब उनकी जमीन सरक चुकी है। ऐसा इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि उनकी नांदेड लोकसभा सीट जिस पर उनकी बहुत अच्छी पकड़ थी। चव्हाण ने 2014 में मोदी लहर के बावजूद 82 हजार वोटों से खुद की जीत दर्ज करा सभी को हैरान कर दिया था। इस जीत से भाजपा इस कदर प्रभावित हुई कि उसने उन्हें पार्टी में ही शामिल कर लिया था। ऐसा करते हुए पार्टी को उम्मीद जगी थी कि कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए चव्हाण नांदेड़ लोकसभा सीट भाजपा के पाले में लाकर डाल देंगे। कांग्रेस के बसंतराव चव्हाण चुनाव जीत गए। इस हार ने साबित कर दिया कि अशोक चव्हाण की जमीन अब सरक चुकी है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1532: इंग्लैंड नरेश हेनरी अष्टम और फ्रांस नरेश फ्रांसिस प्रथम ने रोम के खिलाफ आपसी समझौता किया. 1672: फ्रांस के विस्तार को रोकने के लिए रोम और ब्रैंडनबर्ग ने गठबंधन किया. 1757: सिराजुद्दोला और अंग्रेजों के बीच प्लासी का युद्ध हुआ. 1848: फ्रांस में श्रमिकों के खिलाफ सुरक्षा बलों की कार्रवाई में हजारों लोग मारे गए. 1934: सऊदी अरब और यमन ने छह सप्ताह के संघर्ष के बाद संघर्ष विराम हुआ था. 1950: कर्नल अब्दुल गमाल नासिर मिस्त्र के राष्ट्रपति चुने गए. 1953: श्यामा प्रसाद मुखर्जी का निधन. 1980: संजय गांधी की मौत विमान दुर्घटना में हुई. 1985: एयर इंडिया का जम्बो जेट 'कनिष्क 329 यात्रियों सहित अटलांटिक महासागर में गिर पड़ा.

दैनिक पंचांग

23 जून 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.59 बजे से
चंद्र	धनु में	सिंह	09.15 बजे से
मंगल	मेष में	कन्या	11.27 बजे से
बुध	मिथुन में	तुला	13.38 बजे से
गुरु	वृष में	वृश्चिक	15.53 ब.से
शुक्र	मिथुन में	धनु	18.09 बजे से
शनि	कुंभ में	मकर	20.14 बजे से
राहु	मीन में	कुंभ	22.00 बजे से
केतु	कन्या में	मीन	23.33 बजे से
राहुकाल		मेष	01.04 बजे से
4.30 से 6.00		वृष	02.44 बजे से
बजे तक		मिथुन	04.42 बजे से

रविवार 2024 वर्ष का 175 वां दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ)
पक्ष कृष्ण
तिथि द्वितीया 03.27 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाषाढ़ा 17.04 बजे को समाप्त।
योग ब्रह्म 14.26 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 16.23 बजे तदनन्तर गर 03.27 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 16.5 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23°25'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872019
जूलियन दिन 2460484.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1445
महीना जिल्हेज **तारीख** 16

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक
चर	07.23 से 08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक	चर	08.41 से 10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक	रोग	10.14 से 11.46 बजे तक
काल	11.46 से 01.14 बजे तक	काल	11.46 से 01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर हैं अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें।

बढ़ते आर्थिक अपराधों के इस दौर में बढ़ गई है फॉरेंसिक अकाउंटिंग पेशेवरों की मांग

देश में आए दिन सामने आने वाले आर्थिक साइबर अपराधों, मनी लॉन्डरिंग, बीमा, बैंकिंग और निवेश से संबंधित घोटालों आदि के खुलासे की बात, इनकी प्रभावी जांच के लिए फॉरेंसिक अकाउंटिंग की जरूरत होती है। बढ़ते आर्थिक अपराधों के इस दौर में फॉरेंसिक अकाउंटिंग के पेशेवरों का महत्व और उनकी मांग काफी बढ़ गई है। इस कारण इसे भविष्य के लिहाज से रोजगार का एक बेहतरीन विकल्प माना जा सकता है।

प्रमुख कार्य

- वित्तीय साक्ष्यों की जांच और उनका विश्लेषण करना।
- साक्ष्यों (वित्तीय) की प्रस्तुति और उनके विश्लेषण में मदद के लिए कंप्यूटर आधारित एप्लिकेशन तैयार करना।
- जांच में मिलने वाले तथ्यों को रिपोर्ट और दस्तावेजों के संग्रह के रूप में प्रस्तुत करना।
- अदालत की कार्यवाही में मदद करना यानी न्यायालय में विशेषज्ञ के रूप में गवाही देना और सबूतों को मजबूत करने के लिए दृश्यात्मक सामग्री उपलब्ध कराना।

जरूरी हैं फॉरेंसिक अकाउंटेंट

आमतौर पर सभी बड़ी अकाउंटिंग फर्मों में फॉरेंसिक अकाउंटेंट की जरूरत होती है। इन फर्मों में उनका कार्य कंपनियों के बीच होने वाले गठजोड़ों और अधिग्रहण समझौतों की जांच करना, विशेष ऑडिट करना, आर्थिक अपराधों तथा टैक्स की गड़बड़ी से संबंधित मामलों की जांच करना होता है। तलाक, व्यापार और दुर्घटनाओं से संबंधित क्लेम के मामलों की जांच में भी फॉरेंसिक अकाउंटेंट की जरूरत होती है। वह अपनी इच्छा के अनुसार नौकरी के लिए सरकारी या निजी क्षेत्र की कंपनियों का रुख कर सकते हैं।

प्रमुख रोजगारदाता क्षेत्र

- पब्लिक अकाउंटिंग फर्म
- प्राइवेट कॉर्पोरेशंस
- बैंक
- पुलिस एजेंसियां
- सरकारी एजेंसियां
- इंश्योरेंस कंपनियां
- लॉ फर्म

जरूरी गुण

- गहन विश्लेषणात्मक कौशल
- जांच-पड़ताल का हुनर
- तथ्यों को बारीकी से जानने की इच्छा
- कसी दबाव में न आते हुए काम को पूरा करने की दृढ़ता
- अपने काम के प्रति पूर्ण निष्ठा
- जिज्ञासा
- रचनात्मक सोच

योग्यता

- किसी मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी से बैचलर डिग्री प्राप्त हो
- दो से चार साल का पेशेवर अनुभव हो
- इंडिया फॉरेंसिक द्वारा आयोजित सीएफएपी परीक्षा न्यूनतम 75 फीसदी अंकों के साथ पास हो (सीपीए एक प्रोफेशनल डिग्री है, जो भारत में सीए की तरह है, इसे अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ सर्टिफाइड पब्लिक अकाउंटेंट्स जारी करता है।)

मार्केट रिसर्च के क्षेत्र में हैं करियर की संभावनाएं अपार

किस टीवी धारावाहिक को कितनी लोकप्रियता मिल रही है, बाजार में किन उत्पादों की मांग ज्यादा है, कितने प्रतिशत लोग किस चीज को पसंद करते हैं या ग्राहकों को क्या नया पसंद आएगा आदि सवालों के जवाब मार्केट रिसर्चर्स ही देते हैं। आज हर कंपनी इस तरह की रिसर्च कराती है और यही कारण है कि इस क्षेत्र में करियर की संभावनाएं अपार हैं।

नित बदलते बाजार का रुख जानना किसी भी व्यवसाय की प्रगति के लिए बेहद आवश्यक है। बाजार के ट्रेंड के इतर कोई विकास नहीं कर सकता। यही कारण है कि खाद्य पदार्थों, सीरियल और जूते की कंपनी से लेकर सरकारी योजनाओं तक में मार्केट रिसर्चर की मांग रहती है। विशेषज्ञ मानते हैं कि यह क्षेत्र निरंतर विस्तार कर रहा है और आने वाले समय में इसमें नौकरियों की भरमार होगी। करियर विशेषज्ञ कहते हैं, 'लोगों की किसी खास उत्पाद या वस्तु, नई योजनाओं आदि को लेकर प्रतिक्रिया, पसंद-नापसंद का अध्ययन मार्केट रिसर्चर का काम होता है। एक मार्केट रिसर्च प्रोफेशनल सप्लायर की ओर से भी काम कर सकता है और क्लाइंट की ओर से भी।' आप भी मार्केट रिसर्च प्रोफेशनल के तौर पर काम आरंभ कर सकते हैं। ऐसा नहीं है कि किसी खास डिग्री को लेने के बाद ही आप ये काम करें। स्नातक करते हुए भी रिसर्च के क्षेत्र में कदम रख सकते हैं। अगर जल्दी काम करना शुरू करेंगे तो पढ़ाई के साथ-साथ आप इस क्षेत्र से जुड़ी आवश्यकताओं को समझ पाएंगे और फिर संबंधित विषयों को पढ़ कर अपनी जॉब पात्रता को अधिक मजबूत बना सकेंगे।

क्यों है यह क्षेत्र खास

पहले इनकी मांग विदेशों में ही अधिक होती थी, लेकिन अब वैश्विक स्तर पर इस तरह के विशेषज्ञों की मांग है। रिसर्च कराने का यह ट्रेंड पिछले 5 सालों में तेजी से बदला है। आज हर तरह के व्यवसाय के लिए मार्केट रिसर्च एक अहम पहलू बन गया है। यह व्यावसायिक रणनीति बनाने के लिए आवश्यक माना जाने लगा है। मार्केट रिसर्च में बाजार और ग्राहकों से संबंधित सूचनाएं एकत्रित की जाती हैं। जब मार्केट रिसर्च के परिणाम सामने आते हैं तो उसके आधार पर कंपनियां पैकेजिंग आदि से संबंधित फैसले लेती हैं और कंपनी अपने उत्पादों का प्रचार आदि भी मार्केट रिसर्च के आधार पर ही करना तय करती है। कई बार तो इस बात के लिए भी रिसर्च की जाती है कि ग्राहकों को क्या पसंद है और किन चीजों को वो किन कारणों से पसंद करते हैं। चूंकि आज ग्राहकों की पसंद काफी बदल गई है और बाजार में काफी प्रतियोगिता भी है, इसलिए ग्राहकों की मांग को जानने के लिए हर कंपनी इस तरह के शोध कराती है। नियमित तौर पर बदलते बाजार ट्रेंड को इनके जरिए जाना जा सकता है। सिर्फ कॉरपोरेट जगत में ही नहीं, बल्कि सरकारी योजनाओं को लागू करने से पहले आंकड़े जुटाए जाते हैं। राजनीतिज्ञ भी चुनाव से पहले रिसर्चर्स की मदद लेते हैं और किसी योजना को लागू करने के बाद उसके परिणामों को जानने तक में रिसर्चर ही अंतिम काम करते हैं।

कैसे की जाती है मार्केट रिसर्च

कस्टमर एनालिसिस, रिस्क एनालिसिस, उत्पाद रिसर्च, विज्ञापन रिसर्च आदि की मदद से मार्केट की रिसर्च की जाती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह तेजी से विकास करते उद्यमों में से एक है और भविष्य में इस क्षेत्र में कई गुना नौकरियों की संभावना का विस्तार होगा। सबसे पहले पिछली बिक्री के डाटा लिए जाते हैं और उनका अध्ययन किया जाता है। प्रतियोगियों के बारे में जानकारी, विभिन्न उत्पादों के दाम और उनके मार्केटिंग के तरीकों, वितरण के तरीकों का अध्ययन किया जाता है। फिर ग्राहकों से बात की जाती है। इसके लिए उनसे क्वेश्चनेयर भरवाए जाते हैं, उन्हें फोन किए जाते हैं, इंटरनेट सर्वे और पर्सनल इंटरव्यू लिए जाते हैं। फिर सारी जानकारियां जुटा कर उत्पाद के दाम, बिक्री, मार्केटिंग, वितरण आदि का विश्लेषण होता है। इस पूरी प्रक्रिया में मार्केट रिसर्चर जिन विधियों को चाहे, उनका प्रयोग कर डाटा एकत्रित कर सकता है। ज्यादातर इसके लिए टेलीफोन, मेल या इंटरनेट सर्वे भी किए जाते हैं। इनके अलावा इंटरव्यू, ग्रुप डिस्कशन या पब्लिक प्लेस में बूथ आदि लगा कर भी सर्वे होते हैं।

कितनी तरह की रिसर्च – हर तरह की कंपनियां यह रिसर्च कराती हैं। इसके अलावा सरकारी एजेंसियां, राजनीतिज्ञ, सेवा प्रदाता कंपनियां भी रिसर्च कराती हैं। इसका क्षेत्र काफी बृहद है। इस तरह के रिसर्च का परिणाम सर्वे डिजाइनर्स तैयार करते हैं।

योग्यता – इस क्षेत्र में कदम रखने के लिए पहली योग्यता है किसी भी मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी से बीबीए की डिग्री। किसी भी विषय में 12वीं करने के बाद आप बीबीए कर सकते हैं। इसके आगे एमबीए की पढाई कर सकते हैं। इसमें डिप्लोमा और पीजी डिप्लोमा के विकल्प भी मौजूद हैं। और मास्टर्स स्तर पर मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन का कोर्स कराया जाता है।

कितना कमा सकते हैं – मार्केट रिसर्च में शुरुआती दौर में आप 15,000 रुपए प्रतिमाह तक कमा सकते हैं। इसके बाद पद के हिसाब से 5 से 15 लाख तक का सालाना पैकेज बढ़ता जाता है।

ये होते हैं पद – इस क्षेत्र में कदम रखने के बाद आप फील्ड वर्क से आरंभ करके वाइस प्रेसिडेंट ऑफ मार्केटिंग रिसर्च के पद तक पहुंच सकते हैं।

नौकरी के अवसर

मार्केट रिसर्च में नौकरी के लिए स्नातक होना आवश्यक है। इसके अलावा अंग्रेजी पर अच्छी कमांड होनी चाहिए। मार्केटिंग, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, सोशोलॉजी में पढ़ाई काफी मददगार साबित होती है। अच्छी कम्युनिकेशन स्किल इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक है। स्नातक के बाद आपको ट्रेनी की नौकरी मिल जाती है। इन्हें कोडर्स भी कहा जाता है। इसके बाद इंटरव्यूअर्स या रिसर्च असिस्टेंट की पोस्ट मिलती है। इसके बाद सीनियर पोस्ट आती हैं।

रचनात्मक भूमिका निभाता है फिल्म क्रिटिक

एक फिल्म क्रिटिक किसी भी फिल्म को मनोरंजन के नजरिए से नहीं देखते, बल्कि उनका प्वाइंट ऑफ व्यू क्रिटिकल होता है। वह फिल्म के सब्जेक्ट को अच्छे तरीके से एनालाइज करके खूबियों व खामियों के बारे में बताते हैं। इस तरह से अगर देखा जाए तो एक फिल्म क्रिटिक रचनात्मक भूमिका निभाता है।

फिल्मों की दुनिया की चकाचौंध यकीनन हर किसी को अपनी ओर खींचती है। आजकल हर दूसरा व्यक्ति इस फिल्मी दुनिया से जुड़ने की कोशिश करता है। आमतौर पर लोग सिर्फ फिल्म में काम करने वाले कलाकार को ही देखते हैं और सिर्फ वहीं तक फिल्मी दुनिया को सीमित समझते हैं, जबकि वास्तव में ऐसा नहीं है। जहां एक फिल्म को परदे तक लाने में कई लोगों की मेहनत लगती है तो वहीं उस फिल्म की सच्चाई दर्शकों के सामने लाने का काम करते हैं फिल्म क्रिटिक। वह हर फिल्म को बेहद बारीकी से देखकर लोगों को उस फिल्म की खूबियों व खामियों से अवगत कराते हैं। फिल्म की रिलीज के बाद ही न सिर्फ आम जनता यहां तक कि फिल्म की मेकिंग स्टार कास्ट व अन्य लोग भी फिल्म क्रिटिक के रिव्यू का इंतजार करते हैं। ऐसे में इस क्षेत्र में कॅरियर बनाना एक अच्छा विकल्प हो सकता है।

क्या होता है काम

एक फिल्म क्रिटिक किसी भी फिल्म को मनोरंजन के नजरिए से नहीं देखते, बल्कि उनका प्वाइंट ऑफ व्यू क्रिटिकल होता है। वह फिल्म के सब्जेक्ट को अच्छे तरीके से एनालाइज करके खूबियों व खामियों के बारे में बताते हैं। इस तरह से अगर देखा जाए तो एक फिल्म क्रिटिक रचनात्मक भूमिका निभाता है। वह फिल्म को निष्पक्ष होकर देखता है और फिल्म की हर छोटी-बड़ी बात के बारे में खुलासा करता है। फिल्म क्रिटिक के रिव्यू के कारण ही फिल्म मेकर अपनी आने वाली फिल्मों में उन गलतियों को नहीं दोहराते, जिन्हें वह पहले फिल्म में कर चुके हैं। फिल्म क्रिटिक अपने रिव्यू के जरिए हर आने वाली फिल्म को और भी अधिक बेहतर बनाता है।

स्किल्स

इस क्षेत्र में खुद को साबित करने के लिए व्यक्ति का उतना गुणी होना भी जरूरी है क्योंकि आपकी बात को कोई भी व्यक्ति तभी सीरियसली लेगा, जब आपकी बात में वजन हो और इसके लिए ज्ञान का होना बेहद आवश्यक है। इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों को न सिर्फ पढ़ने की आदत होनी चाहिए, बल्कि उन्हें इस फील्ड व इसके लोगों के बारे में जानकारी भी होनी चाहिए। अगर आपके पास फिल्मों की अच्छी नॉलेज होने के साथ-साथ अपने काम के प्रति पैशन भी है, तभी आप इस क्षेत्र में आगे कदम बढ़ाने के बारे में सोचें।

संभावनाएं

जिस तरह फिल्मों का प्रॉडक्शन बढ़ रहा है, फिल्म क्रिटिक्स की मांग भी बढ़ने लगी है। आप प्रिंट या इलेक्टानिक मास मीडिया हाउसेज में जॉब कर सकते हैं। इसके अलावा इन्हें कई फिल्म फेयर अवार्ड गिविंग आर्गेनाइजेशन द्वारा भी ज्यूरी के तौर पर हायर किया जाता है ताकि बेहतरीन फिल्मों को उनके काम के लिए सम्मानित किया जा सके। वहीं अगर आप चाहें तो कई सोशल मीडिया वेबसाइट पर भी काम की तलाश कर सकते हैं या फिर खुद का ब्लॉग व वेबसाइट भी चला सकते हैं।

सैलरी

एक फिल्म क्रिटिक को अगर फिल्मों की अच्छी समझ है तो शुरूआती दौर में ही आप 25000 से 30000 रूपए आसानी से कमा सकते हैं। वहीं कुछ सालों के एक्सपीरियंस के बाद आपकी सैलरी 100000 से 150000 रूपए भी हो सकती है।

बेहद इंटरेस्टिंग करियर है क्रोमोथेरेपी

आज के समय में लोग इलाज के लिए दवाईयों का सहारा नहीं लेते, बल्कि वैकल्पिक चिकित्सा पर अधिक जोर देते है। जिसके कारण कई तरह की चिकित्सा पद्धति अब प्रचलित होने लगी हैं। इन्हीं में से एक है क्रोमो थेरेपी। इसमें इलाज के लिए सौर स्पेक्ट्रम के सात रंगों (बैंगनी, इंडिगो, नीले, हरे, पीले, नारंगी, लाल) का उपयोग किया जाता है। यह एक बेहद इंटरेस्टिंग करियर है, जिसे आजकल काफी पसंद किया जा रहा है। अगर आप भी कुछ लीक से हटकर करना चाहते हैं तो इसे बतौर करियर अपना सकते है।

क्या है क्रोमो थेरेपी?

क्रोमो थेरेपी में मुख्य रूप से रंगों का ही इस्तेमाल किया जाता है। 'क्रोमो' शब्द ग्रीक भाषा से लिया गया है, जिसका अर्थ है 'रंग'। क्रोमो थैरेपी का शाब्दिक अर्थ है रंगों के माध्यम से उपचारात्मक उपचार। इसे कलर थेरेपी, लाइट थेरेपी, हेलियो थेरेपी या कोलोरोलॉजी के नामों से भी जाना जाता है। कलर थेरेपी यूं तो हजारों वर्षों से चलन में है, लेकिन पिछले कुछ समय से लोगों का झुकाव इस ओर बढ़ा है। इस थेरेपी की मदद से अवसाद, एक्जिमा, उच्च रक्तचाप, मासिक धर्म की समस्याएं आदि का इलाज सफलतापूर्वक किया जाता है। कलर थेरेपी के अनुसार, मनुष्यों में कई विकार और रोग शरीर के ऊर्जा केंद्रों या चक्रों में असंतुलन के कारण होते हैं। प्रत्येक रंग शरीर के अलग-अलग हिस्सों से जुड़ा होता है यानी, विभिन्न ऊर्जा केंद्र, जिन्हें चक्रों के रूप में जाना जाता है और उनके स्वयं के प्राकृतिक उपचार गुण होते हैं। शरीर की प्रत्येक कोशिका को प्रकाश ऊर्जा की आवश्यकता होती है और जब रंग सही तरीके से प्रकाश के माध्यम से शरीर में प्रवेश करते हैं, तो इससे वे शरीर के उपचार गुणों को सक्रिय करते हैं। जिससे हीलिंग प्रोसेस काफी तेज होता है।

स्किल्स – अगर आप क्रोमोथेरेपी में करियर बनाना चाहते हैं तो आपमें कुछ स्किल्स होने चाहिए। सबसे पहले तो आपमें इस क्षेत्र में काम करने की रूचि होनी चाहिए। साथ ही लोगों की मदद करने का जज्बा होना चाहिए। एक बेहतर क्रोमोथेरेपिस्ट बनने के लिए आपको व्यक्ति पर प्रत्येक रंग के प्रभाव के बारे में जानकारी होनी चाहिए। चूंकि आपको लोगों से जुड़कर काम करना होता है, इसलिए आपके कम्युनिकेशन स्किल्स भी उतने ही बेहतर होने चाहिए। साथ ही आपको उतना ही अच्छा श्रोता भी होना चाहिए ताकि आप अपने पेशेंट की समस्याओं को बेहतर तरीके से सुन व समझ सकें।

योग्यता – क्रोमोथेरेपिस्ट बनने के लिए आपके पास क्रोमोथेरेपी में डिप्लोमा या बैचलर डिग्री होनी चाहिए। इसके साथ-साथ बायोलॉजी, केमिस्टी और फिजिक्स में ज्ञान होना जरूरी है। भारत में केवल कुछ ही इंस्टीट्यूट क्रोमोथेरेपी का कोर्स कराते हैं। इन अधिकतर इंस्टीट्यूटट में पांच वर्षीय बैचलर ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगिक साइंसेज (बीएनवाईएस) पाठ्यक्रम के जरिए क्रोमोथेरेपी के बारे में सिखाया जाता है। इस क्षेत्र में कदम रखने के लिए आपका 12वीं पास होना चाहिए। वहीं कलर थेरेपी में डिप्लोमा व बैचलर कोर्स की अवधि छह महीने से एक साल है। वहीं बैचलर सर्टिफिकेशन कोर्स दो साल का होता है।

संभावनाएं – एक क्वालिफाइड क्रोमोथेरेपिस्ट हॉस्पिटल्स से लेकर नेचुरोपैथी क्लिनकि, हेल्थ सेंटर्स में काम कर सकता है। इसके अलावा आप खुद का थेरेपी क्लिनिक भी खोल सकते हैं। वहीं आप रिसर्च वर्क से जुड़कर काम कर सकते हैं या फिर एजुकेशन में भी काम कर सकते हैं।

आमदनी – क्रोमोथेरेपिस्ट की आमदनी उनके स्किल्स और उनके अनुभव के आधार पर तय होती है। अधिकांश क्रोमोथेरेपिस्ट सेल्फ इंप्लाइड होते हैं और इसलिए आप प्रतिघंटे के आधार पर चार्ज कर सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

राफा में शरणार्थी कैंप पर इस्राइल का हमला; 25 लोगों की मौत, 50 घायल

तेल अवीव, एजेंसी। गाजा के दक्षिणी शहर राफा के उत्तर में शुक्रवार को इस्राइली बलों ने शुक्रवार को विस्थापित फलस्तीनियों के लिए तम्बू शिविरों पर गोलाबारी की, जिसमें करीब 25 लोग मारे गए और 50 अन्य घायल हो गए। वहीं, अल-अहली अस्पताल के आर्थोपेडिक प्रमुख फादेल नईम ने कहा कि यहां 30 लोगों के शव लाए गए थे, उन्होंने इस दिन को गाजा शहर के लिए क्रूर दिन बताया। इस्राइल और हमास के बीच लड़ाई में एक महीने से भी कम समय में यह बमबारी हुई, जिससे विस्थापित फलीस्तीनियों के शिविरों में आग लग गई। राफा में नागरिक सुरक्षा के प्रवक्ता अहमद राडवान के अनुसार, प्रत्यक्षदर्शियों ने तटीय क्षेत्र में दो जगहों पर बमबारी के बारे में बचावकर्मियों को जानकारी दी। जिसके बाद गाजा में स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस्राइली हमलों में मारे गए लोगों और घायलों की संख्या के बारे में जानकारी दी। वहीं, इस्राइली सेना का कहना है कि इस बात का कोई संकेत नहीं है कि सुरक्षित क्षेत्र के अंदर आईडीएफ द्वारा हमला किया गया था। जानकारी के अनुसार, इस्राइल ने मुवासी के आसपास बमबारी की है। यहां विस्थापित फलीस्तीनियों ने हाल ही में तम्बू शिविर बनाए थे। मृतकों के रिश्तेदारों ने बताया कि इस्राइली बलों ने दूसरी बार गोलाबारी की है। मोना एशौर के अनुसार, हमला एक गोला-बारूद से शुरू हुआ, जिसमें केवल एक जोरदार धमाका और चमकीली चमक थी। इस हमले में मोना ने अपने पति को खो दिया। वहीं, इस्राइल का कहना है कि वह हमास के लड़ाकों और बुनियादी ढांचे को निशाना बना रहा है। नागरिकों की मौत के लिए इस्राइल ने आतंकवादियों को जिम्मेदार ठहराया है। इस्राइल का कहना है कि आतंकवादी आबादी के बीच काम कर रहे हैं, इसलिए हमले में नागरिकों की भी मौत हो रही है। इस्राइली सेना का कहना है कि मध्य गाजा में लड़ाई के दौरान दो सैनिकों की भी मौत हुई है। दोनों की उम्र करीब 20 वर्ष के आसपास थी। वहीं, तीन इस्राइली सैनिक गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

अमेरिका में सार्वजनिक जगह पर फिर हुई गोलीबारी, दुकान में तीन लोगों की मौत, 10 घायल

लॉस एंजिल्स, एजेंसी। अमेरिका में अर्कांसस के फोर्डिस में सामूहिक गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई जबकि आठ अन्य लोग घायल हो गए। अमेरिकी की स्थानीय मीडिया ने जानकारी देते हुए बताया कि घायलों में एक कानून प्रवर्तन अधिकारी भी शामिल है, जिसे गंभीर चोटें आई है। यह गोलीबारी ग्रोसरी स्टोर के सामने की है। पुलिस के मुताबिक गोलीबारी करने वाला भी गंभीर रूप से घायल हो गया है और उसे हिरासत में ले लिया गया है। अर्कांसस की गवर्नर सारा हकाबी सैंडर्स ने कहा कि उन्हें फोर्डिस में हुई गोलीबारी के संबंध में जानकारी दी गई है और वह घटना स्थल पर पुलिस के साथ लगातार संपर्क में हैं। सैंडर्स ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर ट्वीट करते हुए लिखा, 'मुझे फोर्डिस में हुई दुखद गोलीबारी के बारे में जानकारी दी गई है और मैं घटनास्थल पर राज्य पुलिस के साथ लगातार संपर्क में हूं। मैं जीवन बचाने के लिए त्वरित और वीरतापूर्ण कार्रवाई के लिए कानून प्रवर्तन और अन्य लोगों की आभारी हूं। मेरी प्रार्थनाएं पीड़ितों और इस भयावह घटना से प्रभावित सभी लोगों के साथ हैं।' सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले हफ्ते अमेरिका के मिशिगन में हुए हमले में दो बच्चों सहित आठ लोग गोली लगने से घायल हो गए थे। वहीं हमले में शामिल एक संदिग्ध बाद में एक घर के पास मृत पाया गया।

कोलोराडो के स्टेट पार्क में गोलीबारी में दो लोगों की मौत

लॉस एंजिल्स , एजेंसी। झअमेरिका के कोलोराडो राज्य के एक पार्क में गोलीबारी में दो लोगों की जान चली गई। कोलोराडो के अधिकारियों ने ये जानकारी दी है। कोलोराडो पार्क एंड वाइल्डलाइफ ने बताया कि यह घटना पुएब्लो काउंटी में लेक पुएब्लो स्टेट पार्क के सेलबोर्ड बीच क्षेत्र में आधी रात के बाद हुई। कुछ लोग मछली पकड़ रहे थे, उसी दौरान गोलीबारी हुई। कोलोराडो पार्क्स एंड वाइल्डलाइफ़ को स्थानीय समयानुसार शुक्रवार सुबह फोन पर मदद के लिए कॉल आई, जिसके बाद पुलिस वहां पहुंची। सिन्हुआ न्यूज़ एजेंसी के अनुसार पुलिस अधिकारियों को दो लोग मृत मिले। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि गोली चलाने वाला शख्स घटनास्थल से भाग गया। पुएब्लो काउंटी की पुलिस ने शवों को अपने कब्जे में ले लिया और मौत का कारण जानने के लिए शवों को

इंडस-एक्स पहल की पहली वर्षगांठ पर बोला पेंटागन- भारत-अमेरिका के बीच बढ़ रही सैन्य साझेदारी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने साझेदारी की पहली वर्षगांठ पर कहा कि भारत-अमेरिका रक्षा त्वरण पारिस्थितिकी तंत्र (इंडस-एक्स) रक्षा नवाचार में द्विपक्षीय रिश्तों का विस्तार करने में सबसे आगे रहा है। इंडस-एक्स ने महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकी पहल के तहत रक्षा नवाचार के निर्माण के लिए दोनों रणनीतिक साझेदारों की प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाया है।

पिछले साल पीएम मोदी आए थे अमेरिका की यात्रा पर : इंडस-एक्स भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक और रक्षा साझेदारी को बढ़ाने के लिए प्रस्तावित एक रक्षा पहल है। यह पहल इनिशिएटिव ऑन क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज के तहत आती है।भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक और रक्षा साझेदारी बढ़ाने के लिए इंडस-एक्स को पिछले साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वाशिंगटन की राजकीय यात्रा के दौरान अमेरिकी रक्षा विभाग और भारतीय रक्षा मंत्रालय द्वारा लॉन्च किया गया था।

रणनीतिक संबंध तेजी से बढ़े : पिछले कुछ वर्षों से भारत-अमेरिका के बीच रक्षा और रणनीतिक संबंध तेजी से बढ़े हैं और दोनों देशों में कई प्रमुख सुरक्षा व रक्षा समझौते किए हैं। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि जून 2023 में अमेरिका की राजकीय यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच रक्षा नवाचार को बढ़ावा देने के लिए भारत-अमेरिकी डिफेंस एक्सीलरेशन ईकोसिस्टम (इंडस-एक्स) को शुरू किया गया था।

रक्षा विभाग के अधिकारी ने शुक्रवार को कहा, अपने पहले वर्ष में, इंडस-एक्स ने महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकी (आईसीईटी) पहल के तहत रक्षा नवाचार के निर्माण के लिए दोनों देशों की प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाया है। उन्होंने आगे कहा, इंडस-एक्स ने रक्षा प्रौद्योगिकी कंपनियों, निवेशकों और शोधकर्ताओं के बीच साझेदारी को सुविधाजनक बनाकर अमेरिका और भारत के बीच निजी क्षेत्र के सहयोग को मजबूत किया है।

सितंबर में होगा तीसरा सम्मेलन : व्हाइट हाउस की हालिया घोषणा का हवाला देते हुए एक अधिकारी ने कहा कि तीसरा इंडस-एक्स शिखर सम्मेलन सितंबर 2024 में सिलिकॉन वैली में होगा, जिसमें रक्षा नवाचार के लिए निजी पूंजी का इस्तेमाल करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। शिखर सम्मेलन की सह-मेजबानी यूएस-इंडिया स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोरम और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा की जाएगी।

कुछ वर्षों में कई सुरक्षा समझौते : दोनों देशों ने पिछले कुछ वर्षों में कई रक्षा और सुरक्षा समझौते किए हैं, जिसमें 2016 में लॉजिस्टिक्स एक्सचेंज मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट (एलईएमओए) भी शामिल है, जो उनकी सेनाओं को मरम्मत और आपूर्ति की पुनःपूर्ति के लिए एक-दूसरे के अड्डों का उपयोग करने की अनुमति देता है। दोनों पक्षों ने 2018 में कॉमकासा (संचार संगतता और सुरक्षा समझौता) पर भी हस्ताक्षर किए, जो दोनों सेनाओं के बीच अंतर-क्षमता प्रदान करता है और अमेरिका से भारत को उच्च-स्तरीय प्रौद्योगिकी की बिक्री का भी प्रावधान करता है। अक्तूबर 2020 में भारत और अमेरिका ने द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को और बढ़ावा देने के लिये क्च्मष्ट (बेसिक एक्सचेंज एंड कोऑपरेशन एग्रीमेंट) समझौते पर मुहर लगाई। यह समझौता दोनों देशों के बीच उच्च स्तरीय सैन्य तकनीक, रसद और भू-स्थानिक मानचित्रों को साझा करने का प्रावधान करता है। इंडस-एक्स भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक और रक्षा साझेदारी को बढ़ाने के लिए प्रस्तावित एक रक्षा पहल है। यह पहल इनिशिएटिव ऑन क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज) के तहत आती है। जानकारी के मुताबिक, इंडस-एक्स के शुभारंभ के संबंध में प्रारंभिक चर्चा जून 2021 में हुई थी। यूएस इंडिया बिजनेस काउंसिल (यूएसआईबीसी), अमेरिकी रक्षा विभाग और भारत के रक्षा मंत्रालय के साथ साझेदारी में यूएस चैंबर ऑफ कॉमर्स में 20-21 जून को पहले इंडस-एक्स सम्मेलन की मेजबानी करेगा। यह जानकारी यूएसआईबीसी के अध्यक्ष अतुल केशप ने मंलवार को दी। बता दें कि यह यूएस-इंडिया बिजनेस काउंसिल की ही एक पहल थी, जिसका फोकस अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी सहयोग को आगे बढ़ाने पर है। इंडस-एक्स का उद्देश्य अमेरिका और भारतीय रक्षा नवाचार क्षेत्रों के बीच साझेदारी को गहरा करना है। इंडस-एक्स हाई-टेक सहयोग को आगे बढ़ाने और रक्षा क्षेत्र में संयुक्त अनुसंधान, विकास और उत्पादन के अवसरों को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करेगा। पहल का उद्देश्य सह-उत्पादन जेट इंजन, लंबी दूरी की तोपखाने और पैदल सेना के वाहनों के लिए संभावनाओं का पता लगाना है। अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने एक बयान में कहा था, हम न केवल प्रौद्योगिकी साझा कर रहे हैं, बल्कि हम एक दूसरे के साथ पहले से कहीं अधिक सहयोग भी कर रहे हैं।

अंतरिक्ष में फंसी सुनीत विलियम्स, फिलहाल वापस आएगा बोइंग स्टारलाइ

वॉशिंगटन, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय स्पेस (आईएसएस) पर मौजूद नासा की भारतीय मूल क यात्री सुनीता विलियम्स और क्रू के आठ अन्य लिए एक बार फिर एक बड़ी मुश्किल खड़ी हो गई शुक्रवार को जानकारी दी कि अंतरिक्ष यात्रियों के पह ले जाने वाले बोइंग स्टारलाइनर की वापसी को फि दिया गया है। यहां तक कि नासा ने वापसी की कोई भी नहीं बताई है। अंतरिक्ष यात्रियों की वापसी को कई सवाल खड़े हो रहे हैं। लोग जानना चाह रहे हैं कि दो अंतरिक्ष यात्री कब लौटेंगे। टेस्टिंग और तकनी कारण पहले से ही देरी हुई है। बता दें, अंतरिक्ष यान पहले 26 जून को निर्धारित की गई थी।

कब आएंगे अंतरिक्ष यात्री वापस : अमेरि यात्रियों बुच विल्मोर और सुनीता विलियम्स ने पां उड़ान भरी थी। 2019 के बाद से इसे दो बार बिन अंतरिक्ष में भेजा गया है। इसके थ्रस्टर्स को पांच वि और पांच हीलियम रिसाव का सामना करना पड़ा है। बोइंग को खराबी का सामना करना पड़ा और परीक्षण करने पड़े, जिससे यह सवाल उठता है कि स्टारलाइनर अपने चालक दल को कब तक वापस इसके आलावा इस अंतरिक्ष यान की कई समस्याएं हैं। गौरतलब है, कंपनी ने इस प्रोजेक्ट के लिए डॉलर के नासा डेवलपमेंट कॉन्ट्रैक्ट के अलावा ला पर 1.5 अरब डॉलर खर्च किए हैं। नासा चाह स्टारलाइनर दूसरा अमेरिकी अंतरिक्ष यान बने जो के क्रू ड्रैगन के साथ अंतरिक्ष यात्रियों को इंटरनेश स्टेशन तक ले जा सके। बोइंग का स्टारलाइनर का से सॉफ्टवेयर गड़बड़ियों, डिजाइन समस्य उपठेकेदारों के विवाद से जूझ रहा है। स्टारलाइनर डॉक करने के लिए स्पेस स्टेशन के करीब पहुंचा फेलियर देखा गया। इस कारण अंतरिक्ष यान स्पेस पास तब तक नहीं गया, जब तक इसे सही नहीं कर इससे पहले आईएसएस के अंदर एक सुपरबग जानकारी सामने आई थी। वैज्ञानिकों ने एंटरोबैक्टर नामक एक बहु दवा प्रतिरोधी बैक्टेरिया का पता ल

मध्य अमेरिका में अल्बर्टो तूफान का कहर जारी, मूसलाधार बारिश से 30 लोगों की मौत

मैक्सिको, एजेंसी। मध्य अमेरिका में अल्बर्टो तूफान ने तबाही मचाई हुई है। लगातार भारी बारिश से नदियां ऊफान पर हैं और भूस्खलन हो रहा है। नदियों में बाढ़ आने से लोगों के घर नष्ट हो गए हैं। वहीं, भारी बारिश और बाढ़ के चलते 30 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रीय तूफान केंद्र ने भविष्यवाणी की है कि दक्षिणी मेक्सिको और उत्तरी मध्य अमेरिका में शुक्रवार तक भारी बारिश जारी रहेगी, जिससे सप्ताहांत में कोस्टा रिका और पनामा तक दक्षिण में तूफान और बारिश होगी। अल साल्वाडोर की नागरिक सुरक्षा एजेंसी के प्रमुख लुइस अमाया ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता की। उन्होंने संवाददातओं से कहा, भौतिक वस्तुएं आती और जाती रहती हैं। अब हमें लोगों के जीवन की रक्षा पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने बताया कि साल्वाडोर में भारी बारिश और बाढ़ से मरने वालों की संख्या अब 19 हो गई है, जिनमें छह बच्चे भी शामिल हैं। वहीं, 3,000 से अधिक लोग अस्थायी आश्रयों में हैं। दूसरी तरफ ग्वाटेमाला में 10 लोगों की मौत की सूचना है। अधिकारियों का कहना है कि लगभग 11,000 लोगों बाढ़ से निकाला गया है। 380 लोग अभी भी अस्थायी आश्रयों में हैं। चार पुल नष्ट हो गए हैं। वहीं, पड़ोसी होंडुरास में 1 मौत की सूचना मिली है।

ताजिकिस्तान में हिजाब और बुर्का पहनने पर लगा बैन, संसद ने पारित किया विवादित क

दुशानबे, एजेंसी। मध्य एशिया का मुस्लिम बहुल देश ताजिकिस्तान की संसद ने हिजाब और बुर्का जैसे इस्लामिक पहनावे पर प्रतिबंध लगाने का विवादित कानून पारित कर दिया है। अब वहां की सरकार इस कानून को लागू करने जा रही है। इससे वहां खलबली मचने की आशंका है। सोवियत संघ से अलग हुआ ताजिकिस्तान मुस्लिम बहुल आबादी वाला देश है और इसकी सीमा तालिबान शासित अफगानिस्तान से मिलती है। ऐसे में इस बात की आशंका ज्यादा है कि वहां हिजाब और बुर्का पहनने पर पाबंदी लगाए जाने से विवाद बढ़ सकता है क्योंकि पड़ोसी अफगानिस्तान में बुर्का पहनना अनिवार्य है।

ताजिकिस्तानी संसद के ऊपरी सदन मजलिसी मिल्ली ने 19 जून को ये विधेयक पारित किया है, जिसमें ईद-उल-फितर और ईद-उल-अज़्हा के दौरान बच्चों के विदेशी परिधान पर प्रतिबंध लगाने का प्रावधान है। संसद के निचले सदन, मजलिसी नमोयंदगोन ने 8 मई को ही इस विधेयक को पारित कर दिया था और बुर्का और हिजाब जेसे विदेशी परिधानों को पहनने पर रोक लगाने की सिफारिश कर दी थी। इस विधेयक पर बहस के दौरान ताजिकिस्तान संसद ने कहा कि बुर्का, जो महिलाओं के चेहरे को ढकता है, ताजिक परंपरा या संस्कृति का हिस्सा नहीं है, इसलिए ऐसे विदेशी परिधान को उनके देश में प्रतिबंधित किया जाता है। राष्ट्रपति रुस्तम इमोमाली की अध्यक्षता में संसद के 18वें सत्र में सांस्कृतिक प्रथाओं, बच्चों के पालन-पोषण में शिक्षक की भूमिका और माता-पिता के कर्तव्यों से संबंधित कानूनों में भी बदलाव किया गया है।

नए नियमों का उल्लंघन करने पर लोगों पर भारी भरकम जुर्माना लगाने का भी प्रावधान किया गया है। विधेयक के प्रावधान के मुताबिक

व्यक्तियों पर 7,920 सोमोनी तक का जुर्माना लगाया जा सकता है, जबकि कंपनियों पर 39,500 सोमोनी तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। अधिकारियों और धार्मिक नेताओं पर इससे भी ज़्यादा जुर्माना लगाने की बात कही गई है, जो संभावित रूप से क्रमशः 54,000 और 57,600 सोमोनी हो सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ताजिकिस्तान में शादी अ भोज पर भी प्रतिबंध अलावा दाढ़ी रखने पर है। यानी पुरुषों को दाढ़ जरूरी है। अगर कोई दाढ़ देखा गया तो उस पर स लिया जाता है। यहां किताबों की बिक्री पर लगा हुआ है। देश में छिड़ पूरे मामले पर देश में बड़ी गई?है। विशेषज्ञ अलग- दे रहे हैं। सांसदों ने नया क पर 7,920 सोमोनी मुद्रा) यानी 62,172 रुपये से लेकर कानूनी लिए 39,500 सोमोनी लाख रु.) तक का जुम है। इसके अलावा, अधिकारियों और अधिकारियों पर दोष सि 54,000 सोमोनी (4. रु.) से लेकर 57,60 (4.52 लाख रु.) तक लगाने का नियम बनाया

हिंदुजा परिवार ने सजा के खिलाफ दायर की अपील, बोले- अदालत के फैसले से हैरान हैं

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के सबसे धनी हिंदुजा परिवार ने शुक्रवार को कहा कि वे परिवार के कुछ सदस्यों के खिलाफ जिनेवा की अदालत के फैसले से हैरान हैं। हिंदुजा परिवार ने घरेलू कामगारों का शोषण करने का दोषी ठहराए जाने वाले अदालत के फैसले को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय में अपील दायर की है। परिवार के वकीलों ने बताया है कि हिंदुजा परिवार के किसी सदस्य को हिरासत में नहीं लिया गया है।

परिवार के किसी सदस्य को हिरासत में नहीं लिया गया हिंदुजा परिवार की ओर से जारी बयान में उनके वकीलों ने जोर देकर कहा कि उनके मुवक्किल प्रकाश और कमल हिंदुजा, और उनके बेटे अजय और उनकी पत्नी नम्रता को सभी मानव तस्करी के आरोपों से बरी कर दिया गया है। उन्होंने मीडिया की उन खबरों को भी खारिज कर दिया कि जिनेवा की अदालत के फैसले के बाद परिवार के किसी भी सदस्य को हिरासत में लिया जा सकता है। अदालत ने परिवार को चारों सदस्यों को चार से साढ़े चार साल जेल की सजा सुनाई है। वादी ने शिकायत वापस ली वकील येल हयात और

रॉबर्ट असैल और रोमन जॉर्डन द्वारा हस्ताक्षरित बयान में कहा गया है कि हमारे मुवक्किलों को सभी मानव तस्करी के आरोपों से बरी कर दिया गया है। हम न्यायालय में लिए गए फैसले से स्तब्ध और निराश हैं, और हमने निश्चित रूप से उच्च न्यायालय में अपील दायर की है, जिससे निर्णय का यह भाग प्रभावी नहीं रह गया है। स्विस कानून के तहत, सर्वोच्च न्यायाधिकरण द्वारा अंतिम निर्णय लागू होने तक आरोपी को निर्दोष माना जाता है। कुछ मीडिया रिपोर्टों के विपरीत, परिवार के किसी भी सदस्य को हिरासत में नहीं रखा गया है। वकीलों ने यह भी बताया कि इस मामले में वादी ने अपनी संबंधित शिकायतें वापस भी ले ली थीं और कहा कि उनका ऐसी कार्यवाही में शामिल होने का कभी इरादा नहीं था। परिवार को न्यायिक प्रक्रिया पर पूरा भरोसा है और उन्हें विश्वास है कि सच्चाई सामने आएगी।

हिंदुजा परिवार के सदस्यों पर हैं ये आरोप गौरतलब है कि हिंदुजा परिवार के सदस्यों पर आरोप है कि उन्होंने अपने जिनेवा स्थित विला पर काम करने वाले घरेलू कर्मचारियों के पासपोर्ट जब्त किए, उन्हें विला से बाहर जाने से रोका और स्विट्जरलैंड में बहुत कम पैसे में बहुत लंबे समय तक काम करने के लिए मजबूर किया। कुछ कर्मचारी कथित तौर पर केवल हिंदी बोलते थे और उन्हें अपने देश में बैंकों में रुपये में वेतन दिया जाता था। हिंदुजा परिवार पर घरेलू कामगारों का शोषण करने का आरोप है। परिवार की कानूनी टीम ने आरोपों का खंडन किया और अदालत को बताया कि कर्मचारियों के साथ सम्मानजनक व्यवहार किया गया और उन्हें आवास प्रदान किया गया।

पूर्व प्रधानमंत्री ने बनाई नई पार्टी, पीएमएल-एन अलग हुए अब्बासी बने आवाम पाकिस्तान के प्र

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में अगस्त 2017 से मई 2018 तक प्रधानमंत्री रहे पीएमएल-एन के पूर्व नेता शाहिद खाकान अब्बासी ने देश में नई राजनीतिक पार्टी बना ली है। जानकारी के मुताबिक देश की सत्ताधारी दल से मतभेद के बाद नेता शाहिद खाकान अब्बासी ने आवाम पाकिस्तान नाम से अपनी अलग पार्टी बनाई है। पूर्व पाकिस्तानी प्रधानमंत्री के साथ देश के पूर्व वित्त मंत्री मिफ्ताह इस्माइल भी उनकी पार्टी में शामिल हुए हैं। मिफ्ताह इस्माइल भी देश की सत्ताधारी दल पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज से अलग हो चुके हैं. 6 या 7 जुलाई को होगी औपचारिक शुरुआत समाचार पत्रों के अनुसार नई राजनीतिक पार्टी जुलाई महीने की 6 या 7 तारीख को औपचारिक तौर पर शुभारंभ होगा। जबकि राजनीतिक दल का नारा है, हम बदलेंगे व्यवस्था। नई पार्टी आवाम पाकिस्तान के आधिकारिक सोशल मीडिया साइट एक्स (पहले ट्विटर) हैंडल पर शेयर किए गए एक वीडियो में निराश नागरिक, महंगाई, ऊर्जा की कमी, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और शैक्षिक असमानताओं जैसे राष्ट्रीय मुद्दों पर बात की गई है। पार्टी के आयोजक समिति के प्रमुख बने अब्बासी वहीं पूर्व प्रधानमंत्री को पार्टी की आयोजक समिति का प्रमुख नियुक्त किया गया है, जबकि मिफ्ताह इस्माइल को उनका डिप्टी नामित किया गया है। इस आयोजक समिति में खैबर-

पख्तूनख्वा के पूर्व गवर्नर और पीएमएल सरदार मेहताब अब्बासी, पूर्व पीएमएल- जावेद अब्बासी और मुत्ताहिदा कौमी मूव विधायक शेख सलाहुद्दीन भी शामिल है संस्थापक सदस्यों में फैसलाबाद से पूर्व एन विधायक राणा जाहिद तौसीफ, पूर्व स्वास्थ्य मंत्री जफर मिर्जा, पूर्व पीएमएल- विधायक जैयम कादरी, हजारा क्षेत्र की फातिमा आतिफ, सिंधी राष्ट्रवादी नेता अ कानूनी विशेषज्ञ मोइज जाफरी और शिक्षा बनुरी शामिल हैं। पाकिस्तान में पीएमएल नवाज शरीफ को सुप्रीम कोर्ट से अयोग्य जाने तक शाहिद खाकान अब्बासी प्रधान थे। शाहिद खाकान अब्बासी के जीवन क तो वो रावलपिंडी के मुर्री इलाके से ताल्लुक

प्रधानमंत्री सुनक पार्टी कार्यकर्ताओं से क्यों हुए नाराज ?

लंदन, एजेंसी। जुलाई महीने के पहले हफ्ते में ब्रिटेन में आम चुनाव होंगे। वहीं इससे पहले ब्रिटेन के मौजूदा प्रधानमंत्री ऋषि सुनक अपने ही पार्टी कार्यकर्ताओं से काफी नाराज हैं। क्योंकि देश के आम चुनाव की तारीख पर कथित तौर पर सट्टा लगाने के मामले में उनकी पार्टी के नेताओं की जांच की जा रही है। जिसे लेकर शक्रवार को प्रधानमंत्री ऋषि सनक ने कसम को लेकर सवाल पूछा गया। इस दौरान उन्होंने साफ कहा कि अगर कोई भी चुनाव उम्मीदवार या पार्टी अधिकारी नियमों का उल्लंघन करते हुए पाया गया तो उसे पार्टी से बाहर निकाल दिया जाएगा। पिछले सप्ताह ये आरोप पहली बार सामने आया था, जब सुनक के करीबी सुरक्षा अधिकारी को चुनाव में सट्टा लगाने के जुड़े आरोप के संदेह में मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने

तोड़ता हुआ पाया जाता है, तो उसे न केवल कानून का सामना करना चाहिए, बल्कि मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि उन्हें कंजर्वेटिव पार्टी से बाहर निकाल दिया जाए।

यू.के. में सट्टा लगाना वैध है एक टीवी शो में चुनाव विशेष के दौरान प्रधानमंत्री सुनक ने जवाब देते हुए कहा यू.के. में सट्टा लगाना वैध है, लेकिन अंदरूनी जानकारी का लाभ उठाकर लगाए जा रहा सट्टा बता दें कि ब्रिस्टल टोरी उम्मीदवार लॉरा सॉन्डर्स और टोनी ली, जो कंजर्वेटिव पार्टी के निदेशक हैं, की जुआ निगरानी संस्थ से जांच की जा रही है। पिछले सप्ताह, संभावित सांसद और सुनक के स क्रेग विलियम्स के खिलाफ भी तार होने से पहले 100 पाउंड (127 ड

संक्षिप्त समाचार

राफा में शरणार्थी कैंप पर इस्राइल का हमला; 25 लोगों की मौत, 50 घायल

तेल अवीव, एजेंसी। गाजा के दक्षिणी शहर राफा के उत्तर में शुक्रवार को इस्राइली बलों ने शुक्रवार को विस्थापित फलस्तीनियों के लिए तम्बू शिविरों पर गोलाबारी की, जिसमें करीब 25 लोग मारे गए और 50 अन्य घायल हो गए। वहीं, अल-अक्सी अस्पताल के आर्थोपेडिक प्रमुख फादेल नईम ने कहा कि यहां 30 लोगों के शव लाए गए थे, उन्होंने इस दिन को गाजा शहर के लिए क्रूर दिन बताया। इस्राइल और हमास के बीच लड़ाई में एक महीने से भी कम समय में यह बमबारी हुई, जिससे विस्थापित फलीस्तीनियों के शिविरों में आग लग गई। राफा में नागरिक सुरक्षा के प्रवक्ता अहमद राडवान के अनुसार, प्रत्यक्षदर्शियों ने तटीय क्षेत्र में दो जगहों पर बमबारी के बारे में बचावकर्मियों को जानकारी दी। जिसके बाद गाजा में स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस्राइली हमलों में मारे गए लोगों और घायलों की संख्या के बारे में जानकारी दी। वहीं, इस्राइली सेना का कहना है कि इस बात का कोई संकेत नहीं है कि सुरक्षित क्षेत्र के अंदर आईडीएफ द्वारा हमला किया गया था। जानकारी के अनुसार, इस्राइल ने मुवासी के आसपास बमबारी की है। यहां विस्थापित फलीस्तीनियों ने हाल ही में तम्बू शिविर बनाए थे। मृतकों के रिश्तेदारों ने बताया कि इस्राइली बलों ने दूसरी बार गोलाबारी की है। मोना एशौर के अनुसार, हमला एक गोला-बारूद से शुरू हुआ, जिसमें केवल एक जोरदार धमाका और चमकीली चमक थी। इस हमले में मोना ने अपने पति को खो दिया। वहीं, इस्राइल का कहना है कि वह हमास के लड़ाकों और बुनियादी ढांचे को निशाना बना रहा है। नागरिकों की मौत के लिए इस्राइल ने आतंकवादियों को जिम्मेदार ठहराया है। इस्राइल का कहना है कि आतंकवादी आबादी के बीच काम कर रहे हैं, इसलिए हमले में नागरिकों की भी मौत हो रही है। इस्राइली सेना का कहना है कि मध्य गाजा में लड़ाई के दौरान दो सैनिकों की भी मौत हुई है। दोनों की उम्र करीब 20 वर्ष के आसपास थी। वहीं, तीन इस्राइली सैनिक गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

अमेरिका में सार्वजनिक जगह पर फिर हुई गोलीबारी, दुकान में तीन लोगों की मौत, 10 घायल

लॉस एंजिल्स, एजेंसी। अमेरिका में अर्कांसस के फोर्डिस में सामूहिक गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई जबकि आठ अन्य लोग घायल हो गए। अमेरिकी की स्थानीय मीडिया ने जानकारी देते हुए बताया कि घायलों में एक कानून प्रवर्तन अधिकारी भी शामिल है, जिसे गंभीर चोटें आई है। यह गोलीबारी ग्रोसरी स्टोर के सामने की है। पुलिस के मुताबिक गोलीबारी करने वाला भी गंभीर रूप से घायल हो गया है और उसे हिरासत में ले लिया गया है। अर्कांसस की गवर्नर सारा हकाबी सैंडर्स ने कहा कि उन्हें फोर्डिस में हुई गोलीबारी के संबंध में जानकारी दी गई है और वह घटना स्थल पर पुलिस के साथ लगातार संपर्क में हैं। सैंडर्स ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर ट्वीट करते हुए लिखा, 'मुझे फोर्डिस में हुई दुखद गोलीबारी के बारे में जानकारी दी गई है और मैं घटनास्थल पर राज्य पुलिस के साथ लगातार संपर्क में हूं। मैं जीवन बचाने के लिए त्वरित और वीरतापूर्ण कार्रवाई के लिए कानून प्रवर्तन और अन्य लोगों की आभारी हूं। मेरी प्रार्थनाएं पीड़ितों और इस भयावह घटना से प्रभावित सभी लोगों के साथ हैं।' सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले हफ्ते अमेरिका के मिशिगन में हुए हमले में दो बच्चों सहित आठ लोग गोली लगने से घायल हो गए थे। वहीं हमले में शामिल एक संदिग्ध बाद में एक घर के पास मृत पाया गया।

कोलोराडो के स्टेट पार्क में गोलीबारी में दो लोगों की मौत

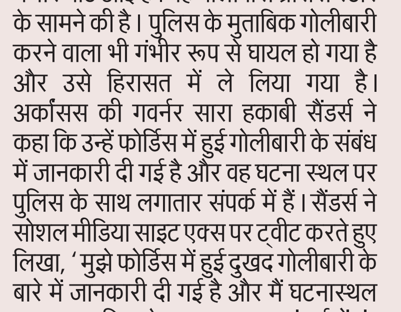

लॉस एंजिल्स, एजेंसी। अमेरिका के कोलोराडो राज्य के एक पार्क में गोलीबारी में दो लोगों की जान चली गई। कोलोराडो के अधिकारियों ने ये जानकारी दी है। कोलोराडो पार्क एंड वाइल्डलाइफ ने बताया कि यह घटना पुएब्लो काउंटी में लेक पुएब्लो स्टेट पार्क के सैलबोर्ड बीच क्षेत्र में आधी रात के बाद हुई। कुछ लोग मछली पकड़ रहे थे, उसी दौरान गोलीबारी हुई। कोलोराडो पार्क्स एंड वाइल्डलाइफ़ को स्थानीय समयानुसार शुक्रवार सुबह फोन पर मदद के लिए कॉल आई, जिसके बाद पुलिस वहां पहुंची। सिन्हुआ न्यूज़ एजेंसी के अनुसार पुलिस अधिकारियों को दो लोग मृत मिले। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि गोली चलाने वाला शख्स घटनास्थल से भाग गया। पुएब्लो काउंटी की पुलिस ने शवों को अपने कब्जे में ले लिया और मौत का कारण जानने के लिए शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। लेक पुएब्लो के पार्क मैनेजर जो स्टैडटमैन ने कहा, "हमारा मानना है कि इस समय पार्क में आए लोगों के लिए अब कोई खतरा नहीं है।" उन्होंने कहा कि अभी तक किसी भी संदिग्ध को हिरासत में नहीं लिया गया है। अधिकारियों ने कहा कि पार्क, इसका कंपाउंड खुला रहेगा।

इंडस-एक्स पहल की पहली वर्षगांठ पर बोला पेंटागन- भारत-अमेरिका के बीच बढ़ रही सैन्य साझेदारी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने साझेदारी की पहली वर्षगांठ पर कहा कि भारत-अमेरिका रक्षा त्वरण पारिस्थितिकी तंत्र (इंडस-एक्स) रक्षा नवाचार में द्विपक्षीय रिश्तों का विस्तार करने में सबसे आगे रहा है। इंडस-एक्स ने महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकी पहल के तहत रक्षा नवाचार के निर्माण के लिए दोनों रणनीतिक साझेदारों की प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाया है।

पिछले साल पीएम मोदी आए थे अमेरिका की यात्रा पर : इंडस-एक्स भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक और रक्षा साझेदारी को बढ़ाने के लिए प्रस्तावित एक रक्षा पहल है। यह पहल इनिशिएटिव ऑन क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज के तहत आती है। भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक और रक्षा साझेदारी बढ़ाने के लिए इंडस-एक्स को पिछले साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वाशिंगटन की राजकीय यात्रा के दौरान अमेरिकी रक्षा विभाग और भारतीय रक्षा मंत्रालय द्वारा लॉन्च किया गया था।

रणनीतिक संबंध तेजी से बढ़े : पिछले कुछ वर्षों से भारत-अमेरिका के बीच रक्षा और रणनीतिक संबंध तेजी से बढ़े हैं और दोनों देशों में कई प्रमुख सुरक्षा व रक्षा समझौते किए हैं। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि जून 2023 में अमेरिका की राजकीय यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच रक्षा नवाचार को बढ़ावा देने के लिए भारत-अमेरिकी डिफेंस एक्सीलरेशन ईकोसिस्टम (इंडस-एक्स) को शुरू किया गया था।

रक्षा विभाग के अधिकारी ने शुक्रवार को कहा, अपने पहले वर्ष में, इंडस-एक्स ने महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकी (आईसीईटी) पहल के तहत रक्षा नवाचार के निर्माण के लिए दोनों देशों की प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाया है। उन्होंने आगे कहा, इंडस-एक्स ने रक्षा प्रौद्योगिकी कंपनियों, निवेशकों और शोधकर्ताओं के बीच साझेदारी को सुविधाजनक बनाकर अमेरिका और भारत के बीच निजी क्षेत्र के सहयोग को मजबूत किया है।

सितंबर में होगा तीसरा सम्मेलन : व्हाइट हाउस की हालिया घोषणा का हवाला देते हुए एक अधिकारी ने कहा कि तीसरा इंडस-एक्स शिखर सम्मेलन सितंबर 2024 में सिलिकॉन वैली में होगा, जिसमें रक्षा नवाचार के लिए निजी पूंजी का इस्तेमाल करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। शिखर सम्मेलन की सह-मेजबानी यूएस-इंडिया स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोरम और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा की जाएगी।

कुछ वर्षों में कई सुरक्षा समझौते : दोनों देशों ने पिछले कुछ वर्षों में कई रक्षा और सुरक्षा समझौते किए हैं, जिसमें 2016 में लॉजिस्टिक्स एक्सचेंज मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट (एलईएमओए) भी शामिल है, जो उनकी सेनाओं को मरम्मत और आपूर्ति की पुनःपूर्ति के लिए एक-दूसरे के अड्डों का उपयोग करने की अनुमति देता है। दोनों पक्षों ने 2018 में कॉमकासा (संचार संगतता और सुरक्षा समझौता) पर भी हस्ताक्षर किए, जो दोनों सेनाओं के बीच अंतर-क्षमता प्रदान करता है और अमेरिका से भारत को उच्च-स्तरीय प्रौद्योगिकी की बिक्री का भी प्रावधान करता है। अक्टूबर 2020 में भारत और अमेरिका ने द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को और बढ़ावा देने के लिये बेका (बेसिक एक्सचेंज एंड कोऑपरेशन एग्रीमेंट) समझौते पर मुहर लगाई। यह समझौता दोनों देशों के बीच उच्च स्तरीय सैन्य तकनीक, रसद और भू-स्थानिक मानचित्रों को साझा करने का प्रावधान करता है। इंडस-एक्स भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक और रक्षा साझेदारी को बढ़ाने के लिए प्रस्तावित एक रक्षा पहल है। यह पहल इनिशिएटिव ऑन क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज) के तहत आती है। जानकारी के मुताबिक, इंडस-एक्स के शुभारंभ के संबंध में प्रारंभिक चर्चा जून 2021 में हुई थी। यूएस इंडिया बिजनेस काउंसिल (यूएसआईबीसी), अमेरिकी रक्षा विभाग और भारत के रक्षा मंत्रालय के साथ साझेदारी में यूएस चैंबर ऑफ कॉमर्स में 20-21 जून को पहले इंडस-एक्स सम्मेलन की मेजबानी करेगा। यह जानकारी यूएसआईबीसी के अध्यक्ष अतुल केशप ने मंलवार को दी। बता दें कि यह यूएस-इंडिया बिजनेस काउंसिल की ही एक पहल थी, जिसका फोकस अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी सहयोग को आगे बढ़ाने पर है। इंडस-एक्स का उद्देश्य अमेरिका और भारतीय रक्षा नवाचार क्षेत्रों के बीच साझेदारी को गहरा करना है। इंडस-एक्स हाई-टेक सहयोग को आगे बढ़ाने और रक्षा क्षेत्र में संयुक्त अनुसंधान, विकास और उत्पादन के अवसरों को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करेगा। पहल का उद्देश्य सह-उत्पादन जेट इंजन, लंबी दूरी की तोपखाने और पैदल सेना के वाहनों के लिए संभावनाओं का पता लगाना है। अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने एक बयान में कहा था, हम न केवल प्रौद्योगिकी साझा कर रहे हैं, बल्कि हम एक दूसरे के साथ पहले से कहीं अधिक सहयोग भी कर रहे हैं।

अंतरिक्ष में फंसी सुनीता विलियम्स, फिलहाल वापस नहीं आएगा बोइंग स्टारलाइनर

वॉशिंगटन, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन (आईएसएस) पर मौजूद नासा की भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और क्रू के आठ अन्य सदस्यों के लिए एक बार फिर एक बड़ी मुश्किल खड़ी हो गई है। नासा ने शुक्रवार को जानकारी दी कि अंतरिक्ष यात्रियों के पहले दल को ले जाने वाले बोइंग स्टारलाइनर की वापसी को फिलहाल टाल दिया गया है। यहां तक कि नासा ने वापसी की कोई नई तारीख भी नहीं बताई है। अंतरिक्ष यात्रियों की वापसी को लेकर अब कई सवाल खड़े हो रहे हैं। लोग जानना चाह रहे हैं कि मिशन के दो अंतरिक्ष यात्री कब लौटेंगे। टेस्टिंग और तकनीकी मुद्दों के कारण पहले से ही देरी हुई है। बता दें, अंतरिक्ष यान की वापसी पहले 26 जून को निर्धारित की गई थी।

कब आएंगे अंतरिक्ष यात्री वापस : अमेरिकी अंतरिक्ष यात्रियों बुच विल्मोर और सुनीता विलियम्स ने पांच जून को उड़ान भरी थी। 2019 के बाद से इसे दो बार बिना इंसान के अंतरिक्ष में भेजा गया है। इसके थ्रस्टर्स को पांच विफलताओं और पांच हीलियम रिसाव का सामना करना पड़ा है। नासा और बोइंग को खराबी का सामना करना पड़ा और अतिरिक्त परीक्षण करने पड़े, जिससे यह सवाल उठता है कि वास्तव में स्टारलाइनर अपने चालक दल को कब तक वापस ला सकेगा। इसके आलावा इस अंतरिक्ष यान की कई समस्याएं सामने आई हैं। गौरतलब है, कंपनी ने इस प्रोजेक्ट के लिए 4.5 अरब डॉलर के नासा डेवलपमेंट कॉन्ट्रैक्ट के अलावा लागत में वृद्धि पर 1.5 अरब डॉलर खर्च किए हैं। नासा चाहता है कि स्टारलाइनर दूसरा अमेरिकी अंतरिक्ष यान बने जो स्पेसएक्स के क्रू ड्रैगन के साथ अंतरिक्ष यात्रियों को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन तक ले जा सके। बोइंग का स्टारलाइनर कार्यक्रम वर्षों से सॉफ्टवेयर गड़बड़ियों, डिजाइन समस्याओं और उपठेकेदारों के विवाद से जूझ रहा है। स्टारलाइनर छह जून को डॉक करने के लिए स्पेस स्टेशन के करीब पहुंचा तो थ्रस्टर फेलियर देखा गया। इस कारण अंतरिक्ष यान स्पेस स्टेशन के पास तब तक नहीं गया, जब तक इसे सही नहीं कर लिया गया। इससे पहले आईएसएस के अंदर एक सुपरबग के होने की जानकारी सामने आई थी। वैज्ञानिकों ने एंटरोबैक्टर बुगंडेंसिस नामक एक बहु दवा प्रतिरोधी बैक्टीरिया का पता लगाया था।

मध्य अमेरिका में अल्बर्टो तूफान का कहर जारी, मूसलाधार बारिश से 30 लोगों की मौत

मैक्सिको, एजेंसी। मध्य अमेरिका में अल्बर्टो तूफान ने तबाही मचाई हुई है। लगातार भारी बारिश से नदियां उफान पर हैं और भूस्खलन हो रहा है। नदियों में बाढ़ आने से लोगों के घर नष्ट हो गए हैं। वहीं, भारी बारिश और बाढ़ के चलते 30 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रीय तूफान केंद्र ने भविष्यवाणी की है कि दक्षिणी मेक्सिको और उत्तरी मध्य अमेरिका में शुक्रवार तक भारी बारिश जारी रहेगी, जिससे सप्ताहांत में कोस्टा रिका और पनामा तक दक्षिण में तूफान और बारिश होगी। अल साल्वाडोर की नागरिक सुरक्षा एजेंसी के प्रमुख लुइस अमाया ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता की। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, भौतिक वस्तुएं आती और जाती रहती हैं। अब हमें लोगों के जीवन की रक्षा पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने बताया कि साल्वाडोर में भारी बारिश और बाढ़ से मरने वालों की संख्या अब 19 हो गई है, जिनमें छह बच्चे भी शामिल हैं। वहीं, 3,000 से अधिक लोग अस्थायी आश्रयों में हैं। दूसरी तरफ ग्वाटेमाला में 10 लोगों की मौत की सूचना है। अधिकारियों का कहना है कि लगभग 11,000 लोगों बाढ़ से निकाला गया है। 380 लोग अभी भी अस्थायी आश्रयों में हैं। चार पुल नष्ट हो गए हैं। वहीं, पड़ोसी होंडुरस में 1 मौत की सूचना मिली है।

ताजिकिस्तान में हिजाब और बुर्का पहनने पर लगा बैन, संसद ने पारित किया विवादित कानून

दुशानबे, एजेंसी। मध्य एशिया का मुस्लिम बहुल देश ताजिकिस्तान की संसद ने हिजाब और बुर्का जैसे इस्लामिक पहनावे पर प्रतिबंध लगाने का विवादित कानून पारित कर दिया है। अब वहां की सरकार इस कानून को लागू करने जा रही है। इससे वहां खलबली मचने की आशंका है। सोवियत संघ से अलग हुआ ताजिकिस्तान मुस्लिम बहुल आबादी वाला देश है और इसकी सीमा तालिबान शासित अफगानिस्तान से मिलती है। ऐसे में इस बात की आशंका ज्यादा है कि यहां हिजाब और बुर्का पहनने पर पाबंदी लगाए जाने से विवाद बढ़ सकता है क्योंकि पड़ोसी अफगानिस्तान में बुर्का पहनना अनिवार्य है।

ताजिकिस्तानी संसद के ऊपरी सदन मजलिसी मिल्ली ने 19 जून को ये विधेयक पारित किया है, जिसमें ईद-उल-फितर और ईद-उल-अज़हा के दौरान बच्चों के विदेशी परिधान पर प्रतिबंध लगाने का प्रावधान है। संसद के निचले सदन, मजलिसी नमोयंदगोन ने 8 मई को ही इस विधेयक को पारित कर दिया था और बुर्का और हिजाब जैसे विदेशी परिधानों को पहनने पर रोक लगाने की सिफारिश कर दी थी। इस विधेयक पर बहस के दौरान ताजिकिस्तान संसद ने कहा कि बुर्का, जो महिलाओं के चेहरे को ढकता है, ताजिक परंपरा या संस्कृति का हिस्सा नहीं है, इसलिए ऐसे विदेशी परिधान को उनके देश में प्रतिबंधित किया जाता है। राष्ट्रपति रुस्तम इमोमाली की अध्यक्षता में संसद के 18वें सत्र में सांस्कृतिक प्रथाओं, बच्चों के पालन-पोषण में शिक्षक की भूमिका और माता-पिता के कर्तव्यों से संबंधित कानूनों में भी बदलाव किया गया है।

नए नियमों का उल्लंघन करने पर लोगों पर भारी भरकम जुर्माना लगाने का भी प्रावधान किया गया है। विधेयक के प्रावधान के मुताबिक

व्यक्तियों पर 7,920 सोमोनी तक का जुर्माना लगाया जा सकता है, जबकि कंपनियों पर 39,500 सोमोनी तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। अधिकारियों और धार्मिक नेताओं पर इससे भी ज्यादा जुर्माना लगाने की बात कही गई है, जो संभावित रूप से क्रमशः 54,000 और 57,600 सोमोनी हो सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ताजिकिस्तान में शादी और अंत्येष्टि भोज पर भी प्रतिबंध है। इसके अलावा दाढ़ी रखने पर भी प्रतिबंध है। यानी पुरुषों को दाढ़ी कटवाना जरूरी है। अगर कोई दाढ़ी रखते हुए देखा गया तो उस पर सख्त ऐक्शन लिया जाता है। यहां इस्लामिक किताबों की बिक्री पर भी प्रतिबंध लगा हुआ है। देश में छिड़ी बहस इस पूरे मामले पर देश में बड़ी बहस छिड़ गई है। विशेषज्ञ अलग-अलग राय दे रहे हैं। सांसदों ने नया कानून तोड़ने पर 7,920 सोमोनी (स्थानीय मुद्रा) यानी 62,172 भारतीय रुपये से लेकर कानूनी संस्थाओं के लिए 39,500 सोमोनी (3.10 लाख रु.) तक का जुर्माना लगाया है। इसके अलावा, सरकारी अधिकारियों और धार्मिक अधिकारियों पर दोष सिद्ध होने पर 54,000 सोमोनी (4.24 लाख रु.) से लेकर 57,600 सोमोनी (4.52 लाख रु.) तक का जुर्माना लगाने का नियम बनाया गया है।

हिंदुजा परिवार ने सजा के खिलाफ दायर की अपील, बोले- अदालत के फैसले से हैरान हैं

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के सबसे धनी हिंदुजा परिवार ने शुक्रवार को कहा कि वे परिवार के कुछ सदस्यों के खिलाफ जिनेवा की अदालत के फैसले से हैरान हैं। हिंदुजा परिवार ने घरेलू कामगारों का शोषण करने का दोषी ठहराए जाने वाले अदालत के फैसले को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय में अपील दायर की है। परिवार के वकीलों ने बताया है कि हिंदुजा परिवार के किसी सदस्य को हिरासत में नहीं लिया गया है।

परिवार के किसी सदस्य को हिरासत में नहीं लिया गया हिंदुजा परिवार की ओर से जारी बयान में उनके वकीलों ने जोर देकर कहा कि उनके मुवक्किल प्रकाश और कमल हिंदुजा, और उनके बेटे अजय और उनकी पत्नी नम्रता को सभी मानव तस्करी के आरोपों से बरी कर दिया गया है। उन्होंने मीडिया की उन खबरों को भी खारिज कर दिया कि जिनेवा की अदालत के फैसले के बाद परिवार के किसी भी सदस्य को हिरासत में लिया जा सकता है। अदालत ने परिवार को चारों सदस्यों को चार से साढ़े चार साल जेल की सजा सुनाई है। वादी ने शिकायत वापस ली वकील येल हयात और

रॉबर्ट असैल और रोमन जॉर्डन द्वारा हस्ताक्षरित बयान में कहा गया है कि हमारे मुवक्किलों को सभी मानव तस्करी के आरोपों से बरी कर दिया गया है। हम न्यायालय में लिए गए फैसले से स्तब्ध और निराश हैं, और हमने निश्चित रूप से उच्च न्यायालय में अपील दायर की है, जिससे निर्णय का यह भाग प्रभावी नहीं रह गया है। स्विस कानून के तहत, सर्वोच्च न्यायाधिकरण द्वारा अंतिम निर्णय लागू होने तक आरोपी को निर्दोष माना जाता है। कुछ मीडिया रिपोर्टों के विपरीत, परिवार के किसी भी सदस्य को हिरासत में नहीं रखा गया है। वकीलों ने यह भी बताया कि इस मामले में वादी ने अपनी संबंधित शिकायतें वापस भी ले ली थीं और कहा कि उनका ऐसी कार्यवाही में शामिल होने का कभी इरादा नहीं था। परिवार को न्यायिक प्रक्रिया पर पूरा भरोसा है और उन्हें विश्वास है कि सच्चाई सामने आएगी।

हिंदुजा परिवार के सदस्यों पर हैं ये आरोप गौरतलब है कि हिंदुजा परिवार के सदस्यों पर आरोप है कि उन्होंने अपने जिनेवा स्थित विला पर काम करने वाले घरेलू कर्मचारियों के पासपोर्ट जब्त किए, उन्हें विला से बाहर जाने से रोका और स्विट्जरलैंड में बहुत कम पैसे में बहुत लंबे समय तक काम करने के लिए मजबूर किया। कुछ कर्मचारी कथित तौर पर केवल हिंदी बोलते थे और उन्हें अपने देश में बैंकों में रुपये में वेतन दिया जाता था। हिंदुजा परिवार पर घरेलू कामगारों का शोषण करने का आरोप है। परिवार की कानूनी टीम ने आरोपों का खंडन किया और अदालत को बताया कि कर्मचारियों के साथ सम्मानजनक व्यवहार किया गया और उन्हें आवास प्रदान किया गया।

पूर्व प्रधानमंत्री ने बनाई नई पार्टी, पीएमएल-एन से अलग हुए अब्बासी बने आवाम पाकिस्तान के प्रमुख

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में अगस्त 2017 से मई 2018 तक प्रधानमंत्री रहे पीएमएल-एन के पूर्व नेता शाहिद खाकान अब्बासी ने देश में नई राजनीतिक पार्टी बना ली है। जानकारी के मुताबिक देश की सत्ताधारी दल से मतभेद के बाद नेता शाहिद खाकान अब्बासी ने आवाम पाकिस्तान नाम से अपनी अलग पार्टी बनाई है। पूर्व पाकिस्तानी प्रधानमंत्री के साथ देश के पूर्व वित्त मंत्री मिफ्ताह इस्माइल भी उनकी पार्टी में शामिल हुए हैं। मिफ्ताह इस्माइल भी देश की सत्ताधारी दल पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज से अलग हो चुके हैं। 6 या 7 जुलाई को होगी औपचारिक शुरुआत समाचार पत्रों के अनुसार नई राजनीतिक पार्टी जुलाई महीने की 6 या 7 तारीख को औपचारिक तौर पर शुभारंभ होगा। जबकि राजनीतिक दल का नारा है, हम बदलेंगे व्यवस्था। नई पार्टी आवाम पाकिस्तान के आधिकारिक सोशल मीडिया साइट एक्स (पहले ट्विटर) हैंडल पर शेयर किए गए एक वीडियो में निराश नागरिक, महंगाई, ऊर्जा की कमी, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और शैक्षिक असमानताओं जैसे राष्ट्रीय मुद्दों पर बात की गई है। पार्टी के आयोजक समिति के प्रमुख बने अब्बासी वहीं पूर्व प्रधानमंत्री को पार्टी की आयोजक समिति का प्रमुख नियुक्त किया गया है, जबकि मिफ्ताह इस्माइल को उनका डिप्टी नामित किया गया है। इस आयोजक समिति में खैबर-

पख्तूनख्वा के पूर्व गवर्नर और पीएमएल-एन नेता सरदार मेहताब अब्बासी, पूर्व पीएमएल-एन सीनेटर जावेद अब्बासी और मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट के पूर्व विधायक शेख सलाहुद्दीन भी शामिल हैं। पार्टी के संस्थापक सदस्यों में फैसलाबाद से पूर्व पीएमएल-एन विधायक राणा जाहिद तौसीफ, पूर्व पीटीआई स्वास्थ्य मंत्री जफर मिर्जा, पूर्व पीएमएल-एन प्रांतीय विधायक जैयम कादरी, हजारा क्षेत्र की कार्यकर्ता फातिमा आतिफ, सिंधी राष्ट्रवादी नेता अनवर सूमरो, कानूनी विशेषज्ञ मोइज जाफरी और शिक्षाविद तारिक बनूरी शामिल हैं। पाकिस्तान में पीएमएल-एन प्रमुख नवाज शरीफ को सुप्रीम कोर्ट से अयोग्य घोषित किए जाने तक शाहिद खाकान अब्बासी प्रधानमंत्री पद पर थे। शाहिद खाकान अब्बासी के जीवन की बात करें, तो वो रावलपिंडी के मुर्री इलाके से ताल्लुक रखते हैं।

प्रधानमंत्री सुनक पार्टी कार्यकर्ताओं से क्यों हुए नाराज ?

लंदन, एजेंसी। जुलाई महीने के पहले हफ्ते में ब्रिटेन में आम चुनाव होंगे। वहीं इससे पहले ब्रिटेन के मौजूदा प्रधानमंत्री ऋषि सुनक अपने ही पार्टी कार्यकर्ताओं से काफी नाराज हैं। क्योंकि देश के आम चुनाव की तारीख पर कथित तौर पर सट्टा लगाने के मामले में उनकी पार्टी के नेताओं की जांच की जा रही है। जिसे लेकर शुक्रवार को प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कसम खाते हुए कहा कि अगर कोई भी कार्यकर्ता सट्टेबाजी के नियमों को तोड़ने का दोषी पाया गया तो उसे पार्टी से निकाल दिया जाएगा।

सुनक का करीबी सुरक्षा अधिकारी गिरफ्तार ब्रिटिश नेता ऋषि सुनक ने ये बयान तब दिया जब उनसे मतदाताओं के समूह के बढ़ते घोटाले को लेकर सवाल पूछा गया। इस दौरान उन्होंने साफ कहा कि अगर कोई भी चुनाव उम्मीदवार या पार्टी अधिकारी नियमों का उल्लंघन करते हुए पाया गया तो उसे पार्टी से बाहर निकाल दिया जाएगा। पिछले सप्ताह ये आरोप पहली बार सामने आया था, जब सुनक के करीबी सुरक्षा अधिकारी को चुनाव में सट्टा लगाने के जुड़े आरोप के संदेह में मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने गिरफ्तार किया था।

कानूनी कार्यवाही के साथ पार्टी से निकाला जाएगा वहीं सत्तारूढ़ पार्टी के लिए सुर्खियों में रहे इस मुद्दे पर पूछे गए सवालों के जवाब में प्रधानमंत्री सुनक ने संवाददाताओं से कहा, मैं यही कहूंगा कि अगर कोई व्यक्ति नियमों का

उल्लंघन करता पाया जाता है, तो उसे कानूनी परिणाम भुगतने चाहिए। इस मामले में कई जांच किए जा रहे हैं। और आगे जांच करने की अनुमति है। और ये संभावित रूप से आपराधिक मामले हैं। अगर कोई भी नियम तोड़ता हुआ पाया जाता है, तो उसे न केवल कानून का सामना करना चाहिए, बल्कि मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि उन्हें कंजर्वेटिव पार्टी से बाहर निकाल दिया जाए।

यू.के. में सट्टा लगाना वैध है एक टीवी शो में चुनाव विशेष के दौरान प्रधानमंत्री सुनक ने जवाब देते हुए कहा यू.के. में सट्टा लगाना वैध है, लेकिन अंदरूनी जानकारी का लाभ उठाकर लगाया गया कोई भी सट्टा अवैधता के दायरे में आ सकता है। मुझे इन आरोपों के बारे में जानकर बहुत गुस्सा आया। ये वास्तव में एक गंभीर मामला है। मैं यह स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि यदि किसी ने नियम तोड़े हैं, तो उन्हें कानून का सामना करना चाहिए। चुनाव पर 21 मई से लगाए जा रहा सट्टा बता दें कि ब्रिस्टल नॉर्थ वेस्ट टोरी उम्मीदवार लॉरा सॉन्डर्स और उनके पति टोनी ली, जो कंजर्वेटिव पार्टी के अभियान निदेशक हैं, की जुआ निगरानी संस्था की तरफ से जांच की जा रही है। पिछले सप्ताह, एक अन्य संभावित सांसद और सुनक के सहयोगी मंत्री क्रेग विलियम्स के खिलाफ भी तारीख घोषित होने से पहले 100 पाउंड (127 डॉलर) दांव पर लगाने के लिए जांच की जा रही थी। इस बीच, ब्रिटिश जुआ कंपनी बेटफेयर के आंकड़ों से पता चलता है कि जुलाई में होने वाले चुनाव पर 21 मई को दांव लगाए जा रहे हैं, ये प्रधानमंत्री सुनक की तरफ से चुनाव की घोषणा से एक दिन पहले है।

संक्षिप्त समाचार

ओलंपिक में चयन की खबर सुनकर आंखों में आए आंसू: श्रेयसी सिंह

जमुई, एजेंसी। बिहार के जमुई से भाजपा विधायक श्रेयसी सिंह का पेरिस ओलंपिक-2024 के शॉटगन ट्रैप वूमेन प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है। इस खबर से श्रेयसी सिंह बेहद खुश हैं। उन्होंने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि उनके परिवार और बिहार का सपना पूरा हुआ है। उन्होंने पत्रकारों से चर्चा करते हुए बताया कि आज सुबह करीब 11 बजे खबर मिली। मैं कुछ समय के लिए भावुक हो गई। आंख से खुशी के आंसू भी छलक गए।

पिताजी की भी बहुत याद आई। उन्होंने कहा कि 21 सदस्यीय भारतीय दल की घोषणा की गई है। निशानेबाजी के 17 साल के कैरियर के बाद यह मौका मिला है। परिवार और बिहार के लिए बड़ी उम्मीद जुड़ी थी। आज मेरा सौभाग्य है कि मैं बिहार की पहली खिलाड़ी बनी हूं, जिसका चयन ओलंपिक के लिए हुआ है। यह करीब एक महीने का लंबा सफर होगा। हम लोग ओलंपिक में अच्छा प्रदर्शन कर सकें, इसके लिए प्रार्थना करें।

श्रेयसी सिंह बिहार की पहली एथलीट हैं, जिसका चयन ओलंपिक के लिए हुआ है। जमुई विधायक श्रेयसी सिंह के पेरिस ओलंपिक में चयन होने पर पूरे जिले में खुशी का माहौल है। श्रेयसी सिंह ने ग्लासगो में हुए 2014 कॉमनवेल्थ गेम्स में निशानेबाजी की डबल ट्रैप स्पर्धा में रजत पदक प्राप्त किया था। विधायक श्रेयसी सिंह के पिता स्वर्गीय दिग्विजय सिंह सांसद और केंद्र सरकार में मंत्री रहे।

ओलंपिक से पहले चोटों से मुक्त रहने के लिए प्रतिबद्ध मीराबाई चानू

नई दिल्ली, एजेंसी। ओलंपिक रजत पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू को लगता है कि पेरिस खेलों में उनकी सफलता उनकी चोटों से मुक्त रहने की क्षमता पर निर्भर करेगी क्योंकि वह इस महासमर की स्नैच स्पर्धा में 90 किग्रा का वजन उठह्याने का प्रयास करेंगी। चानू 49 किग्रा वजन वर्ग में प्रतिस्पर्धा करती हैं। उन्होंने कहा कि सात अगस्त को उनकी स्पर्धा तक उनका ध्यान मासंपेशियों को चोटों मुक्त रखने और स्नैच में कम से कम 90 किग्रा का वजन उठाने के लिए तकनीक सुधारने पर लगा है। चानू ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) मीडिया से कहा, 'मेरे लिए चोटों का

प्रबंधन और तनाव मुक्त रहना महत्वपूर्ण होगा। मुझे वही चीजें करनी होंगी जिससे मुझे उबरने में मदद मिली। उन्होंने कहा, 'हम खिलाड़ियों के लिए चोटें और दर्द साथी होते हैं। ये कब परेशान करना शुरू कर दें, आपको नहीं पता। हमें इन पर विजय पानी होगी और पेरिस ओलंपिक से पता चलेगा कि मैं खेल के इन पहलुओं को कितना नियंत्रित करने में कामयाब हुई। चानू का स्नैच में व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 88 किग्रा तथा क्लीन एवं जर्क में 119 किग्रा का है। वह चोटों से जूझती रही हैं और पीठ की समस्या तो हमेशा ही रहती है। एशियाई खेलों में वह कूल्हे की चोट से परेशान थीं जिससे वह पांच महीने तक खेल से दूर रहीं। यह स्टार भारोत्तोलक एशियाड पदक नहीं जीत सकी है। चानू ने कहा, 'एशियाई खेलों की चोट के बाद विश्व कप मेरी पहली प्रतियोगिता थी। मैं निश्चित रूप से और चोट लगने से डरी हुई थी। मैं पेरिस ओलंपिक का मौका खराब नहीं करना चाहती थी। इसलिये चोट का डर था।

टी-20 वर्ल्डकप:2024

वेस्टइंडीज ने अमेरिका को बुरी तरह मसला

बारबाडोस, एजेंसी। अमेरिका और वेस्टइंडीज के बीच आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 में आज सुपर 8 का मुकाबला खेला गया। दोनों होस्ट नेशन के बीच हुई इस टक्कर में वेस्टइंडीज की जीत हुई। विंडीज ने अमेरिका को चारों खाने चित कर 9 विकेट से हरा दिया। वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। अमेरिका 19.5 ओवर में 128 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। 129 रन का टारगेट वेस्टइंडीज ने 10.5 ओवर में ही चेज कर लिया।

शे होप के तूफान में उड़ी अमेरिका

129 रन के टारगेट का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज के लिए ओपन करने उतरे शे होप ने मैच विनिंग पारी खेली। उन्होंने अमेरिका के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। वह सिर्फ चौके-छक्के में ही डील कर रहे थे। होप ने 210 के तूफानी स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 39 गेंद में 82 रन की तूफानी पारी खेली। उन्होंने अपनी इनिंग्स में 4 चौके और 8 छक्के भी लगाए। शे होप के अलावा निकोलस पूरन ने भी अपना मसल पावर दिखाया। उन्होंने 225 के स्ट्राइक रेट से नाबाद 12 गेंद में 27 रन ठोके। उन्होंने अपनी पारी में 1 चौका और 3 छक्के लगाए। अमेरिका की तरफ से एकमात्र विकेट हरमीत सिंह ने ली।

वेस्टइंडीज के गेंदबाजों ने मचाया कोहराम

शानदार बल्लेबाजी करने से पहले वेस्टइंडीज ने गेंदबाजी में भी तहलका मचाया। आंद्रे रसेल और रोस्टन चेज ने 3-3 विकेट लिए। इसके अलावा 2 विकेट अल्जारी जोसेफ को भी मिले। वहीं एक विकेट गुडाकेश मोती ने भी झटका। अमेरिका के लिए एंड्रीज गौस ने शुरुआत में अच्छी बल्लेबाजी की। उन्होंने 16 गेंद में 3 चौके और 1 छक्के की मदद से 29 रन बनाए। इसके अलावा नीतीश कुमार ने भी 20 रन की पारी खेली। इन दोनों खिलाड़ियों के अलावा कोई यूएसए का बल्लेबाज 20 रन के स्कोर तक भी नहीं पहुंच पाया।

रोचक हुई सेमीफाइनल की रेस

वेस्टइंडीज के अमेरिका को हराने से सेमीफाइनल की रेस और भी ज्यादा रोचक हो गई है। अब सुपर 8 के दूसरे ग्रुप में साउथ अफ्रीका 4 अंक के साथ पहले स्थान पर है। इसके बाद वेस्टइंडीज दूसरे तो इंग्लैंड तीसरे स्थान पर है। दोनों टीमों के 2 मैचों में 2-2 अंक हैं हालांकि बेहतर नेट रन रेट के चलते विंडीज इंग्लैंड से ऊपर है। अमेरिका दो में दो मैच हारकर चौथे स्थान पर है और लगभग वर्ल्ड कप से बाहर हो गया है। अब भी इंग्लैंड, वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका में से कोई दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंच सकती है। सारा मामला अंत में नेट रन रेट पर आकर फंस सकता है।

बाबर आजम के खिलाफ बोलने की अहमद शहजाद को मिलेगी सजा?

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम यूट्यूबर्स और पूर्व क्रिकेटरों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर सकते हैं, जिन्होंने उन पर मौजूदा टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के अभियान के दौरान देश से धोखेबाजी और जानबूझकर हारने का आरोप लगाया था। टी20 विश्व कप 2024 में पाकिस्तान टीम के खराब प्रदर्शन के बाद से जमकर बवाल हो रहा है। कभी टीम के खिलाड़ी फैंस से झगड़ा करते हुए पाए जाते हैं तो कभी टीम के पूर्व खिलाड़ी मौजूदा सदस्यों पर निशाना साधते हुए दिखते हैं। इसी कड़ी में पाकिस्तान टीम के पूर्व कप्तान अहमद शहजाद ने कप्तान बाबर आजम के खिलाफ खूब बयान दिए। उन्होंने तो बाबर को सोशल मीडिया का किंग और नकली किंग कहकर भी बुलाया था। सिर्फ शहजाद ने ही नहीं, कई अन्य पाकिस्तानी यूट्यूबर्स ने भी बाबर की जमकर आलोचना की थी।

अब कप्तान बाबर और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) इन सभी के खिलाफ एक्शन लेने की तैयारी में है। सूत्रों के हवाले से बताया है कि पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम यूट्यूबर्स और पूर्व क्रिकेटरों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर सकते हैं, जिन्होंने उन पर मौजूदा टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के अभियान के दौरान देश की जनता से धोखेबाजी और जानबूझकर हारने का आरोप लगाया था। सूत्रों ने जियो न्यूज को बताया कि पाकिस्तान के अभियान के दौरान, बाबर को निशाना बनाने के लिए एक सोशल मीडिया अभियान का इस्तेमाल किया गया था। इससे वह बेहद निराश हो गए थे। यह भी बताया गया कि यूट्यूबर्स और पूर्व क्रिकेटरों द्वारा दिए गए बयानों से संबंधित सबूत पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के कानूनी विभाग द्वारा एकत्रित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में पाकिस्तान के कुछ खिलाड़ी और अधिकारी बुधवार तड़के निजी एयरलाइन की उड़ान से लाहौर के अल्लामा इकबाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे। वापसी करने वाले खिलाड़ियों में नसीम शाह, उस्मान खान और सीनियर मैनेजर वहाब रियाज शामिल हैं। हालांकि, 15 सदस्यीय टीम के कुछ खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट से जल्दी बाहर होने के बाद अमेरिका में अपने ठहरने को बढ़ाने का फैसला किया।

बाबर के साथ इमाद वसीम, हारिस रऊफ, शादाब खान और आजम खान के शनिवार को रवाना होने की उम्मीद है। अंतरराष्ट्रीय और घरेलू स्तर पर बाबर के पूर्व साथी रहे अहमद शहजाद पाकिस्तान के कप्तान की तब से आलोचना कर रहे हैं जब से टीम टी 20 विश्व कप से बाहर हो गई थी। टूर्नामेंट के पिछले संस्करण में इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल में

खेलने के बाद, पाकिस्तान की टीम इस साल ग्रुप चरण से ही बाहर हो गई। पाकिस्तान ने रविवार को फ्लोरिडा में आयरलैंड पर तीन विकेट की जीत के साथ अपने अभियान का अंत किया। पाकिस्तान की टीम ग्रुप-ए में थी और इस ग्रुप से भारत और अमेरिका ने सुपर-8 के लिए क्वालिफाई किया था। पाकिस्तान के बाहर होने के बाद हेड कोच गैरी कर्स्टन ने टीम को लताड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ी। पाकिस्तान के एक वरिष्ठ पत्रकार ने कर्स्टन के हवाले से कहा, पाकिस्तान की टीम में कोई एकता नहीं है। वे इसे एक टीम कहते हैं, लेकिन यह एक टीम नहीं है। खिलाड़ी एक-दूसरे का समर्थन नहीं कर रहे हैं। हर कोई अलग-अलग है।

टूट गया टी20 वर्ल्ड कप में 12 साल पुराना रिकॉर्ड

अफ्रीकी गेंदबाज ने किया बड़ा कमाल

सेंट लूसिया, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2024 में इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका के बीच में सुपर 8 के खेले गए मुकाबले में काफी रोमांच देखने को मिला जिसमें अंत में अफ्रीकी टीम ने इस मैच को 7 रनों से अपने नाम करने के साथ सेमीफाइनल में अपने पहुंचने की स्थिति को काफी मजबूत कर लिया है। इस मैच में साउथ अफ्रीका की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर्स में 6 विकेट के नुकसान पर 163 रनों का स्कोर बनाया था, जिसके बाद इंग्लैंड की टीम 156 रनों के स्कोर तक ही पहुंचने में कामयाब हो सकी। इस मुकाबले में अफ्रीकी टीम के तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्खिया भी एक विकेट लेने में कामयाब रहे जिसमें उन्होंने 2 बड़े रिकॉर्ड टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में तोड़ने का काम किया। नॉर्खिया का अब तक इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन देखने को मिला है।

ग्रीम स्वान के 12 साल पुराने रिकॉर्ड को नॉर्खिया ने छोड़ा पीछे- इंग्लैंड के खिलाफ मैच में एनरिक नॉर्खिया ने अपने 4 ओवर्स की गेंदबाजी में 35 रन देने के साथ 1 विकेट हासिल किया, जिसमें उन्होंने हैरी ब्रूक को अहम समय पर पवेलियन भेजा था। इस विकेट को लेने के साथ नॉर्खिया ने टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में ग्रीम स्वान के 12 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ने का काम किया। नॉर्खिया अब इस टूर्नामेंट के इतिहास में लगातार 16 पारियों में कम से कम एक विकेट लेने में जरूर कामयाब हुए हैं। इससे पहले ये रिकॉर्ड ग्रीम स्वान के नाम पर था जिन्होंने 15 पारियों में लगातार कम से एक विकेट टी20 वर्ल्ड कप में लिया था।

टी20 वर्ल्ड कप में लगातार पारियों में कम से एक विकेट लेने वाले खिलाड़ी

● एनरिक नॉर्खिया - 16 पारियां (साल 2021 से 2024*) ● ग्रीम स्वान - 15 पारियां (साल 2009 से 2012 तक) ● एडम जम्पा - 15 पारियां (साल 2021 से 2024*) ● ईश सोढ़ी - 11 पारियां (साल 2016 से 2021 तक)

डेल स्टेन से आगे निकले एनरिक नॉर्खिया

साउथ अफ्रीका टीम के तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्खिया ने इंग्लैंड के खिलाफ मैच में एक विकेट लेने के साथ डेल स्टेन को भी पीछे छोड़ने का काम किया है, जिसमें वह अब अफ्रीकी टीम के लिए टी20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी बन गए हैं। एनरिक नॉर्खिया के नाम अब कुल 31 विकेट हो गए हैं, वहीं डेल स्टेन ने 30 विकेट इस टूर्नामेंट में हासिल किए थे।

टी20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज

एनरिक नॉर्खिया - 31 विकेट
डेल स्टेन - 30 विकेट
मोर्ने मोर्कल - 24 विकेट
कगिसो रबाडा - 24 विकेट
इमरान ताहिर - 18 विकेट

ये विवादित सवाल है, मैं इस पर कोई हेडलाईन नहीं देना चाहता

गौतम गंभीर किस बात पर भड़के

नईदिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर से हाल ही में जब एक इवेंट के दौरान उनके बेस्ट कप्तान के बारे में पूछा गया तो वह भड़क गए। उन्होंने इस सवाल का जवाब यह कहकर दिया कि यह सवाल ही विवादास्पद है और वह इसको लेकर कोई हेडलाइन नहीं देना चाहते। बता दें, गंभीर राहुल द्रविड़, एमएस धोनी, सौरव गांगुली और अनिल कुंबले जैसे बड़े नामों की कप्तानी में खेले हैं। उनका कहना है कि हर कप्तान की अपनी-अपनी विशेषताएं हैं और वह किसी अकेले कप्तान का नाम नहीं लेना चाहते। कोलकाता में एक इवेंट के दौरान गंभीर ने कहा, ÷यह बहुत ही विवादास्पद प्रश्न है। मैं ईमानदारी से इस पर कोई हेडलाइन नहीं देना चाहता, हर किसी की अपनी ताकत और कमजोरी होती है। मैंने राहुल द्रविड़ के नेतृत्व में टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया और (सौरव) गांगुली की कप्तानी में वनडे में डेब्यू किया। उन्होंने कहा, मैंने अनिल कुंबले के नेतृत्व में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और एमएस धोनी के नेतृत्व में भी मेरा दौर रहा। मैंने सबसे लंबे समय तक एमएस के नेतृत्व में खेला। मुझे एमएस के साथ खेलने और जिस तरह से उन्होंने टीम का नेतृत्व किया, उसका बहुत आनंद आया।

पिछड़ने के बाद यूक्रेन ने की वापसी, स्लोवाकिया को हराकर अगले दौर में पहुंचने की संभावना बरकरार रखी

नई दिल्ली, एजेंसी। यूक्रेन की टीम इस मुकाबले में एक गोल से पिछड़ रही थी, लेकिन यारेमचुक ने दमदार प्रदर्शन करते हुए यूक्रेन को जीत दिलाई जिसके दम पर उसने खुद को अगले दौर में पहुंचने की दौड़ में बरकरार रखा है।

रोमन यारेमचुक के गोल की बदौलत यूक्रेन ने शानदार वापसी करते हुए स्लोवाकिया को यूरोपीय चैंपियनशिप 2024 (यूरो कप) फुटबॉल टूर्नामेंट के मुकाबले में 2-1 से हराया। यूक्रेन की टीम इस मुकाबले में एक गोल से पिछड़ रही थी, लेकिन यारेमचुक ने दमदार प्रदर्शन करते हुए यूक्रेन को जीत दिलाई जिसके दम पर उसने खुद को अगले दौर में पहुंचने की दौड़ में बरकरार रखा है।

यूक्रेन की तीसरी जीत

यूक्रेन की यह 2024 में चार प्रतिस्पर्धी मैचों में वापसी करते हुए तीसरी जीत है। सोमवार को रोमानिया से मिली 0-3 की हार के कारण खराब गोल अंतर से यूक्रेन नाजुक स्थिति में था और एक और हार उसे बाहर होने की कगार पर भेज सकती थी। तेज बारिश में खेलते हुए स्लोवाकिया ने 17वें मिनट में इवान शरांज के हेडर से किए गए गोल से बढ़त बना ली थी। हालांकि, यूक्रेन ने मायकोला शापारेंको के 54वें मिनट में किए गए गोल से स्कोर 1-1 बराबर कर दिया। यह शापारेंको का टूर्नामेंट में पहला गोल था।

नवाजुद्दीन के लिए खास हैं अनुराग कश्यप

साल 2012 में रिलीज हुई फिल्म गैंग्स ऑफ वासेपुर ने नवाजुद्दीन सिद्दीकी की जिंदगी बदल दी थी। इस फिल्म के बाद से लोग उन्हें पहचानने लगे थे और यही वह फिल्म थी, जिसके बाद उनके करियर ने करवट ली थी। काम को पहचान मिलने के बावजूद एक चीज ऐसी थी, जिसने नवाज को दुख पहुंचाने का काम किया था। फिल्म के निर्देशक अनुराग कश्यप ने एक साक्षात्कार में बताया था कि फिल्म को कान डायरेक्टर्स फोर्टनाइट में दिखाया जाना था, लेकिन सेलिब्रिटी डिजाइनर नवाज के लुक की वजह से उनका सूट नहीं बनाना चाहते थे।

नवाज को लगा था बुरा

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने एक हालिया साक्षात्कार में इस घटना को लेकर बातचीत की है। नवाज ने कहा कि बेशक ऐसी बात से बुरा तो लगेगा ही कि लोग एक अभिनेता के प्रति ऐसा नजरिया रखते हैं। उन्होंने आगे कहा कि वक्त के साथ-साथ लोगों ने उनके काम को देखा और तारीफ की। नवाज ने कान फेस्टिवल से परिचित कराने के लिए अनुराग कश्यप को धन्यवाद भी दिया। उन्होंने कहा कि कान फेस्टिवल में कई लोगों ने उनके अभिनय को देखा, क्योंकि अनुराग की वे फिल्में, जिनमें उन्होंने काम किया है, उनमें से अधिकतर कान महोत्सव में गई है।

आपस में ज्यादा बातचीत नहीं करते हैं अनुराग और नवाजुद्दीन

नवाजुद्दीन ने एक दिलचस्प बात बताते हुए कहा कि वो और अनुराग दोस्त नहीं हैं। नवाज ने कहा कि अगर वे दोनों एक साथ भी बैठे होंगे तो शायद कई घंटों तक दोनों के बीच कोई बातचीत भी नहीं होगी। उन्होंने एक किस्सा साझा करते हुए कहा कि वे एक साथ बिना बातचीत किए पांच से छह घंटे तक यात्रा कर चुके हैं। नवाज ने कहा कि अगर दोनों के बीच बातें होगी तो शायद इस तरह की होगी कि चलों कुछ खाया-पीया जाए या फिर माचिस है क्या। हालांकि, नवाजुद्दीन ने यह भी कहा कि उनके दिल में अनुराग के लिए खास जगह है।

अंडमान-निकोबार में सूर्या 44 की शूटिंग कर रही हैं पूजा हेगड़े

इन दिनों एक्ट्रेस पूजा हेगड़े अपनी अपकमिंग फिल्म सूर्या 44 की शूटिंग के लिए अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में हैं। एक सूत्र ने बताया कि पूजा जून की शुरुआत में शूटिंग के लिए अंडमान और निकोबार गई थीं और जुलाई के पहले सप्ताह में उनके वापस लौटने की उम्मीद है। पूजा वहां शेड्यूल का एक बड़ा हिस्सा शूट करेंगी।
एक्ट्रेस फिल्म निर्माता कार्तिक सुब्बाराज द्वारा निर्देशित सूर्या 44 में मुख्य भूमिका निभाती दिखाई देंगी। पूजा के अलावा फिल्म में जयराम, जोजू जॉर्ज और करुणाकरण भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।
सूत्र ने कहा कि पूजा फिल्म में मुख्य महिला की भूमिका निभा रही हैं जो कहानी को आगे बढ़ाती है और वह इसमें बहुत अलग लुक में भी दिखाई देंगी. फिल्म का साउंडट्रैक पिज्जा, जिगरथंडा, इरुथी सुत्रु, साला खडूस, इरावी, गुलु गुलु और अन्वेशीपिन कंडेथुम जैसी फिल्मों के लिए संगीत देने वाले संतोष नारायणन का है। उन्होंने अमिताभ बच्चन, कमल हासन, प्रभास और दीपिका पादुकोण अभिनीत आगामी फिल्म कल्कि 2898 ई. में भी काम किया है।
सूर्या 44 के अलावा पूजा, शाहिद कपूर के साथ देवा और अहान शेट्टी के साथ सनकी में भी नजर आएंगी। इसके अलावा उन्होंने साउथ के एक बड़े प्रोडक्शन हाउस के साथ तीन फिल्मों का करार भी किया है। पूजा ने 2012 में जीवा अभिनीत मैसस्किन की तमिल सुपरहीरो फिल्म मुगामूडी से अभिनय की दुनिया में कदम रखा था। इसके बाद उन्होंने तेलुगु फिल्म ओका लैला कोसम में अभिनय किया। इसके बाद उन्होंने 2014 में सिंधु घाटी सभ्यता पर आधारित ऋतिक रोशन की मोहनजोदाड़ो से बॉलीवुड में डेब्यू किया। 2021 में एक्ट्रेस को फोर्ब्स इंडिया के साउथ सिनेमा में इंस्टाग्राम पर सबसे प्रभावशाली सितारों में सातवें स्थान पर रखा गया था। एक्ट्रेस को पिछली बार सलमान खान अभिनीत किसी का भाई किसी की जान में देखा गया था, जिसमें शहनाज गिल, राघव जुयाल और पलक तिवारी जैसे कलाकार भी थे।

वेलकम-नो एंट्री फिल्मों से क्यों बाहर हुए अनिल कपूर

बिग बॉस ओटीटी 3 की मेजबानी करने की वजह से अनिल कपूर लगातार सुर्खियां बटोर रहे हैं। इस चर्चित शो को वह सलमान खान की जगह होस्ट करेंगे। हाल ही में इस शो को लेकर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। इस दौरान अनिल कपूर ने दो सीक्वल- नो एंट्री 2 और वेलकम 3 से बाहर होने को लेकर भी बात की। इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए अभिनेता ने कहा कि उन्हें इसका कारण नहीं पता। उन्होंने कहा, हाल ही में मुझे दो फिल्मों में रिप्लेस कर दिया गया। अब, इसके पीछे क्या कारण है यह मुझे नहीं पता, लेकिन ऐसी चीजें होती रहती हैं। हम बस अपना काम ईमानदारी और हमें ऐसे ही ईमानदारी के साथ काम करते रहना चाहिए। यही जिंदगी है। अनीस बज्मी के निर्देशन में बनी फिल्म नो एंट्री में अनिल कपूर, सलमान खान और फरदीन खान के किरदारों को काफी ज्यादा पसंद किया गया था। वहीं. इसके सीक्वल में वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अर्जुन कपूर को शामिल किया गया है।

शंघाई फिल्म महोत्सव में शिरकत करेंगे विक्रांत मैसी

विक्रांत मैसी की फिल्म '12वीं फेल' की विशेष स्क्रीनिंग चीन के शंघाई फिल्म महोत्सव में रविवार को होगी। कहा जा रहा है कि समारोह में विक्रांत मैसी भी शामिल होंगे। विक्रांत मैसी की फिल्म '12वीं फेल' की विशेष स्क्रीनिंग चीन के शंघाई फिल्म महोत्सव में होगी। फिल्म में आईपीएस अधिकारी मनोज कुमार शर्मा के जीवन संघर्षों को दिखाया गया है। विधु विनोद चोपड़ा द्वारा निर्देशित '12वीं फेल' ने विश्व स्तर पर सफलता हासिल की है। अब इसे रविवार को शंघाई फिल्म महोत्सव के समापन समारोह में दिखाया जाएगा। फिल्म महोत्सव 14 जून से शुरू हुआ है।
मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक विक्रांत फिल्म फेस्टिवल में '12वीं फेल' की स्क्रीनिंग में शामिल होंगे। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि उनके अलावा और कौन फिल्म फेस्टिवल में जाएगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक एक बयान में कहा गया है, शंघाई फिल्म फेस्टिवल में '12वीं फेल' की स्क्रीनिंग और इसमें विक्रांत मैसी की उपस्थिति फिल्म की सफलता और दुनिया भर में इसके प्रभाव को दिखाती है। हाल ही में फिल्म ने चीन में बड़े पैमाने पर रिलीज के साथ सीमाओं को पार किया, जहां इसे 20 हजार से अधिक स्क्रीनों पर दिखाया गया।

उपन्यास पर आधारित है '12वीं फेल'

'12वीं फेल' अनुराग पाठक के एक उपन्यास पर आधारित है इसमें विक्रांत चंबल के एक युवा मनोज की भूमिका में हैं, जो एक आईपीएस अधिकारी बनना चाहते हैं। वहीं, अभिनेत्री मेधाआईआरएस अधिकारी श्रद्धा जोशी की भूमिका में हैं, जो मनोज कुमार शर्मा की पत्नी हैं। फिल्म ने दर्शकों को काफी प्रभावित किया है। इस फिल्म की प्रशंसा बॉलीवुड के कई दिग्गज कर चुके हैं।

कास्टिंग काउच लेकर ईशा का छलका दर्द

ईशा कोप्पिकर कास्टिंग काउच के बारे में बातें करते हुए कहती हैं, कई बार निर्माता-निर्देशक मिलने के लिए बुलाते थे और गलत तरीके से न सिर्फ छूते थे बल्कि हाथों को दबा कर कहते थे हीरो से दोस्ती करनी पड़ेगी। बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर इन दिनों सुर्खियों में बनी हुई हैं। ईशा कोप्पिकर ने बॉलीवुड में डेब्यू फिजा फिल्म से किया था। उन्होंने हिंदी फिल्मों के अलावा कई साउथ की फिल्मों में भी काम किया है। हाल ही में अभिनेत्री ने कास्टिंग काउच को लेकर एक सनसनीखेज खुलासा किया है। उन्होंने बॉलीवुड के काले सच को एक बार फिर से दुनिया के सामने रखा है।

टाइपकास्ट का शिकार हुईं ईशा

ईशा कोप्पिकर आज भी अपने बोल्ड आइटम नंबर के लिए याद की जाती हैं। उनके चाहने वालों को आज भी इश्क समुंदर और खल्लास जैसे गाने याद हैं। हाल ही एक इंटरव्यू के दौरान जब ईशा से जब पूछा गया कि क्या उन्हें टाइपकास्ट कर दिया गया था। इस सवाल के जवाब में अभिनेत्री कहती हैं, सच कहूं तो ऐसा कभी नहीं होता था कि निर्देशक आप से पूछते हों कि आप क्या कर सकते हैं और क्या नहीं। अभिनेत्रियां क्या करेंगी ये अक्सर अभिनेता तय करते थे।
ईशा कोप्पिकर ने आगे कहा, आपने मी टू के बारे में सुना है न उसमें सच्चाई है। अगर आपके पास संस्कार हैं तो बॉलीवुड में टिकना मुश्किल है। कई लड़कियों ने तो कास्टिंग काउच के डर से इंडस्ट्री छोड़ दी। लड़कियों से कहा जाता था या तो बात मान लो या हार मान लो। ऐसे बहुत कम लोग हैं जो अभी भी इंडस्ट्री में हैं और उन्होंने हार नहीं मानी है और मैं उनमें से एक हूं।

निर्देशक गलत तरह से छूते थे

ईशा कोप्पिकर कास्टिंग काउच के बारे में बातें करते हुए कहती हैं, कई बार निर्माता-निर्देशक मिलने के लिए बुलाते थे और गलत तरीके से न सिर्फ छूते थे बल्कि हाथों को दबा कर कहते थे हीरो से दोस्ती करनी पड़ेगी। इतना ही नहीं एक बार एक बड़े हीरो ने मुझसे कहा था कि अकेले मिलने आना। यहां तक कि अपने ड्राइवर को भी साथ नहीं लाना क्योंकि उस समय उनका नाम एक अन्य अभिनेत्री से जुड़ा था। उन्होंने मुझसे कहा कि अगर बॉलीवुड में टिक कर रहना चाहती हो तो मिलनसार बनकर रहना ही पड़ेगा।

वेब सीरीज में रॉ एजेंट की भूमिका में नजर आएंगे गुरमीत

गुरमीत चौधरी वेब सीरीज कमांडर करण सक्सेना में नजर आएंगे। इसमें वह रॉ एजेंट की भूमिका में हैं। गुरमीत ने इस सीरीज से आज इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें साझा की हैं, जिनमें उनकी फिटनेस और अंदाज दोनों कमाल हैं। गुरमीत की यह सीरीज डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर 8 जुलाई से स्ट्रीम होगी। अपनी तस्वीरें साझा करते हुए गुरमीत ने लिखा है, सीरीज कमांडर करण सक्सेना एक समर्पित रॉ एजेंट, देशभक्ति और बलिदान का एक सच्चा उदाहरण हैं। आगे लिखा है, वह अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए कुछ भी करने को तैयार हैं, भारत के प्रति उनका प्यार और प्रतिबद्धता वाकई प्रेरित करने वाली है। हर दिन वह और उनके साथी रॉ एजेंट बड़े जोखिमों और चुनौतियों का सामना करते हैं।

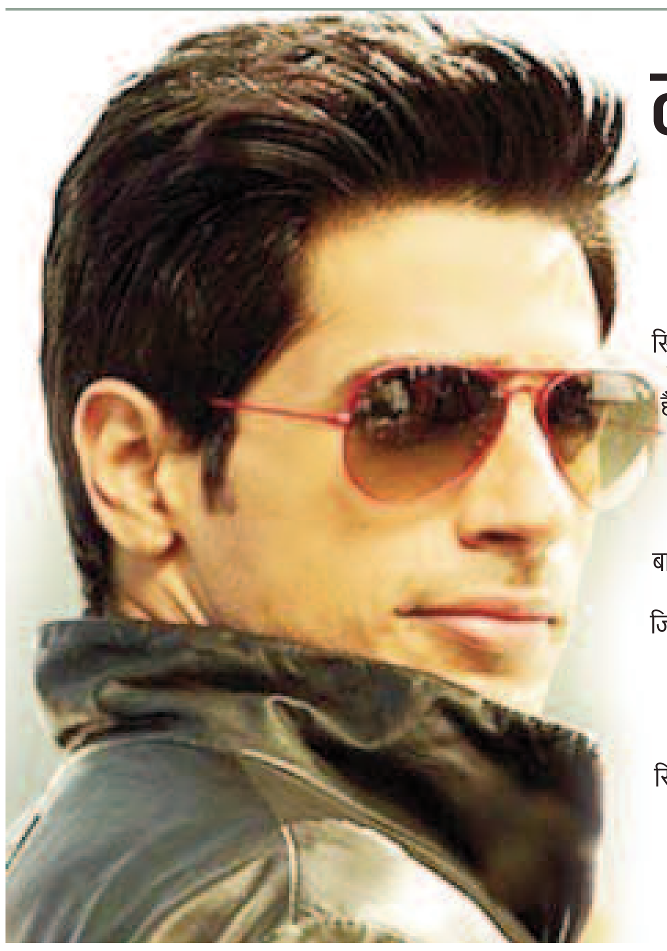

मेघना गुलजार की फिल्म से बाहर हुए सिद्धार्थ?

सिद्धार्थ मल्होत्रा फिलहाल अपनी आगामी फिल्मों को लेकर काफी व्यस्त चल रहे हैं। उन्होंने बीते कुछ वर्षों में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। बतौर अभिनेता वह पिछले कुछ वर्षों में तीन यादगार भूमिकाओं में नजर आए हैं। इन सभी भूमिकाओं में वह वर्दी में दिखे हैं। एक बार फिर से मेघना गुलजार की फिल्म में उनके द्वारा वर्दी पहनने की चर्चा है, जिसको लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है।

वर्दी वाली भूमिकाओं से लेना चाहते हैं ब्रेक

सिद्धार्थ पिछले कुछ वर्षों में तीन बार वर्दी में नजर आए हैं। इसकी शुरुआत हुई थी फिल्म शेरशाह से, जिसमें उन्होंने दिवंगत कैप्टन विक्रम बत्रा का किरदार निभाया था। इसके बाद वह मशहूर निर्देशक रोहित शेट्टी की कॉप यूनिवर्स का हिस्सा बने। उन्होंने रोहित की वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स में वर्दी पहनी और इसके बाद फिल्म योद्धा में भी एक अधिकारी की भूमिका में नजर आए। इसके बाद वह एक बार फिर मेघना गुलजार की फिल्म में वर्दी पहनने वाले हैं। हालांकि, अब कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने वर्दी वाली भूमिकाओं से ब्रेक लेने का निश्चय किया है।

बहुमुखी किरदार करना चाहते हैं सिद्धार्थ

सिद्धार्थ और मेघना गुलजार ने इस आगामी फिल्म के लिए हाथ मिलाया है, लेकिन अब कहा जा रहा है कि दोनों फिलहाल इस फिल्म में एक साथ काम नहीं कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, अभिनेता ने इस फिल्म से हाथ पीछे खींच लिया है। रिपोर्ट में कहा जा रहा है कि वह अपने अभिनय में विविधता लाना चाहते हैं। इस फिल्म में उन्हें एक बार फिर से वर्दी वाला किरदार करना था, इसलिए उन्होंने फिल्म से दूरी बनाने का फैसला किया है। वह दर्शकों को अपनी बहुमुखी अभिनय प्रतिभा दिखाना चाहते हैं। हालांकि, वह मेघना के साथ आगे काम करने को काफी इच्छुक हैं।

पत्नी कियारा संग फिल्म करने की है अफवाह

बात करें सिद्धार्थ के वर्क फ्रंट की तो वह मुराद खेतानी की अगली फिल्म में एक्शन अवतार में नजर आने वाले हैं। इसके अलावा अभिनेत्री कृति सैनन के साथ भी उनकी एक फिल्म की चर्चा है। इसके अलावा ये अफवाह भी तेजी से फैल रही है कि वह अपनी पत्नी कियारा आडवाणी के साथ एक रोमांटिक फिल्म भी करने वाले हैं। हालांकि, इस पर दोनों की तरफ से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

कल्कि 2898 एडी में अपने किरदार पर खुलकर बोले कमल हासन

कल्कि 2898 एडी के प्री रिलीज इवेंट में सितारों का जमावड़ा देखने को मिला। फिल्म की पूरी कास्ट इवेंट में अपनी उपस्थिति से चार चांद लगाती नजर आई वहीं, इसका हिस्सा बने 69 वर्षीय स्टार कमल हासन का भी स्वैग देखते ही बना।
जानकारी हो कि कमल, नाग अश्विन की फिल्म में खलनायक की भूमिका में नजर आएंगे। सुपरस्टार ने साझा किया, मैं लंबे समय से नकारात्मक भूमिका निभाने के लिए तरस रहा था। कमल ने आगे जोड़ा, विचार कुछ ऐसा करने का था जिस पर पहले कभी काम नहीं किया गया हो।